You Tube kanwhizztimes
@kanwhizztimes
@kanwhizztimes
www.kanwhizztimes.com

कैनविज टाइम्स
सिर्फ सच

❐ वर्ष-14 ❐ अंक-128 ❐ मंगलवार, 10 जून 2025 ❐ नगर संस्करण ❐ लखनऊ से प्रकाशित एवं दिल्ली, पंजाब और उत्तराखंड में प्रसारित ❐ मूल्य- ₹ 3.00 ❐ पृष्ठ-12

केंद्र सरकार ने जनता के लिए कई कल्याणकारी योजनाएं चलाई हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार ने 11 वर्ष पूरे कर लिए हैं और इस अवधि को ''विकसित भारत का अमृत काल'' के रूप में चिन्हित किया गया है,जो सेवा, सुशासन और गरीब कल्याण के लिए समर्पित है। **भूपेंद्र सिंह चौधरी**

देश में कोरोना संक्रमण के सक्रिय मामलों की संख्या 6491 तक पहुंची 11

चंपावत में हरित योग के साथ 11वें अंतरराष्ट्रीय योग दिवस की तैयारियां जोरों पर 12

संक्षेप

भारतीयों के सऊदी अरब की यात्रा पर कोई प्रतिबंध नहीं : सूत्र

नयी दिल्ली। भारतीयों के सऊदी अरब जाने पर रोक की खबरें गलत हैं और सऊदी सरकार ने इस मामले में कोई अधिसूचना जारी नहीं की है। सरकारी सूत्रों ने सोमवार को यह जानकारी दी। यह स्पष्टीकरण उन खबरों के बाद आया है, जिनमें दावा किया गया था कि सऊदी सरकार ने भारतीयों की वहां की यात्रा पर प्रतिबंध लगा दिया है। एक सूत्र ने कहा, ''हज के समय के दौरान, भीड़भाड़ से बचने के लिए आमतौर पर अल्पकालिक वीजा पर अस्थायी प्रतिबंध लगाए जाते हैं, जो हज यात्रा संपन्न होने के साथ ही समाप्त हो जाते हैं।'

उप्र राजकीय निर्माण निगम के अतिरिक्त प्रबन्ध निदेशक बने रामनाथ सिंह

लखनऊ। लोक निर्माण विभाग के पीएमजीएसवाई के मुख्य अभियंता, (स्तर-एक) रामनाथ सिंह को तात्कालिक प्रभाव से स्थानान्तरित करते हुए अतिरिक्त प्रबन्ध निदेशक राजकीय निर्माण निगम लखनऊ (प्रतिनियुक्ति) के पद पर तैनात किया गया है। राम नाथ सिंह अतिरिक्त प्रबन्ध निदेशक पद के साथ-साथ प्रबन्ध निदेशक यूपी राजकीय निर्माण निगम के पद का अतिरिक्त कार्य-भार देखते रहेंगे। इसके लिए उन्हें कोई देय नहीं होगा। यह जानकारी लोक निर्माण विभाग के विशेष सचिव प्रभुनाथ ने दी है।

कोविड-19 के नये स्वरूप एक्सएफजी के 163 मामले भारत में सामने आये

नयी दिल्ली, नौ जून (भाषा) कोविड-19 के नये स्वरूप एक्सएफजी के करीब 163 मामले अब तक भारत में सामने आये हैं। सार्स-कोव-2 जीनोमिक्स कंसोर्टियम (इनसाकॉग) के आंकड़ों से यह जानकारी मिली। 'द लैंसेट' पत्रिका में प्रकाशित एक लेख के अनुसार, एक्सएफजी स्वरूप में चार प्रमुख 'स्पाइक म्यूटेशन' हैं तथा शुरूआत में कनाडा में इसकी पहचान होने के बाद यह तेजी से विश्व में फैला है। भारतीय सार्स-कोव-2 जीनोमिक्स कंसोर्टियम (इनसाकॉग) के आंकड़ों के अनुसार, कोविड-19 उत्पन्न करने वाले वायरस का एक्सएफजी स्वरूप कुल 163 नमूनों में पाया गया है। इनमें से सबसे अधिक (89) महाराष्ट्र में पाये गए, उसके बाद तमिलनाडु (16), केरल (15), गुजरात (11), और आंध्र प्रदेश, मध्यप्रदेश और पश्चिम बंगाल (छह-छह) का स्थान है। आंकड़ों से पता चलता है कि मई में, 159 नमूनों में एक्सएफजी स्वरूप पाया गया था, जबकि अप्रैल में दो और जून में दो नमूनों की जांच की गई थी। रविवार को जारी केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय के आंकड़ों के अनुसार, भारत में कोविड के उपचाराधीन मरीजों की संख्या 6,000 को पार कर गई है, जिसमें पिछले 48 घंटों में जुड़े 769 मामले भी शामिल हैं।

मेघालय से लापता इंदौर की सोनम ने ही कराई पति राजा की हत्या

एजेंसी

- ❐ उप्र के ढाबे से पकड़ी गई, पांच अन्य गिरफ्तार
- ❐ रहस्यमय है सोनम का 17 दिन तक लापता होना
- ❐ सोनम ने ही पति की हत्या कराई: मेघालय पुलिस

इंदौर। शादी के बाद हनीमून मनाने के लिए मेघालय गए इंदौर के ट्रांसपोर्ट कारोबारी राजा रघुवंशी की हत्या उनकी पत्नी सोनम ने ही कराई थी। पुलिस ने सोनम को उत्तर प्रदेश के गाजीपुर से एक ढाबे से पकड़ा है। इस बात की पुष्टि मेघालय के मुख्यमंत्री कोनराड सांगमा ने एक्स पोस्ट पर की। मेघालय के मुख्यमंत्री कोनराड के संगमा ने सोमवार सुबह एक्स पोस्ट में कहा कि राजा हत्याकांड में सात दिनों के भीतर मेघालय पुलिस को बड़ी सफलता मिली है।

मेघालय के शिलांग में इंदौर के ट्रांसपोर्ट कारोबारी राजा रघुवंशी की हत्या के बाद उनकी लापता पत्नी सोनम को 17 दिन बाद उत्तर प्रदेश के गाजीपुर में एक ढाबे से हिरासत में लिया गया है। मेघालय पुलिस का दावा है कि सोनम ने ही पेशेवर हत्यारों को सुपारी देकर राजा की हत्या करवाई है। इस मामले में अब तक सोनम के अलावा पांच लोगों को गिरफ्तार किया गया है। सोनम के पिता ने मेघालय पुलिस पर अपनी बेटी को फंसाने का आरोप लगाया है। पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार इस मामले में पांच लोगों को गिरफ्तार किया गया है। इस मामले में पुलिस ने इंदौर से राज कुशवाहा और विशाल चौहान को, इंदौर के पास से ही आकाश राजपूत को और बीना के बसाहरी गांव से आनंद कुर्मी को पकड़ा है। इसके अलावा यूपी के ललितपुर के दिगवार गांव से आकाश लोधी को भी गिरफ्तार किया है। पुलिस इनसे पूछताछ कर रही है। इसी बीच मेघालय के डीजीपी इदाशीशा नोंग्रांग ने सोमवार को एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में दावा

किया कि पत्नी (सोनम) ने ही पेशेवर हत्यारों को सुपारी देकर राजा रघुवंशी की हत्या कराई है। इस मामले की पुष्टि मेघालय के मुख्यमंत्री कोनराड संगमा ने भी सोशल मीडिया के माध्यम से की है।

इसी रविवार रात करीब दो बजे सोनम को भी गाजीपुर के एक ढाबे से हिरासत में ले लिया गया है। सोनम ने इस ढाबे से ही अपने भाई गोविद को फोन किया था। गोविंद ने ही मध्य प्रदेश पुलिस को सूचना दी। इसके बाद गाजीपुर पुलिस ने सोनम को हिरासत में ले लिया। हालांकि अभी यह स्पष्ट नहीं हो पाया है कि सोनम गाजीपुर तक कैसे पहुंची। फिलहाल सोनम गाजीपुर पुलिस की हिरासत में है। उत्तर प्रदेश पुलिस के एडीजी का कहना है कि सोनम को मेघालय पुलिस को सौंपा जाएगा और वही उससे पूछताछ करेंगे।

सोनम के पिता देवी सिंह ने इस बात को मानने से साफ इनकार कर दिया है कि उनकी बेटी ने अपने पति की हत्या कराई होगी। उन्होंने कहा कि मेरी बेटी बेगुनाह है। मेघालय पुलिस ने उसे फंसाने के लिए झूठी कहानी गढ़ रही है। मेघालय पुलिस ने बिल्कुल भी सहयोग नहीं किया। सोनम किस हालत में ढाबे तक पहुंची, पता नहीं। ढाबे वाले से फोन लेकर उसने भाई को फोन किया, तभी हमें जानकारी मिली। उन्होंने मांग की कि इस मामले की सीबीआई जांच होना चाहिए।

इधर, राजा रघुवंशी के परिजनों को जानकारी मिली कि उसके बेटे की हत्या में सोनम का ही हाथ है। इससे राजा का पूरा परिवार आक्रोशित है। बताया गया कि इसके बाद राजा के परिजनों ने सोनम के कई फोटो फाड़ दिए।

पिता की फैक्टरी के कर्मचारी से सोनम के अफ़ेयर की चर्चा मामले में यह बात भी सामने आई है कि सोनम का अपने पिता की प्लाईवुड फैक्टरी में काम करने वाले पांच साल छोटे राज कुशवाह के साथ अफ़ेयर था। राज कुशवाह फैक्टरी में बिलिंग का काम करता है। कहा जा रहा है कि सोनम को उससे प्रेम हो गया था। मेघालय पुलिस का आरोप है कि सोनम ने राज के साथ मिलकर पति राजा की हत्या की साजिश रची थी। राज ने अपने दोस्त विशाल सिंह, आनंद कुर्मी, आकाश राजपूत को तैयार किया और योजना बनाकर शिलांग में हत्या कर दी। इंदौर क्राइम ब्रांच के एडिशनल डीसीपी राजेश दंडोतिया ने बताया कि मेघालय पुलिस की सूचना पर यहां तीन आरोपितों को गिरफ्तार किया जा चुका है। इसमें एक राज कुशवाह भी है, जो नंदबाग का रहने वाला है। दूसरा विशाल चौहान और तीसरा आकाश राजपूत है। एक फरार आरोपित आनंद को बीना से गिरफ्तार किया गया है। ● शेष पेज 11 पर

मोदी सरकार ने किए युगांतरकारी परिवर्तन

एजेंसी

नयी दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) सरकार ने 11 वर्षो के कार्यकाल में सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास और सबका प्रयास के मूल मंत्र पर चलते हुए आर्थिक विकास से लेकर सामाजिक उत्थान तक जन-केंद्रित, समावेशी तथा सर्वांगीण प्रगति को प्राथमिकता दी है और संवेदनशीलता के साथ युगांतरकारी परिवर्तन किए हैं।

केन्द्र में राजग सरकार के ग्यारह वर्ष पूरे होने पर सोमवार को प्रधानमंत्री तथा वरिष्ठ मंत्रियों के साथ-साथ सत्तारूढ पार्टी के शीर्ष नेतृत्व ने भी सरकार की उपलब्धियों का जोर शोर से उल्लेख किया। उन्होंने कहा कि देश ने 140 करोड़ लोगों की सामूहिक भागीदारी से सुशासन के बल पर विभिन्न क्षेत्रों में तेजी से बदलाव देखा है, जिससे तेजी से प्रगति हुई है और 'जीवन में सुगमता' आयी है।

उल्लेखनीय है कि वर्ष 2014 में राजग सरकार के केन्द्र की सत्ता में आने के बाद श्री मोदी ने पहली बार प्रधानमंत्री के रूप में शपथ ली थी। प्रधानमंत्री के रूप में उनके कार्यकाल के 11 वर्ष पूरे होने के अवसर पर श्री मोदी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर सिलसिलेवार पोस्ट में कहा, सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास, सबका प्रयास के सिद्धांत से प्रेरित होकर राजग सरकार ने तेजी से और संवेदनशीलता के साथ युगांतकारी परिवर्तन किए हैं। उन्होंने कहा कि भारत न केवल

- ❐ सुशासन से विभिन्न क्षेत्रों में आया बदलाव, प्रगति के साथ जीवन में सुगमता बढी: मोदी
- ❐ पीएम मोदी के 11 साल को सुनहरे अक्षरों में लिखा जाना चाहिए : नड्डा
- ❐ पिछले 11 वर्ष आर्थिक पुनरुत्थान, सांस्कृतिक गौरव और राष्ट्रीय सुरक्षा का नया युग: शाह
- ❐ मोदी का 11 वर्ष का कार्यकाल अभूतपूर्व विकास का युग : राजनाथ

सबसे तेजी से बढ़ने वाली प्रमुख अर्थव्यवस्था बन गया है, बल्कि जलवायु परिवर्तन और डिजिटल नवाचार जैसे महत्वपूर्ण मुद्दों पर एक प्रमुख वैश्विक आवाज भी बन गया है। उन्होंने कहा कि आर्थिक विकास से लेकर सामाजिक उत्थान तक, सरकार ने जन-केंद्रित, समावेशी और सर्वांगीण प्रगति को प्राथमिकता दी है।

प्रधानमंत्री ने कहा कि भारत आज न केवल सबसे तेजी से बढ़ती प्रमुख अर्थव्यवस्था है, बल्कि जलवायु परिवर्तन से निपटने के लिए कार्रवाई और डिजिटल नवाचार जैसे महत्वपूर्ण मुद्दों पर एक प्रमुख वैश्विक आवाज भी है। उन्होंने कहा कि देश को इस सामूहिक सफलता पर गर्व है लेकिन इसके साथ ही, हम आशा तथा विश्वास के साथ विकसित भारत के निर्माण के लिए नए संकल्प के साथ आगे बढ़ रहे हैं। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने 'अभूतपूर्व विकास' और 'युगांतरकारी राजनीतिक, सामाजिक और आर्थिक परिवर्तन' का युग बताया है। उन्होंने रक्षा क्षेत्र में भारत की बढ़ती आत्मनिर्भरता पर प्रकाश डालते हुए कहा कि प्रधानमंत्री मोदी के आत्मनिर्भर भारत के दृष्टिकोण ने देश को दुनिया की शीर्ष पांच अर्थव्यवस्थाओं में आत्मविश्वास के साथ खड़ा होने में सक्षम बनाया है। उन्होंने कहा, ळ भारत आज अपनी संप्रभुता और क्षेत्रीय अखंडता की हर कीमत पर रक्षा करने के संकल्प पर पूरी तरह से सुसज्जित, आश्वस्त और अडिग है। रक्षा मंत्री ने पिछले दशक के व्यापक प्रभाव का उल्लेख करते हुए कहा, सेवा के ये 11 वर्ष हमारे स्वतंत्रता सेनानियों और संविधान निर्माताओं के सपनों को साकार करने की कहानी कह रहे हैं, जिन्होंने एक ऐसे लोकतंत्र की कल्पना की थी जो न केवल राजनीतिक हो, बल्कि सामाजिक और आर्थिक प्रकृति का भी हो। उन्होंने जोर देकर कहा कि प्रधानमंत्री के गतिशील नेतृत्व में भारत न केवल प्रगति कर रहा है, बल्कि राष्ट्रों के समुदाय में अपना उचित स्थान प्राप्त करने ● शेष पेज 11 पर

फिल्म ठग लाइफ : तत्काल सुनवाई से इनकार

एजेंसी

नयी दिल्ली। उच्चतम न्यायालय ने मशहूर कलाकार कमल हासन की मुख्य भूमिका वाली फिल्म 'ठग लाइफ' को सिनेमाघरों में प्रदर्शित करने से जुड़ी धमकियों के मामले से संबंधित याचिका पर तत्काल सुनवाई का अनुरोध सोमवार को खारिज कर दिया और याचिकाकर्ताओं को कर्नाटक उच्च न्यायालय का दरवाजा खटखटाने को कहा।

न्यायमूर्ति प्रशांत कुमार मिश्रा और न्यायमूर्ति मनमोहन की अंशकालीन कार्य दिवस पीठ ने कर्नाटक के थिएटर

एसोसिएशन की याचिका पर तत्काल सुनवाई करने के अनुरोध को ठुकराते हुए कहा कि वो उच्च न्यायालय का दरवाजा खटखटा सकती है।

याचिका में एसोसिएशन ने फिल्म प्रदर्शित करने को लेकर कुछ समूहों से कथित धमकियों के मद्देनजर सुरक्षा देने की गुहार लगाई थी। शीर्ष अदालत के समक्ष थिएटर मालिकों के वकील ने दलील दी कि चरमपंथी समूहों ने खुलेआम धमकी दी है। उन्होंने कथित तौर पर चेतावनी दी है कि अगर वो फिल्म दिखाई तो थिएटरों में आग लगा दी जाएगी। उनकी इस दलील पर पीठ की ओर से न्यायमूर्ति मिश्रा ने तीखी टिप्पणी की, 'अग्निशामक यंत्र लगाइए(सिनेमाघरों में)। आगे उन्होंने दोहराया कि शीर्ष अदालत इस स्तर पर हस्तक्षेप नहीं करेगा। इस पर वकील ने ● शेष पेज 11 पर

लोकल ट्रेन से कई यात्रियों के गिरने से पांच की मौत, सात घायल

मुंबई। महाराष्ट्र के मुंब्रा रेलवे स्टेशन पर कसारा से आने वाली एक भीड़भाड़ वाली लोकल ट्रेन से गिरने से सोमवार को पांच लोगों की मौत हो गई और सात अन्य घायल हो गए।

मुंब्रा पुलिस स्टेशन के वरिष्ठ पुलिस निरीक्षक अनिल शिंदे ने यह जानकारी दी। श्री शिंदे ने कहा, यह दुर्घटना सुबह करीब नौ बजे हुई और हमें सवा नौ बजे सूचना मिली और हम मौके पर पहुंचे तो पाया कि करीब सात लोग घायल हैं और कम से कम पांच लोगों की मौत हो चुकी है। घायलों और मृतकों को तुरंत नजदीकी छत्रपति शिवाजी महाराज अस्पताल, कलवा ले जाया गया, जिनमें से चार घायल खुद जुपिटर अस्पताल चले गए। उन्होंने बताया कि प्रारंभिक रिपोर्टों से पता चलता है कि घटना के दौरान 10 से 12 यात्री ट्रेन से गिरे थे। अधिकारियों ने दुर्घटना का मुख्य कारण अत्यधिक भीड़ बताया है, कथित तौर पर उस समय कई यात्री ट्रेन के दरवाजों पर लटके ● शेष पेज 11 पर

यूपी में पूरब से पश्चिम तक भीषण गर्मी

कैनविज टाइम्स संवाददाता

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में पूरब से लेकर पश्चिम तक भीषण गर्मी का प्रकोप जारी है। सोमवार को बुंदेलखंड, आगरा मंडल और दिल्ली एनसीआर के जिले प्रचंड गर्मी के साथ लू की चपेट में रहे। झांसी और आगरा में पारा 45 डिग्री सेल्सियस के पार चला गया।

मौसम विभाग ने मंगलवार के लिए यूपी के आगरा, झांसी, मथुरा, अलीगढ़, हाथरस, फिरोजाबाद, इटावा, जालौन, हमीरपुर, महोबा, ललितपुर में भीषण गर्मी के साथ लू चलने का ऑरेंज अलर्ट जारी किया है। वहीं दक्षिणी व पश्चिमी यूपी के लगभग 14 जिलों में रातें सामान्य से ज्यादा गर्म रहेंगी और वार्म नाईट का प्रकोप रहेगा। साथ ही पश्चिमी यूपी और एनसीआर के लगभग 25 जिलों के लिए लू चलने का येलो अलर्ट जारी किया है। सोमवार को उत्तर

प्रदेश के लगभग 22 जिलों में अधिकतम तापमान 40 डिग्री सेल्सियस के पार चला गया। मौसम विभाग का कहना है कि मंगलवार से अगले एक दो दिन बुंदेलखंड और आगरा क्षेत्र के कई जिलों में दिन में लू चलने के साथ-साथ रातें भी सामान्य से ज्यादा गर्म रहेंगी और वार्म नाइट का प्रकोप रहेगा। आंचलिक मौसम विज्ञान केंद्र लखनऊ के वरिष्ठ वैज्ञानिक अतुल कुमार सिंह ने बताया कि 11 जून के बाद बंगाल की खाड़ी से उठे नमी के असर से प्रदेश के पूर्वांचल व अन्य हिस्सों में बूंदाबांदी का दौर दोबारा देखने को मिलेगा।

हाईकोर्ट ने जेनरिक दवाओं की कीमतों में भारी अंतर और मुनाफाखोरी पर मांगी जानकारी

कैनविज टाइम्स संवाददाता

प्रयागराज। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने सस्ती जेनेरिक दवाओं की उपलब्धता, उनके की मूल्य की पारदर्शिता और सरकारी प्रतीक चिह्न को लेकर दाखिल जनहित याचिका पर केंद्र व राज्य सरकार, राष्ट्रीय औषधि मूल्य निर्धारण प्राधिकरण और ड्रग कंट्रोलर जनरल ऑफ इंडिया सहित अन्य विपक्षियों से चार सप्ताह में जानकारी मांगी है।

यह आदेश न्यायमूर्ति एसडी सिंह एवं संदीप जैन की खंडपीठ ने संजय सिंह की जनहित याचिका पर उनके अधिवक्ता को सुनकर दिया है। याचिका में जेनेरिक दवाओं की कीमतों में भारी अंतर, मुनाफाखोरी, ब्रांडेड दवाओं को प्राथमिकता देना और जेनरिक दवाओं पर सरकारी प्रतीक चिह्न न होने जैसे गंभीर मुद्दों को उठाया गया है।

याचिका में कहा गया है कि भारत में जेनेरिक दवाओं को मूल्य नियंत्रण की सूची में रखे जाने के बावजूद कई

मेडिकल स्टोर और ऑनलाइन प्लेटफॉर्म उन्हें अधिकतम खुदरा मूल्य (एमआरपी) पर ही बेच रहे हैं। साथ ही मरीजों को यह पता नहीं चल पाता कि कौन सी दवा ब्रांडेड है और कौन सी जेनरिक। याची ने मांग की है कि सभी जेनेरिक दवाओं पर एक अनिवार्य प्रतीक चिह्न लगाया जाए ताकि आम लोग भ्रमित न हों और सरकारी सब्सिडी या मूल्य नियंत्रण का लाभ सीधे अंतिम उपभोक्ता को मिले। याचिका में यह भी कहा गया है कि मार्च 2025 में सभी

याचिका में मुख्य मांगें

- ❐ सभी जेनेरिक दवाओं पर एक अनिवार्य प्रतीक चिह्न लागू किया जाए ताकि आम लोग ब्रांडेड व जेनेरिक दवाओं में अंतर पहचान सकें।

यह सुनिश्चित किया जाए कि सरकारी अनुदान, सब्सिडी व मूल्य नियंत्रण का लाभ सीधे अंतिम उपभोक्ता तक पहुंचे।- ऑनलाइन प्लेटफार्म व मेडिकल स्टोरों पर जेनेरिक दवाओं की बिक्री और मूल्य नियंत्रण के लिए निगरानी समिति गठित की जाए।

जो मेडिकल स्टोर या प्लेटफॉर्म जेनेरिक दवाएं एमआरपी पर बेच रहे हैं और छूट नहीं दे रहे हैं, उनके विरुद्ध दंडात्मक कार्रवाई की जाए।

संबंधित अधिकारियों को लिखित प्रार्थना पत्र भेजे गए थे लेकिन अभी तक कोई ठोस जवाब नहीं मिला।

पायलट प्रोजेक्ट में 10 निकायों को किया गया शामिल

गांवों की तरह शहरों का तैयार होगा भूमि रिकार्ड

कैनविज टाइम्स संवाददाता

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में गांवों की तरह शहरों का भी भूमि रिकार्ड तैयार कराया जाएगा। केंद्र सरकार द्वारा शुरू किए गए नक्शा पायलेट कार्यक्रम में प्रदेश के 10 निकायों को इसमें शामिल किया गया है। इससे भूमि का मालिकाना हक निर्धारण करने और संपत्तियों के हस्तांतरण में होने वाली धोखाधड़ी में रोक लगेगी। केंद्रीय ग्रामीण विकास मंत्रालय के भूमि संसाधन विभाग के सचिव मनोज जोशी और राजस्व परिषद के अध्यक्ष अनिल कुमार ने सोमवार को संयुक्त रूप से बातचीत में ये जानकारियां दीं। केंद्रीय सचिव द्वारा उत्तर प्रदेश में डिजिटल इंडिया भूमि रिकार्ड माडर्नाइजेशन प्रोग्राम (डीआईएलआरएमपी) और शहरी क्षेत्रों के भूमि रिकार्ड तैयार करने संबंधी कार्यक्रम में तैयार कराए जा रहे 'नक्शा की समीक्षा की। उन्होंने बताया कि शहरी क्षेत्रों के भूमि रिकार्ड तैयार करने के लिए देश के 27 राज्यों और तीन केंद्र शासित प्रदेशों के

157 शहरी स्थानीय निकायों में यह काम पहले चरण में शुरू कराया गया है। इसमें यूपी के 10 निकाय हैं। इसमें टांडा अंबेडकरनगर, नवाबगंज बाराबंकी, अनूपशहर बुलंदशहर, चित्रकूटधाम, गोरखपुर, हरदोई, झांसी, चुनार मिर्ज़ापुर, पूरनपुर पीलीभीत और तिलहर शाहजहांपुर शहरी निकाय हैं। इन निकायों में हवाई और क्षेत्र सर्वेक्षण कराते हुए नक्शा तैयार कराते हुए शहरी भूमि का एक व्यापक जीआईएस आधारित एकीकृत डेटाबेस तैयार कराया जा रहा है। उन्होंने बताया कि प्रदेश में लगभग 22.27 प्रतिशत जनसंख्या शहरी क्षेत्रों में रहती है। एक अनुमान के मुताबिक वर्ष 2031 तक शहरी जनसंख्या लगभग 40 प्रतिशत हो जाएगी। अभी तक प्रदेश में शहरी क्षेत्रों के जो भी भूमि रिकार्ड हैं, वो निकायों द्वारा टैक्स वसूली के लिए तैयार कराया गया है, यह मालिकाना हक निर्धारण के लिए पर्याप्त नहीं है। नक्शा कार्यक्रम में तैयार शहरी भूमि रिकार्ड से मालिकाना हक सहित भूमि की स्थिति पूरी तरह स्पष्ट हो जाएगी। इससे शहरी क्षेत्र की परिसंपत्तियों के लेन-देन में धोखाधड़ी पर रोक लगेगी और विवाद की स्थिति में न्यायिक कार्यवाही में आसानी होगी। उन्होंने बताया कि नक्शा तैयार होने के बाद जनसंख्या घनत्व के अनुसार अवस्थापना सुविधाएं देने में आसानी होगी। निकायों को टैक्स वसूली में आसानी होगी, आपदा की तैयारी और निजी निवेश को बढ़ावा मिलेगा। केंद्रीय अधिकारियों ने चयनित 10 शहरी निकायों के नोडल अधिकारियों के साथ इसे तैयार करने में आने वाली जमीनी कठिनाइयों के संबंध में भी विचार विमर्श किया गया। बैठक में कुनाल सत्यार्थी संयुक्त सचिव भूमि संसाधन विभाग ग्रामीण विकास केंद्रीय मंत्रालय के साथ प्रमुख सचिव-राजस्व, स्टांप एवं निबंधन, आयुक्त एवं सचिव राजस्व परिषद आदि उपस्थित रहे।

चार सूत्रीय रणनीति से 40 पीएसई को कुशल, पारदर्शी और जन-हितैषी बनाने में जुटी योगी सरकार

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में राज्य के 40 सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों (पीएसई) को नई ताकत और दिशा दी जा रही है, जिसका सीधा फायदा आम जनता को होगा। योगी सरकार ने इन उपक्रमों को और अधिक कुशल, पारदर्शी और जन-हितैषी बनाने के लिए ठोस रणनीति लागू करने जा रही है। राज्य सरकार के प्रवक्ता ने बताया कि प्रदेश में 40 पीएसई संचालित हैं, जिनमें से 97.58 प्रतिशत पूंजी ऊर्ज़ा क्षेत्र में निवेशित है, जबकि शेष 2.42 प्रतिशत पूंजी सेवा, निर्माण, उत्पादन, वित्त और व्यापार जैसे क्षेत्रों में लगी है। इनमें यूपी पावर कॉरपोरेशन

हुसैनगंज पावर हाउस में बिजली कनेक्शन और ट्रांसफर में रिश्वत का आरोप

हुसैनगंज पावर हाउस क्षेत्र का मामला, पीड़ित ने जूनियर इंजीनियर और एक क्लर्क पर बिजली कनेक्शन ट्रांसफर करने के लिए रिश्वत मांगने का लगाया आरोप

कैनविज टाइम्स संवाददाता

लखनऊ। हुसैनगंज पावर हाउस क्षेत्र में एक गंभीर मामला सामने आया है। जहाँ बॉलिंगटन चौराहे से पहले मेडविल हॉस्पिटल के निकट मकान खरीदने वाले जम्बूर खाना निवासी शाहबाज खान पुत्र स्वः ताज मोहम्मद ख़ान ने बिजली विभाग के एक जूनियर इंजीनियर और एक क्लर्क पर बिजली कनेक्शन ट्रांसफर करने के लिए रिश्वत मांगने का आरोप लगाया है। उपभोक्ता शाहबाज ख़ान का कहना है कि उन्होंने लगभग एक वर्ष पूर्व जिस मकान को खरीदा है उसके बिजली कनेक्शन का मीटर न तो पिछले मालिक के नाम है और न ही उनके वर्तमान पते से मेल खाता है। शाहबाज ने बताया कि मीटर किसी अन्य पते पर दर्ज है, जो उनका निवास नहीं है। उन्होंने बताया की संबंधित जेई से कनेक्शन बंद कर उनके नाम से नया कनेक्शन देने की मांग की गयी लेकिन जेई ने मीटर के मूल मालिक का मृत्यु प्रमाण पत्र मांगा जिसे वह जानते भी नहीं हैं। पीड़ित का आरोप है कि जेई ने रिश्वत की मांग की और शिकायत करने पर कनेक्शन देने से इनकार करने और अधिक परेशान करने की धमकी दी। हताश होकर शाहबाज ने मुख्यमंत्री पोर्टल पर आईजीआरएस के माध्यम से शिकायत दर्ज की है। यह मामला बिजली विभाग में पारदर्शिता और जवाबदेही की कमी को उजागर करता है। शाहबाज ख़ान की शिकायत के बाद अब सभी की निगाहें इस बात पर टिकी हैं कि जांच में क्या तथ्य सामने आते हैं और पीड़ित को न्याय मिलता है या नहीं।

क्या कहा हुसैनगंज पावर हाउस के एसडीओ ने

वहीं हुसैनगंज पावर हाउस के उपखंड अधिकारी (एसडीओ) अमित सिंह ने मामले को गंभीरता से लेते हुए कहा ''मामला मेरे संज्ञान में आया है। मैं स्वयं मौके पर जाकर जांच करूंगा। यदि कनेक्शन उस पते पर नहीं है, तो उसे तत्काल काटा जाएगा और यह पता लगाया जाएगा कि मीटर का पंजीकृत पता कहां है। उपभोक्ता की समस्या का समाधान प्राथमिकता से किया जाएगा।

जेई रिश्वत के मामले में पहले भी जा चुका है जेल

सूत्रों के अनुसार शाहबाज ख़ान ने जिस जूनियर इंजीनियर पर रिश्वत मांगने का आरोप लगाया है वह ठाकुरगंज दिविज़न के अंतर्गत राधाग्राम पावर हाउस पर अपनी तैनाती के दौरान एंटी करप्शन विभाग द्वारा रिश्वत लेने के आरोप में पकड़ा जा चुका है और उनको जेल की हवा भी खानी पड़ी थी। वहीं अब देखने वाली बात यह होगी की इन जूनियर इंजीनियर पर एक बार फिर से लगने वाले आरोपों में कितनी सच्चाई है और विभाग के उच्च अधिकारियों द्वारा इस पर क्या कार्रवाई की जाती है और क्या तथ्य निकाल कर आते हैं।

यूपीएसआईएफएस में कैरियर के लिए विभिन्न पहलुओं पर बेहतर अवसर: डॉ जीके गोस्वामी

यूपीएसआईएफएस में समर इंटर्नशिप का शुभारम्भ

कैनविज टाइम्स संवाददाता

लखनऊ। उत्तर प्रदेश स्टेट इंस्टीट्यूट ऑफ़ फॉरेंसिक साइंस लखनऊ में आज एनसीआर दिल्ली, उत्तराखंड, चेन्नई, मध्य प्रदेश, राजस्थान, छत्तीसगढ़ एवं उत्तर प्रदेश के विभिन्न शैक्षणिक संस्थानों से आए हुए लगभग 50 छात्र-छात्राओं का समर इंटर्नशिप कोर्स प्रारंभ किया गया ।संस्थान के संस्थापक निदेशक डॉ जी के गोस्वामी ने समर इंटर्नशिप कोर्स का शुभारंभ किया । इस अवसर पर उन्होंने विभिन्न विश्वविद्यालयों एवं कॉलेज से आए हुए छात्र-छात्राओं को संबोधित करते हुए यूपीएसआईएफएस को इंटर्नशिप हेतु चयन के लिए उन्हें धन्यवाद दिया । उन्होंने कहा कि यूपीएसआईएफएस में करियर के लिए विभिन्न पहलुओं पर बेहतर अवसर है क्योंकि आज का समय टेक्नालोजी का समय है जिसने भी इसमे शिथिलता बरती वो काफी पीछे छूट जायेगा । निदेशक डॉ गोस्वामी ने छात्रों को संबोधित करते हुए यह भी कहा कि हमारे जीवन में फाइव ई का बहुत महत्व है। उन्होंने फाइव ई (इंगेज, एक्सप्लोर, एक्सप्लेन,एलाबोरेट और इवैल्यूएट) को परिभाषित करते हुए इसके सार को समझाया । छात्र-छात्राओं का यह इंटर्नशिप एक माह के लिए आयोजित किया गया हैइस अवसर पर उप महानिरीक्षक श्री राजीव मल्होत्रा ने छात्र-छात्राओं को संस्थान के बारे में विस्तृत जानकारी प्रदान किया उन्होंने संस्थान में इंटर्नशिप के उद्देश्य और इंटर्नशिप मैं विविध विषयों के टाइम टेबल के बारे में भी छात्रो को विस्तृत रूप से बताया ।इस अवसर पर यूपीएसआईएफएस के अपर पुलिस अधीक्षक चिरंजिब मुखर्जी , श्री अतुल यादव प्रशिक्षण समन्वयक श्री विवेक कुमार, सहित विभिन्न कोर्स के फैकल्टीज डॉ अरुण खत्री, डॉ अजीत कुमार, डॉ नेहा, डॉ सपना शर्मा सहित अन्य उपस्थित रहे।

सूखे तालाब में उड़ रही धूल, बेजुबान आखिर कैसे बुझाये अपनी प्यास

कोरांव , प्रयागराज। कोरांव ब्लाक के अधिकांश गांवों में बने तालाबों में पानी नहीं होने से कई समस्याएं उत्पन्न हो रही हैं। तालाबों से धूल उड़ रही है और पशु-पक्षी, जंगली जानवर और मवेशी पानी की कमी के कारण परेशान हैं। पानी की अनुपलब्धता के कारण जंगली जानवर गांवों में पानी पीने के लिए आ रहे हैं, जिससे खतरा बढ़ गया है। क्षेत्रवासियों ने जिलाधिकारी प्रयागराज का ध्यान आकर्षित करते हुए इस समस्या का समाधान करने की मांग की है।वर्जनकोसिस पूरा रहता है की अधिकांश तालाबों मे पानी भरा रहे जहाँ ब्यवस्था होने के बावजूद पानी यदि नहीं भरा है तो शिकायत मिलने पर नियमानुसार आवश्यक कार्रवाही की जाएगी।

भोला नाथ कन्नौजियाजिला विकास अधिकारी प्रयागराज

नगर निगम कार्यालयों व स्कूलों में पानी व अन्य सुविधाओं की मांग

लखनऊ। शहर में भीषण गर्मी और लू के प्रकोप के बीच नगर निगम के जोन कार्यालयों, स्कूलों और मार्ग प्रकाश विभाग में पीने के स्वच्छ पानी, बैठने की कुर्सियों, पंखों और कूलर की समुचित व्यवस्था की कमी को लेकर उत्तर प्रदेश नगर निगम कर्मचारी संघ ने गंभीर चिंता जताई है। उत्तर प्रदेश नगर निगम कर्मचारी संघ के अध्यक्ष राजेश सिंह ने नगर निगम प्रशासन को पत्र लिखकर तत्काल कार्रवाई की मांग की है।पत्र में कहा गया है कि गर्मी के इस मौसम में कार्यालयों में कार्यरत कर्मचारियों, स्कूलों में पढ़ने वाले बच्चों और भवन कर जमा करने आने वाले नागरिकों को पीने के स्वच्छ पानी और बुनियादी सुविधाओं की कमी का सामना करना पड़ रहा है। संगठन ने सुझाव दिया कि उपलब्ध वॉटर कूलर, पंखों और कुर्सियों की मरम्मत के साथ-साथ आवश्यकता अनुसार नए वॉटर कूलर, पंखे और कुर्सियों की व्यवस्था की जाए। इसके अलावा, पीने के स्वच्छ पानी के लिए समरसेबल पंप या वॉटर कूलर मशीनों का समुचित प्रबंधन सुनिश्चित किया जाए। संगठन ने नगर निगम से इस मामले में त्वरित कदम उठाने का आग्रह किया है, ताकि कर्मचारियों, बच्चों और आम नागरिकों को गर्मी में राहत मिल सके। नगर निगम प्रशासन की ओर से इस मांग पर क्या कार्रवाई होती है इस पर सभी की नजरें टिकी हैं।

अभिलेख एवं पाण्डुलिपियां राष्ट्रीय धरोहर, इनका संरक्षण हमारा परम कर्तव्य: आर.एन.विश्वकर्मा

प्रयागराज। अभिलेख एवं पाण्डुलिपियां हमारी राष्ट्रीय धरोहर है। इन्हें सुरक्षा देना हम सभी का परम कर्तव्य है। यह बात सोमवार को पीएम श्री राजकीय इंटर कॉलेज प्रयागराज के सभागार में क्षेत्रीय अभिलेखागार संस्कृति विभाग प्रयागराज द्वारा आयोजित अभिलेख एवं पाण्डुलिपि अभिरूचि विषयक छः दिवसीय कार्यशाला का शुभारम्भ करने के बाद बतौर मुख्य अतिथि उत्तर प्रदेश शिक्षा निदेशालय प्रयागराज संयुक्त निदेशक माध्यमिक आर.एन.विश्वकर्मा ने कही। उन्होंने बताया कि इस कार्यशाला के माध्यम से सभी प्रतिभागी जानकारी प्राप्त कर राष्ट्रीय धरोहर के संरक्षण में सहयोगी होंगे। उन्होंने सम्मिलित सभी प्रतिभागियों को शुभकामनाएं दी। उत्तर प्रदेश राजकीय अभिलेखागार, लखनऊ द्वारा 'अभिलेख एवं पाण्डुलिपि अभिरूचि विषयक कार्यशाला का आयोजन लखनऊ एवं प्रयागराज जनपद में किया जा रहा है। इस कार्यक्रम में ऑनलाइन तथा ऑफलाइन माध्यमों से प्रयागराज जनपद के कार्यशाला हेतु कुल 200 शोधार्थियों ने अपना पंजीकरण कराया गया है। कार्यशाला के उद्घाटन पर 100 से अधिक विभिन्न विश्वविद्यालयों के छात्र एवं छात्राओं ने शिरकत की। मुख्य अतिथि का स्वागत एवं आभार पीएम श्री राजकीय इण्टर कालेज प्रयागराज के प्रधानाचार्य धर्मेन्द्र कुमार सिंह ने किया। अतिथियों का स्वागत शैलेन्द्र यादव फोर मैन राजकीय अभिलेखागार, लखनऊ द्वारा तथा कार्यक्रम संचालन प्राविधिक सहायक(संस्कृत) हरिश्चन्द्र दुबे ने किया । क्षेत्रीय अभिलेखागार के प्राविधिक सहायक(इतिहास)राकेश कुमार वर्मा ने कार्यक्रम में शामिल होने वाले सभी लोगों को धन्यवाद दिया। इस अवसर पर पीएम श्री राजकीय इंटर कॉलेज के उप प्रधानाचार्य वंशराज, विनय प्रकाश, राकेश निर्मल, शैलेश द्विवेदी वरिष्ठ साहित्यकार,नीलिमा मिश्रा साहित्यकार, विकास यादव, शुभम कुमार सहित विभिन्न विद्यालयों के छात्र और शिक्षक शामिल हुए।

चढ़ते पारे से बढ़ी बिजली की मांग, इस साल पहली बार 30 हजार मेगावॉट के पार

लखनऊ। चढ़ते पारे से बिजली की मांग इस साल के अधिकतम रिकॉर्ड पर पहुंच गई है। इस साल पहली बार बिजली की मांग ने 30 हजार मेगावॉट का स्तर छुआ है। मौसम विभाग ने जिस तरह से अभी अगले कुछ दिनों तक मौसम में किसी भी तरह की राहत का अनुमान नहीं जताया है, उससे जल्द ही बीते साल की अधिकतम मांग का रिकॉर्ड ध्वस्त हो सकता है। बीते साल बिजली की अधिकतम मांग 24 जून को 30,764 मेगावॉट तक पहुंची थी।

संपत्ति विभाग की समीक्षा बैठक में महापौर के कड़े निर्देश

कैनविज टाइम्स संवाददाता

लखनऊ। नगर निगम मुख्यालय में सोमवार को संपत्ति विभाग की एक महत्वपूर्ण समीक्षा बैठक आयोजित हुई, जिसकी अध्यक्षता महापौर सुषमा खर्कवाल ने की। बैठक में नगर आयुक्त गौरव कुमार, अपर नगर आयुक्त नम्रता सिंह, संपत्ति प्रभारी संजय यादव सहित सभी लेखपाल, नायब तहसीलदार और अन्य अधिकारी मौजूद रहे। महापौर ने संपत्ति विभाग के कार्यों की गहन समीक्षा करते हुए लापरवाही पर गहरी नाराजगी जताई। उन्होंने कहा कि विभाग की ढिलाई के कारण नगर निगम को कई मामलों में नुकसान उठाना पड़ रहा है, जिसे बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। महापौर ने सभी लेखपालों को निर्देश दिया कि विभिन्न न्यायालयों में लंबित मुकदमों की अद्यतन सूची तुरंत प्रस्तुत की जाए। विशेष रूप से पीपीई एक्ट के तहत चल रहे मामलों की जांच कर विस्तृत और तिथिवार रिपोर्ट सौंपने के लिए कहा गया। बैठक में महापौर ने कहा कि उनके कार्यालय से संपत्ति विभाग को भेजे गए कई पत्र गायब हो गए हैं और संबंधित लेखपालों तक नहीं पहुंचे। उन्होंने अधिकारियों को पत्रों की खोज करने और भविष्य में ऐसी लापरवाही रोकने के लिए सख्त निर्देश दिए हैं। साथ ही उनके कार्यालय से भेजे गए पत्रों का समयबद्ध लिखित जवाब देना अनिवार्य करार दिया। महापौर ने पिछले दो वर्षों में सांसदों, एमएलसी, विधायकों और पार्षदों से प्राप्त शिकायती पत्रों की स्थिति की विस्तृत रिपोर्ट तलब की उन्होंने जोर देकर कहा कि जनप्रतिनिधियों की शिकायतों का निस्तारण प्राथमिकता के आधार पर किया जाए। महापौर के इन कड़े निर्देशों से संपत्ति विभाग में कार्यप्रणाली में सुधार की उम्मीद जताई जा रही है, ताकि नगर निगम की कार्यकुशलता और पारदर्शिता बढ़ सके।

22 हजार करोड़ से गांवों का कायाकल्प करेगी योगी सरकार

लखनऊ। केंद्र और राज्य सरकार की योजनाओं के तहत उत्तर प्रदेश में ग्रामीण क्षेत्रों के चहुंमुखी विकास के लिए 22 हजार करोड़ रुपये से गांवों का कायाकल्प किया जाएगा।

इस पहल से बुनियादी सुविधाओं के साथ-साथ स्वच्छता, रोजगार, आवास और जलनिकासी जैसी जरूरी सेवाएं सुनिश्चित की जाएंगी। इसमें 10,500 करोड़ रुपये की केंद्रीय योजनाएं और लगभग 11,500 करोड़ रुपये की राज्य योजनाएं शामिल हैं। जिनके माध्यम से गांवों को विकास की मुख्यधारा से जोड़ा जाएगा।

आधिकारिक सूत्रों के अनुसार स्वच्छता सरकार की प्राथमिकता में शामिल है, जिसके लिए 2,000 करोड़ रुपये विशेष रूप से स्वच्छ भारत मिशन (ग्रामीण) के तहत खर्च किए जाएंगे। इस धनराशि से शौचालय निर्माण, ठोस और तरल अपशिष्ट प्रबंधन, ग्राम स्वच्छता समितियों का सशक्तिकरण और जन-जागरूकता कार्यक्रम चलाए जाएंगे।

ग्रामीण विकास योजना के तहत अब तक 1,000 करोड़ रुपये से अधिक की वित्तीय स्वीकृति दी जा चुकी है। इसके अलावा शुरुआती चरण में लगभग 900 करोड़ रुपये की लागत से विभिन्न विकास कार्यों की शुरुआत भी कर दी गई है।

समर कार्निवल 2025 में उत्तराखंड की संस्कृति की शानदार झलक

कैनविज टाइम्स संवाददाता

लखनऊ। लखनऊ के गोमती नगर में यूपी दर्शन पार्क में प्रगति इवेंट, जेटेक और लखनऊ विकास प्राधिकरण के सहयोग से समर कार्निवल 2025 चल रहा है। 30 मई से शुरू यह कार्निवल 24 जून तक चलेगा, जिसमें हर दिन सांस्कृतिक मंच पर खास प्रस्तुतियां हो रही हैं। ये कार्यक्रम गर्मी में लखनऊ वासियों को ठंडक और मनोरंजन दे रहे हैं। सोमवार को उत्तराखंड की लोक संस्कृति ने दर्शकों को मंत्रमुग्ध किया। छोलिया, झुमैला, जोड़ा, चांचरी और पांडव नृत्य ने माहौल को उत्तराखंडी रंग में रंग दिया। छोलिया वीरता का प्रतीक है, झुमैला प्रकृति से प्रेरित नृत्य है, जोड़ा में पुरुष-महिलाएं एकसाथ नाचते हैं, चांचरी देवी-देवताओं को समर्पित है और पांडव नृत्य पौराणिक कथाओं से जुड़ा है। देवभूमि जन सरोकार सांस्कृतिक समिति, लखनऊ के बलवंत वाणगी के नेतृत्व में हेमा गीता, चंदा देवी, राधा, सचिन शर्मा आदि ने गुलाबी शरारा, ढाई हथै धौपेली, रामदेई जैसे गीतों से दर्शकों का मन मोह लिया। अदिति मिश्रा, आशीष रावत और एक्लिप्सड मेलोडी बैंड ने भी शानदार प्रदर्शन किया। कार्यक्रम का संचालन अथर्व और संपूर्ण ने किया। प्रगति इवेंट के अध्यक्ष विनोद कुमार सिंह, उपाध्यक्ष एन.बी. सिंह और जेटेक के सूरज व अभिषेक ने आगंतुकों का स्वागत किया। यह कार्निवल संस्कृति और मनोरंजन का अनूठा संगम है।

श्रीकृष्ण जन्मभूमि मंदिर निर्माण में यात्रियों के एक एक पग का लिखा जाएगा इतिहास : महेंद्र प्रताप

श्रीकृष्ण जन्मभूमि मुक्ति न्यास के आह्वान पर राम घाट से आई हिन्दू चेतना यात्रा का मथुरा में हुआ भव्य स्वागत

एजेंसी

मथुरा। श्रीकृष्ण जन्मभूमि मुक्ति न्यास के अध्यक्ष महेंद्र प्रताप सिंह एडवोकेट के आह्वान पर बुलंदशहर के रामघाट से पांच दिन पहले सिद्ध बाबा धाम के पीठाधीश्वर स्वामी कंताचार्य के सानिध्य में आरंभ हुई हिन्दू चेतना पैदल यात्रा सोमवार पूर्वाह्न में कान्हा की लीला भूमि मथुरा पहुंची। यहां पर डैंपियर नगर स्थित होटल हीरा क्रिस्टल में यात्रा सभा में बदल गई।

उत्तराखंड, ओडिशा, झारखंड, पश्चिम बंगाल, बिहार और उत्तर प्रदेश के अलग अलग जिलों से आए यात्रियों ने भगवान श्री कृष्ण की जन्मभूमि के मूल गर्भ गृह पर भव्य मंदिर निर्माण कराए जाने का संकल्प लिया। संतों ने यात्रियों का हौसला बढ़ाया और ऐलान किया कि दुनिया की कोई भी ताकत मंदिर निर्माण कार्य को नहीं रोक पाएगी। न्यास अध्यक्ष एवं यात्रा के संयोजक महेंद्र प्रताप सिंह एडवोकेट ने कहा कि ऐसी ही यात्राएं देश भर से ही नहीं अब विश्व से मथुरा आएंगीं। ये सिर्फ एक आगाज भर है, अभी तो इससे भी बड़ी यात्रा मथुरा आएंगी। कहा कि, मंदिर निर्माण का जब भी इतिहास लिखा जाएगा, तो पैदल यात्रियों के एक एक पग का योगदान भी स्वर्ण अक्षर में अंकित होगा।

हिंदू चेतना यात्रा में स्पेन से शामिल होने के लिए आए सात स्वामी उमेश योगी जी महाराज ने कहा, श्रीकृष्ण जन्मभूमि मंदिर तोड़कर औरंगजेब के द्वारा बनाई गई मस्जिद को हटा कर वहां मंदिर निर्माण के लिए महा संवाद की शुरुआत की थी, जो आज यात्राओं के रूप में बदल गया।

सिद्ध धाम आश्रम अक्छोड़ा के पीठाधीश्वर स्वामी कंताचार्यजी महाराज ने राम मंदिर बन गया, कृष्ण मंदिर बनने का मंच से आह्वान करते हुए कहा, उत्तराखंड, ओडिशा, झारखंड, पश्चिम बंगाल, बिहार से महिला पुरुष, युवक, युवतियां और बच्चे भगवान श्री कृष्ण जन्म भूमि के मूल गर्भ पर मंदिर निर्माण का संकल्प लेकर सैकड़ों गांवों के बीच से गुजरते पैदल यात्रा मथुरा आई है। वृंदावन के प्रमुख संत गोविंदानंदजी तीर्थ ने कहा कि महेंद्र प्रताप सिंह एडवोकेट ने श्रीकृष्ण जन्मभूमि की मुक्ति के लिए गए कार्यों पर चिंतन करने का सनातनियों से आह्वान करते हुए कहा कि श्रीकृष्ण जन्मभूमि पर मंदिर बनेगा और अवश्य बनेगा। हीरा क्रिस्टल होटल के स्वामी संजीव गर्ग ने आभार व्यक्त किया। महामंडलेश्वर स्वामी डॉ आदित्यानंद गिरी महाराज, वृंदावन के प्रमुख संत श्यामानंद महाराज,अयोध्या के संत रामदास महाराज, रामघाट के महंत श्यामदास महराज, श्रीचन्द्रा नंद स्वामी, शिव संत ब्रह्मानंद सरस्वती, चरणदास उर्फ भैया, मयंक भारद्वाज, दिनेश शर्मा, सुशील उपाध्याय, ठाकुर केदारी सिंह, विनोद शर्मा, नंदलाला शर्मा, वेदांत भारद्वाज, डॉक्टर विक्रांत योगाचार्य, एडवोकेट प्रशांत कुमार, नरवेश कुमार समेत सैकड़ों लोग मौजूद रहे।

उत्तर रेलवे

निविदा सूचना

भारत के राष्ट्रपति की ओर से चीफ प्रोजेक्ट मैनेजर गति शक्ति उत्तर रेलवे, लखनऊ मंडल, लखनऊ द्वारा निर्धारित निविदा प्रपत्रो पर निम्नलिखित कार्य हेतु अनुभवी एवं स्थापित सक्षम ठेकेदारो द्वारा ई-निविदायें अकेला पैकेट सिस्टम द्वारा आमंत्रित की जाती है।

निविदा सं०	जीएसयू-एलकेओ-एसआईजी-एलसी-06
कार्य का नाम	"एलकेओ डिवीजन पर लेवल क्रॉसिंग के एलसी 121, 23सी, एलसी 187, एलसी 108ए गेट पर आरओबी आरयूबी कार्य के संबंध में उपयोगिता"
अनुमानित लागत	रू 26095298.82/-
निविदा प्रपत्र की कीमत	शून्य
धरोहर राशि	रू 280500/-
कार्य पूरा करने की अवधि	12 महीने
निविदा दस्तावेज जमा करने की अन्तिम तिथि एवं समय	30/06/2025 at 15:00 बजे तक
वेबसाइट विवरण एवं नोटिस बोर्डका स्थान जहाँ निविदा दस्तावेजोंको देखा जा सकता है	www.ireps.gov.in उप.चीफ सिगनल एवं दुरसंचार अभियंता/गति शक्ति कार्यालय/म.रे.प्र. कार्यालय परिसर/उत्तर रेलवे/लखनऊ

ठेकेदारों को ई-निविदा सिस्टम में भाग लेने के लिए भारतीय रेलवे की वेब साइट www.ireps.gov.in के अन्तर्गत पंजीकृत होना अनिवार्य हैं। • समस्त नियम एवं शर्तें निविदा प्रपत्र में देखी जा सकती है। • मैनुअल निविदायें स्वीकृत नहीं की जायेंगी। • निविदा प्रपत्र एवं बयाना धनराशि का भुगतान सिर्फ नेट बैंकिग या पेमेंट गेटवे द्वारा स्वीकृत की जायेंगी।

निविदा सू सं0: जीएसयू-एलकेओ-एसआईजी-एलसी-06 दिनांक: 07.06.2025

ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ 1694/25

गरीबों को वितरण किया गया भोजन

कैनविज टाइम्स संवाददाता

उन्नाव। कर्म क्रांति सेवा फाउंडेशन उन्नाव द्वारा संचालित अन्नपूर्णा रसोई में आज सदर कोतवाल अवनीश कुमार सिंह वह उनकी टीम पहुंची जहां 138 वे निःशुल्क भोजन वितरण ने सेवा की और संस्था की प्रशंसा करते हुए इस कार्य को नर सेवा नारायण सेवा का रूप बताया कोतवाल ने सभी मेंबर्स से मिलकर उनकी तारीफ भी करी एवं कोतवाली परिसर में आयोजित होने वाले भंडारे का आमंत्रण पत्र चेतन मिश्रा के हाथ में सौंपते हुए सभी को आमंत्रित भी किया , इस बीच चेतन मिश्रा ने प्रशाद वितरण स्थल पर कोतवाल एवं उनके साथ मौजूद सभी का माल्यार्पण कर स्वागत वह आभार व्यक्त किया संस्था के मासिक सहयोगियों द्वारा वह संस्थापक चेतन मिश्रा द्वारा यह भोजन सेवा पिछले तीन वर्षों से लगातार जारी है प्रत्येक सोमवार को दो सैकड़ा लोगों को भरपेट भोजन के साथ मिष्ठान ,लस्सी , छाछ इत्यादि बांटा जाता है आप भी इस संस्था के साथ जुड़कर जरूरतमंदों में सेवा कर सकते हैं इसके लिए आपको गूगल पर कर्म क्रांति सेवा फाउंडेशन लिखना होगा वहां से आपको संस्था का नंबर प्राप्त हो जाएगा तत्पश्चात आप डायरेक्ट चेतन मिश्रा से संपर्क कर सेवा में भागीदारी ले सकते हैं आज के इस कार्यक्रम में प्रमुख रूप से संस्था के सेवकों में फौजी अजय कुमार द्विवेदी, नीरज श्रीवास्तव,फौजी संजय कुशवाहा ,अध्यापक अंबुज मिश्रा, फौजी संजय सिंह,मो0दानिश,रवि वर्मा,बसंत के साथ महिला मोर्चा टीम की नीतू तिवारी , तनु पांडे ,रेनू वर्मा ,आरती वर्मा , सरिता शुक्ला,वैशाली शर्मा आदि लोगो ने भाव से सेवा कार्य को संपन्न करवाया

कार्यालय अधिशासी अभियन्ता, अनुरक्षण खण्ड नं.-2 (सिविल), लो.नि.वि., लखनऊ

पत्रांकः-1384/ई-टेन्डर/2025-26 दिनांक : 05.06.2025

ई-प्रोक्योरमेण्ट नोटिस (विज्ञप्ति)

1. अधिशासी अभियन्ता, अनुरक्षण खण्ड-2, (सिविल) लो0नि0वि0, लखनऊ महामहिम राज्यपाल, उत्तर प्रदेष की ओर से उ0प्र0 लोक निर्माण विभाग के श्रेणी-ए, बी, सी एवं डी में भवन कार्य हेतु पंजीकृत निविदा दाताओं से ई-टेण्डरिंग के माध्यम से निम्नलिखित कार्य जिनकी निर्माण लागत सम्मुख अंकित है, प्रतिषत दर पर निविदा आमंत्रित करते है।

क्रम सं0	जनपद	कार्य का नाम	निविदा लागत (लाख में)	बिड सिक्योरिटी रू0	निविदा प्रपत्र का मूल्य (रू0 में) जी.एस.टी. सहित	कार्य पूर्ण करने की अवधि (दिनो में)
1	2	3	4	5	6	7
1	लखनऊ	गौतमपल्ली कालोनी स्थित विभिन्न आवासों में सिविल अनुरक्षण का कार्य।	11.00	110000	860.00	180 दिन

बिड डाक्यूमेन्ट वेबसाइट http://etender.up.nic.in पर दिनांक 12.06.2025 से 17.06.2025 तक उपलब्ध है जो दिनांक 17.06.2025 को समय दोपहर 12:00 बजे तक निविदादाता द्वारा सबमिट/अपलोड किये जा सकते है। इसकी निविदा दिनांक 17.06.2025 को दोपहर 12:30 बजे खोली जायेगी। निविदा से सम्बन्धित अधिक जानकारी दिनांक 12.06.2025 से वेबसाइट http://etender.up.nic.in पर उपलब्ध है।

अधिषासी अभियन्ता
अनुरक्षण खण्ड-2 (सिविल),
लो0नि0वि0, लखनऊ

ई-मेल : maintenancedivision2pwd@gmail.com

www.upgov.nic.in, Upid-234778 Date-09/06/2025

एलडीए की बड़ी कार्रवाई, 3 अवैध प्लाटिंग तोड़ी गईं

कैनविज टाइम्स संवाददाता

लखनऊ। एलडीए ने अवैध प्लाटिंग के खिलाफ अपनी कार्रवाई तेज कर दी है। सोमवार को एलडीए के उपाध्यक्ष प्रथमेश कुमार के आदेश पर दुबग्गा क्षेत्र में तीन अवैध प्लाटिंग को तोड़ दिया गया। इस दौरान बिना अनुमति बनाई गई सड़कें, नालियां और दीवारों को बुलडोजर से ध्वस्त कर दिया गया।जोनल अधिकारी रवि नंदन सिंह ने बताया कि दुबग्गा के बनिया खेड़ा में रिंग रोड के पास सुरेश कुमार और अन्य लोग करीब 4 बीघा जमीन पर बिना अनुमति के प्लाटिंग कर रहे थे। इसी तरह, मोहम्मद सलीम और अन्य द्वारा एस.एच.एम. हॉस्पिटल गेट के पास 2 बीघा और 5 बीघा जमीन पर अवैध कालोनी बनाई जा रही थी। इन सभी के लिए एलडीए से कोई अनुमति नहीं ली गई थी। एलडीए ने इन अवैध निर्माणों के खिलाफ एलडीए कोर्ट में मामला दायर किया था, जिसके बाद तोड़ने का आदेश मिला। सोमवार को एलडीए की टीम ने पुलिस की मदद से इन तीनों अवैध प्लाटिंग को पूरी तरह तोड़ दिया।एलडीए ने चेतावनी दी है कि शहर में अवैध निर्माण और प्लाटिंग के खिलाफ ऐसी कार्रवाइयां आगे भी जारी रहेंगी। साथ ही लोगों से अपील की गई है कि वे बिना अनुमति वाली प्लाटिंग में पैसा लगाने से बचें।

सरकारी जमीनों पर अवैध कब्ज़ा, सरोजिनीनगर नगर निगम तहसीलदार के खिलाफ़ आरोप पत्र जारी

नगर निगम लेखपाल सहित सरोजिनी नगर लेखपाल कानूनगो को तत्काल सस्पेंड किया गया

कैनविज टाइम्स संवाददाता

सरोजिनी नगर,लखनऊ । सोमवार को सरकारी जमीनों पर से अवैध कब्जों को मुक्त कराने के दृष्टिगत मण्डलायुक्त डॉ0 रोशन जैकब तहसील सरोजनी नगर के ग्राम सभा-बेहसा और कल्ली पश्चिम स्थलीय निरीक्षण करने पहुंची जहां मौके पर मंडलायुक्त ने प्रॉपर्टी डीलर द्वारा ग्राम बेहसा के सरकारी गाटा संख्या 1421, 1422 व 1418 पर अवैध कब्जा करके प्लाटिंग करने व अवैध निर्माण करने पर संबंधित के खिलाफ एफआईआर दर्ज कराते हुए सरकारी भूमि से कब्जा मुक्त कराने के निर्देश दिया है। वहीं दूसरी ओर कल्ली पश्चिम में गाटा संख्या 1459, 1273, 1228 व 1768 पर अवैध अतिक्रमण मिलने पर उपस्थित संबंधित अधिकारियों को कड़ी फटकार साथ ही तत्काल अवैध अतिक्रमण ध्वस्त करते हुए उक्त भूमि को अपने स्वामित्व में लेने के दिए निर्देश दिए गए हैं। इस दौरान सरकारी भूमि से अवैध कब्जा मुक्त कराने में लापरवाही और शिथिलता बरतने पर उपजिलाधिकारी सरोजनी नगर और नगर निगम तहसीलदार अरविंद पांडे के खिलाफ आरोप पत्र जारी करते हुए शासन को सस्पेंशन के लिए पत्र प्रेषित करने के निर्देश दिए हैं।

मंडलायुक्त ने इसी संबंध में सरकारी भूमि से कब्जा मुक्त करने में शिथिलता बरतने पर ग्राम भेहसा और कल्ली पश्चिम के लेखपाल सुनील तिवारी, दीपक व कानूनगो अशोक पांडे, पाटन दींन तिवारी एवं नगर निगम लेखपाल मृदुल मिश्रा व संदीप यादव द्वितीय को तत्काल सस्पेंड

किया गया है। मंडलायुक्त डॉ रोशन जैकब ने बताया है कि सरकारी भूमि पर अवैध कब्जों में संलिप्तता और भू- माफियाओं को संरक्षण देने वालों के विरुद्ध कठोरतम कार्यवाही की जाएगी।

अनंत नगर योजना के 334 भूखण्डों की लॉटरी 10 जून से

कैनविज टाइम्स संवाददाता

लखनऊ। एलडीए की महत्वाकांक्षी अनंत नगर (मोहान रोड) आवासीय योजना के तहत प्रथम चरण में 334 भूखण्डों की लॉटरी 10 जून, 2025 से इंदिरा गांधी प्रतिष्ठान के मर्करी हॉल में शुरू होगी। इस लॉटरी में 13,031 लोगों ने ऑनलाइन पंजीकरण कराया है। पारदर्शिता सुनिश्चित करने के लिए लॉटरी आवेदकों की उपस्थिति में आयोजित की जाएगी और इसका सीधा प्रसारण एलडीए के यूट्यूब चैनल पर होगा। एलडीए उपाध्यक्ष प्रथमेश कुमार ने बताया कि 785 एकड़ में विकसित हो रही अनंत नगर टाउनशिप में करीब डेढ़ लाख लोगों के लिए आवासीय सुविधाएं उपलब्ध होंगी। योजना में 2,100 आवासीय और 120 व्यावसायिक भूखण्ड सृजित किए जाएंगे। इसके अलावा, 60 ग्रुप हाउसिंग भूखण्डों पर 10,000 से अधिक फ्लैट्स और ईडब्ल्यूएस व एलआईजी श्रेणी के 5,000 भवनों में 25,000 लोगों के लिए आवास का निर्माण होगा। प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत भी भवन बनाए जाएंगे।अंतरराष्ट्रीय मानकों पर आधारित टाउनशिप

अनंत नगर योजना को ग्रिड पैटर्न पर अंतरराष्ट्रीय मानकों के आधार पर विकसित किया जा रहा है। इसमें चौड़ी सड़कें, भूमिगत केबल के माध्यम से निर्बाध बिजली आपूर्ति, 100 एकड़ में एडुटेक सिटी और 130 एकड़ में पार्क व ग्रीन स्पेस विकसित होंगे, जो इसे पर्यावरण के अनुकूल बनाएंगा। एलडीए सचिव विवेक श्रीवास्तव ने बताया कि 4 अप्रैल से 5 मई, 2025 तक चले पंजीकरण में 13,031 आवेदकों ने हिस्सा लिया। लॉटरी चार दिन तक चलेगी, जिसमें 112.5 वर्गमीटर के 121, 162 वर्गमीटर के 39, 200 वर्गमीटर के 50, 288 वर्गमीटर के 105 और 450 वर्गमीटर के 19 भूखण्डों का आवंटन होगा। अपर सचिव ज्ञानेंद्र वर्मा ने बताया कि 10 जून को 112.5 वर्गमीटर के भूखण्डों की लॉटरी सामान्य श्रेणी के लिए, 11 जून को आरक्षित वर्ग के लिए, 12 जून को 162 वर्गमीटर और 13 जून को 200, 288 व 450 वर्गमीटर के भूखण्डों की लॉटरी होगी। आवेदकों को सूचना भेज दी गई है। यह लॉटरी न केवल पारदर्शी होगी, बल्कि लखनऊ के नागरिकों के लिए बेहतर आवासीय और व्यावसायिक अवसर प्रदान करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

उत्तर प्रदेश के बिजली कर्मियों के समर्थन में दो जुलाई को देशव्यापी विरोध प्रदर्शन

कैनविज टाइम्स संवाददाता

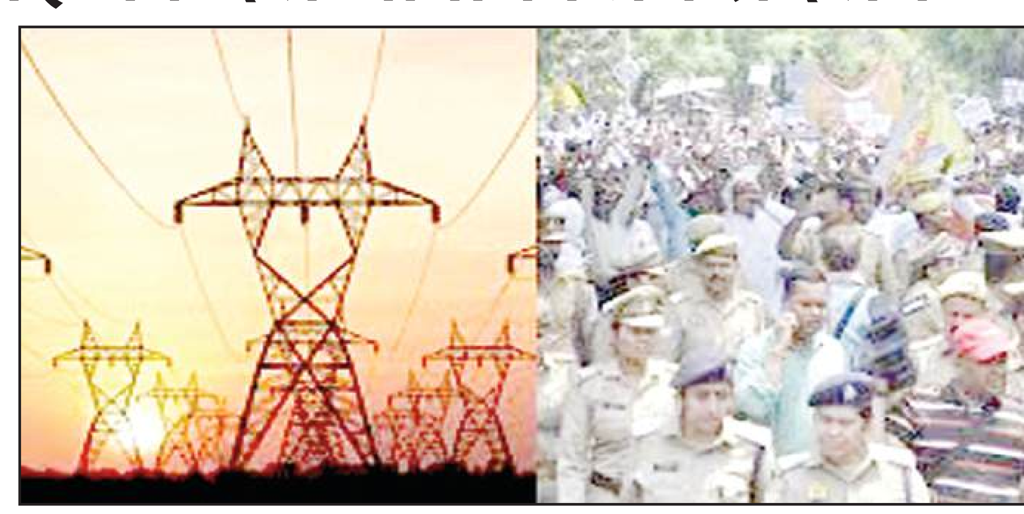

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में बिजली के निजीकरण का टेंडर होने की प्रक्रिया से नाखुश नेशनल कोऑर्डिनेशन कमेटी ऑफ़ इलेक्ट्रिसिटी इम्प्लाइज एंड इंजीनियर्स की राष्ट्रीय कोर कमेटी की बैठक हुई। इसमें निर्णय हुआ कि उत्तर प्रदेश के बिजली कर्मियों के समर्थन में दो जुलाई को देशव्यापी विरोध प्रदर्शन होगा। पूरे देश के 27 लाख बिजली कर्मी एक दिन की सांकेतिक हड़ताल करेंगे। इसे बाद 09 जुलाई को देश के बिजली कर्मी उप्र में निजीकरण के विरोध में राष्ट्रव्यापी हड़ताल करेंगे।

ऑल इंडिया पावर इंजीनियर्स फ़ेडरेशन के चेयरमैन शैलेंद्र दुबे ने बताया कि नेशनल कोऑर्डिनेशन कमेटी ऑफ़ इलेक्ट्रिसिटी इम्प्लाइज एंड इंजीनियर्स की दिल्ली में हुई बैठक में ऑल इंडिया पावर डिप्लोमा इंजीनियर्स फ़ेडरेशन के सेक्रेटरी जनरल अभिमन्यु धनकड़, ऑल इंडिया फ़ेडरेशन ऑफ़ इलेक्ट्रिसिटी इंप्लाइज के जनरल सेक्रेटरी मोहन शर्मा, इलेक्ट्रिसिटी इंप्लाइज फ़ेडरेशन ऑफ़ इंडिया के जनरल सेक्रेटरी सुदीप दत्ता, ऑल इंडिया पावर मेंस फ़ेडरेशन के जनरल सेक्रेटरी आर के शर्मा, तमिलनाडु इलेक्ट्रिसिटी बोर्ड इंप्लाइज फ़ेडरेशन के जनरल सेक्रेटरी ए सेकीजार, इलेक्ट्रिसिटी इंप्लाइज फ़ेडरेशन ऑफ़ इंडिया के उपाध्यक्ष सुभाष लांबा, ऑल इंडिया पावर इंजीनियर्स फ़ेडरेशन के ए के जैन, यशपाल शर्मा और सत्यपाल मुख्यतया उपस्थित थे।

उन्होंने बताया कि लखनऊ में आगामी 22 जून को किसानों, आम घरेलू उपभोक्ताओं और बिजली कर्मियों की हो रही महापंचायत में कोऑर्डिनेशन कमेटी के राष्ट्रीय पदाधिकारी सम्मिलित होंगे। 22 जून की महापंचायत बिजली के निजीकरण के विरोध में निर्णायक जन आंदोलन का फैसला लिया जाएगा।

अखिलेश यादव ने कांति सिंह की जीवनी 'छूना है आसमान' पुस्तक का किया विमोचन

कैनविज टाइम्स संवाददाता

लखनऊ, । समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने सोमवार को पूर्व एमएलसी कांति सिंह की जीवनी ''छूना है आसमान'' पुस्तक का विमोचन किया। कार्यक्रम का आयोजन प्रतापगढ़ से सांसद एसपी सिंह पटेल ने किया था। इस अवसर पर अखिलेश यादव ने कांति सिंह को समाज सेविका और शिक्षाविद् सावित्री बाई फुले की प्रतिमा भेंट की।

अखिलेश यादव ने पुस्तक का विमोचन करने के बाद कार्यक्रम को सम्बोधित करते हुए कहा कि शिक्षा समाज को जोड़ती है। शिक्षा उपेक्षितों के लिए प्रकाश है। शिक्षा से जागरूकता आती है। जीवनी शिक्षा से जुड़ी होती है। पुस्तक के लिए कांति सिंह को बधाई देना चाहता हूं। इसमें उनके पूरे जीवन का संघर्ष है। वे रूढ़िवादी समाज से लड़ते हुए यहां तक पहुंची है।

सपा अध्यक्ष ने कहा कि आसमान छूने के लिए जीवन भर संघर्ष करते रहना पड़ता है। शिक्षा शोषण नहीं पोषण करती है। शिक्षा पाजिटिव और प्रोग्रेसिव बनाती है। लेकिन रूढ़िवादी लोग शिक्षा के खिलाफ रहते है और शिक्षा पर नियंत्रण करना चाहते है। जो शिक्षा का सम्मान नहीं करते हैं वे दंभी, अहंकारी और घमंडी होते हैं। इस अवसर पर ''छूना है आसमान'' पुस्तक की लेखिका रेनू सैनी, समीक्षाकार राखी सैनी, अरूण ग्रेस सीईओ साइन ओ क्योर, अनूप पटेल, सुशील कुमार, शिखर पाल सिंह, राकेश चौधरी एडवोकेट हाईकोर्ट, डॉ0 पंकज यादव, शान भटनागर, प्रोफ़ेशनल आर्टिस्ट, दिनेश चौधरी एडवोकेट एवं लखनऊ खण्ड स्नातक निर्वाचन क्षेत्र के समस्त जिलों के पदाधिकारी भी मौजूद रहे।

यूपी पुलिस ने तीन साल में बचाई 986 लोगों की जान

कैनविज टाइम्स संवाददाता

लखनऊ । यूपी पुलिस ने सोशल मीडिया की मदद सोमवार को लखनऊ के सरोजनी नगर में रहने वाले एक छात्र की जान बचायी है। पुलिस एक जनवरी 2023 से 31 मई2025 तक986 व्यक्तियों की जान बचा चुकी है। लखनऊ के सरोजनी नगर के रहने वाले एक युवक ने इंस्टाग्राम पर पोस्ट किया। इसमें उसने लिखा कि, मेरी मौत सुबह पांच बजे ट्रेन से होने वाली है। यह टेक्स्ट लिखकर छात्र ने इंस्टाग्राम पर आठ जून की रात्रि तीन बजे के करीब पोस्ट कर दिया। मेटा कंपनी ने इसे संज्ञान लेकर पुलिस मुख्यालय को ईमेल के जरिए अवगत कराया। हरकत में आई सोशल मीडिया सेंटर ने सरोजनी पुलिस को उसका नंबर उपलब्ध कराया। थाना में तैनात उपनिरीक्षक युवक के घर पहुंचे, लेकिन वो वहां पर नहीं मिला तो उसे खोजते हुए रेलवे ट्रैक पर पुलिस टीम के साथ पहुंच गये। पुलिस ने उसे रास्ते से वापस लाकर काफी समझा बुझाकर आत्महत्या करने से रोका । उपनिरीक्षक से पता चला है कि युवक 12वीं का छात्र है। उसकी आनलाइन क्लास चलती है, फोरजी फोन होने के कारण उसे पढ़ाई में दिक्कत होती थी। परिजनों से फाइव जी फोन मांगा, लेकिन नहीं दिया गया। बड़े भाई से बाइक मांगी तो उन्होंने भी मना कर दिया। इसी बात से नाराज होकर वह यह कदम उठाने जा रहा था। पुलिस अब छात्र की काउंसिलिंग करा रही है। परिवार ने पुलिस का आभार प्रकट किया है। पुलिस मुख्यालय इस संबंध में सोमवार को एक विज्ञप्ति जारी कर बताया कि यूपी पुलिस और मेटा कंपनी के मध्य 2022 से एक व्यवस्था बनी है। ?यदि कोई फ़ेसबुक या इंस्टाग्राम पर आत्महत्या किए जाने से संबंधित पोस्ट करता है तो मेटा कंपनी उस पोस्ट को यूपी पुलिस के पास भेजती है। फिर पुलिस आत्महत्या करने से पहले पहुंचकर उनकी जान बचा लेती है। इस प्रकार एक जनवरी 2023 से 31 मई 2025 तक आत्महत्या संबंधी पोस्ट का संज्ञान लेकर कुल 986 व्यक्तियों के प्राणों की रक्षा यूपी पुलिस कर चुकी है।

थाना जीआरपी ने भारी संख्या मे बरामद किये मोबाईल फोन

कैनविज टाइम्स संवाददाता

लखनऊ । लखनऊ।यात्रा के दौरान यात्रियों के मोबाइल फोन चोरी होने की घटना चरम पर है जिसको देखते हुए थाना जी आर पी ने काफी सख्ती से एक विशेष अभियान चलाकर यात्रियों के मोबाईल फोन बरामद करने का बीड़ा उठाया जिसमे उसको भारी सफलता भी प्राप्त हुई। जी आर पी अनुभाग के समस्त थाना क्षेत्रों मे चौकी प्रभारी सहित सभी कर्मियों की मेहनत के परिणाम स्वरूप जी आर पी द्वारा 310 गुम हुए मोबाईल फोन को बरामद कर लिया गया जिनकी कीमत लगभग 45 लाख रुपये बताई जा रही है इतना ही नही जी आर पी द्वारा समस्त फोन को उनके स्वामी तक भी पहुँचाया गया जिससे सभी के चेहरे खिल उठे सभी ने जी आर पी का धन्यवाद अदा किया।

जन समस्याओं के समाधान की जवाबदेही तय की जाए : केशव प्रसाद मौर्य

कैनविज टाइम्स संवाददाता

लखनऊ । उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने सोमवार को लखनऊ स्थित अपने कैम्प कार्यालय सात कालिदास मार्ग पर 'जनता दर्शन' के माध्यम से विभिन्न जिलों से आये लोगों से भेंट कर उनकी समस्याओं को सुना। समस्या के त्वरित एवं समुचित समाधान के लिए संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।

उप मुख्यमंत्री ने कहा की जनता की सेवा ही हमारी सर्वोच्च प्राथमिकता है। जनता दर्शन में आये फरियादियों को विश्वास दिलाते हुए कहा कि हर व्यक्ति की हर समस्या का हर सम्भव निदान किया जायेगा। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि प्रत्येक फरियादी की समस्या का त्वरित व संतुष्टिपरक समाधान किया जाए। निर्देश दिए कि समस्याओं का सम्पूर्ण समाधान किया जाए और समस्याओं के समाधान के लिए सम्बन्धित की जवाबदेही तय होनी चाहिये। निर्देश दिए कि जन समस्याओं का समयबद्ध निस्तारण सुनिश्चित किया जाए। किसी भी स्तर पर लापरवाही नहीं होनी चाहिए। उन्होंने कहा कि उत्पीड़न, भूमि पर अवैध कब्जों के मामलों को बेहद गंभीरता व संवेदनशीलता के साथ हल किया जाय और जहां जरूरत हो, कठोर कार्यवाही की जाए।

उन्होंने जनसुनवाई के दौरान एक-एक व्यक्ति की समस्या को पूरी गम्भीरता से सुना तथा समस्याओं के निराकरण के लिए सम्बंधित अधिकारियों को निर्देश दिए। उन्होंने फरियादियों को विश्वास दिलाते हुये कहा कि परेशान न हो, समस्याओं का समाधान भी होगा, सरकार द्वारा प्रदत्त सुविधाएं भी मिलेंगी। उन्होंने सम्बंधित अधिकारियों को यह भी निर्देश दिए हैं कि समस्याओं का निराकरण इस प्रकार किया जाए कि समस्याग्रस्त व्यक्ति पूरी तरह से संतुष्ट रहें और उन्हें दुबारा कहीं भटकना न पड़े और बार-बार चक्कर न लगाने पड़ें। उन्होंने महिलाओं, दिव्यांग जनो, बुजुर्गो आदि की समस्याओं व शिकायतों को सुना और उन्हें प्राथमिकता के आधार पर संबंधित अधिकारियों को त्वरित गति से निदान करने के लिए आवश्यक दिशा निर्देश दिए।

केशव प्रसाद मौर्य ने समस्याओं के निस्तारण के बावत जिलों व शासन के उच्चाधिकारियों से दूरभाष पर वार्ता करते हुए यथोचित दिशा निर्देश दिए। जमीन सम्बन्धी अधिकांश प्रकरणों में उन्होंने सम्बन्धित जिलाधिकारियों को निर्देश दिए कि वह राजस्व व पुलिस विभाग के अधिकारियों व कर्मचारियों की संयुक्त टीम बनाकर मौके पर भेजा जाय और सार्थक समाधान कराया जाए।

रास्ते पर भरा नालियों का पानी राहगीरों को भारी परेशानी

कैनविज टाइम्स संवाददाता

जहांगीराबाद (सीतापुर)। देखिए यह कोई छोटा मोटा सरोवर नहीं है बल्कि लाखों की आबादी को जोड़ने वाला प्रमुख पेंटेड मार्ग है जो वर्षों से इसी हालत? में पड़ा हुआ है। आसपास के लोग नारकीय जीवन जीने को मजबूर हैं। मामला विकास खण्ड सकरन की ग्राम पंचायत बसहिया कोठार के बसहिया गांव का है। जहां पुत्ती लाल के घर के पास से दुजई के घर के सामने काफी दूरी तक गांव के घरों की नालियों से निकलने वाला गंदा बदबूदार पानी भरा हुआ है। इसका मुख्य कारण पानी की सही निकास न होना और सड़क का लेबल बहुत नीचा होना है। रास्ते के किनारे बहुत समय पहले ग्राम पंचायत द्वारा आधी अधूरी नाली बनायी गयी थी जो आज भी यत्र तत्र बनी हुई हैं। नालियां काफी ऊंची होने और सड़क का लेबल बहुत नीचा होने से वह बेकार पड़ी थीं जिन्हें आसपास के रहने वालों ने मिट्टी से पाट दिया। इतना ही नहीं जगह जगह नालियों का पानी निकालने के लिए उन्हें तोड़ भी दिया है जिससे पानी मुख्य पेंटेड रास्ते पर भरा हुआ है। इस कारण से मार्ग पर होकर प्रतिदिन निकलने वाले सैकड़ों राहगीरों को भारी परेशानी उठानी पड़ रही है।

बहराइच - सीतापुर मुख्य मार्ग पर रेउसा थाना अन्तर्गत मंगू चौराहा से एक पेंटेड मार्ग बसहिया गांव होते हुए निघतिया, सीताराम पुरवा, कोठार, सोहलिया, इस्माइलपुर, कुंडी, धनवा, ओरी पुरवा, अहरोरी बाजार व भैंसहा आदि दर्जनों गांवों तक जाता है। जिससे इस रास्ते पर दिन रात राहगीरों का आवागमन बना रहता है। दर्जनों गांवों की लाखों की आबादी इस खराब मार्ग से प्रभावित है। कई बार राहगीर इस कीचड़ और गंदे पानी में गिरकर चोटिल भी हो चुके हैं बावजूद इसके कोई भी जिम्मेदार की दृष्टि आज तक इस ओर नहीं गई। जबकि मात्र 100-150 मीटर की दूरी पर ही गांव के किनारे तालाब है जिसमें यह नालियों का गंदा पानी ले जाया जा सकता है।इस भयंकर गर्मी में इस गंदे पानी से गांव में महामारी फैलने की आशंका बनी हुई है। इस संबंध में प्रधान प्रतिनिधि मोहित कुमार मौर्य ने बताया कि बसहिया गांव में इंटरलॉकिंग लगाकर सारी नालियां सही करा दी गई हैं तथा इन नालियों का पानी जिन नालियों में होकर जाता था उन नालियों को आसपास के लोगों ने पाठ दिया है। जिससे नालियों का पानी रास्ते पर भर रहा है। निर्माण सामग्री गांव पहुंच चुकी है। मैं जल्द ही इन बंद पड़ी नालियों को खुलवाकर इनकी मरम्मत कराकर शीघ्र से शीघ्र इस पानी की निकासी की व्यवस्था कराऊंगा। इस बारे में खण्ड विकास अधिकारी सकरन श्रीश कुमार गुप्ता ने बताया कि आपसे जानकारी हुई है। मैं तुरन्त दिखवाकर सही कराता हूं।

अखिल भारतीय चित्रांश महासभा की बैठक सम्पन्न

कैनविज टाइम्स संवाददाता

सीतापुर । रविवार को अखिल भारतीय चित्रांश महासभा जिला कार्यकारिणी सीतापुर की एक आवश्यक बैठक हर्षित रतन सिंन्हा संयुक्त मंत्री के आवास तरीनपुर महल में आयोजित की गई जिसकी अध्यक्षता अध्यक्ष अक्षय सहाय व संचालन ललित कुमार श्रीवास्तव के द्वारा किया गया बैठक में श्री चंद्रभानु सक्सेना के द्वारा मेधावी छात्र-छात्रा अभिनंदन समारोह 2025 व उनके माता-पिता का नागरिक अभिनंदन समारोह के आयोजन को लेकर विस्तार से चर्चा की गई बैठक में दीपक श्रीवास्तव एडवोकेट के द्वारा अधिक से अधिक सदस्यों को बढ़ाने एवं मेधावी छात्रों के माता-पिता को बतौर सदस्य संस्था में जोड़ने के संदर्भ में विस्तार से विचार विमर्श किया गया अनूप श्रीवास्तव आता कप्तान ने अगली बैठक के लिए दिनांक 13 जून 2025 को शाम 5:30 बजे का समय के साथ प्रस्ताव रखा जिसे ध्वनि मत से बैठक में पारित किया गया बैठक में हर्षित रतन सिंन्हा ने अपने सर्वश्रेष्ठ योगदान को प्रदान करने के लिए सहमति प्रदान की और अशोक श्रीवास्तव शिवाला पूर्वा मुंशीगंज ने मेधावी छात्र-छात्राओं के अंक पत्र एकत्रित करने के लिए अपने आप को परियां समर्पित बताया और कहा कि वह अंक पत्र एकत्रित करने का कार्य करेंगे महासचिव ललित कुमार श्रीवास्तव के द्वारा सभी चित्रांश भाई बहनों से मेधावी छात्र-छात्र अभिनंदन समारोह के लिए अभी से ही संपूर्ण प्रयास सहित लग जाने के लिए निवेदन किया गया बैठक में आए सभी गणमान्य लोगों के प्रति आभार एवं धन्यवाद प्रकट करते हुए हर्षित रत्न सिंन्हा ने सभा के समापन की घोषणा की ।

पुलिस की बड़ी कार्रवाई: चोरी के टायर और ट्रक समेत दो आरोपी गिरफ्तार

कैनविज टाइम्स संवाददाता

लखीमपुर खीरी। पुलिस अधीक्षक संकल्प शर्मा के निर्देशन और अपर पुलिस अधीक्षक व क्षेत्राधिकारी सदर के पर्यवेक्षण में थाना फरधान पुलिस ने एक बड़ी कार्रवाई करते हुए चोरी के टायर और बिना कागजात के ट्रक सहित दो शातिर चोरों को गिरफ्तार किया है। प्रभारी निरीक्षक फरधान के नेतृत्व में की गई इस कार्रवाई में पुलिस ने दो अभियुक्त ऽ इमरान पुत्र महबूब एवं नईम पुत्र तसलीम, दोनों निवासी नेहटौर, जिला बिजनौर ऽ को ग्राम रन्छोरपुर के पास से गिरफ्तार किया। अभियुक्तगण के पास से चोरी का ट्राली टायर मय रिम और एक ट्रक (ठघ 20 इढ़ 0916) बरामद किया गया, जिसमें प्लाई लदा हुआ था। ट्रक के कोई वैध कागजात न दिखाए जाने पर उसे धारा 207 एमवी एक्ट के तहत सीज कर दिया गया। इन दोनों के विरुद्ध थाना फरधान में पहले से दर्ज मुकदमा संख्या 218/2025 धारा 303(2) बीएनएस में अब धारा 317(2) बीएनएस की बढ़ोत्तरी की गई है। गिरफ्तार अभियुक्त नईम का आपराधिक इतिहास भी सामने आया है, जिसमें थाना नेहटौर और थाना खीरी में विभिन्न गंभीर धाराओं में मामले दर्ज हैं। पुलिस ने विधिक कार्यवाही करते हुए दोनों को न्यायालय भेज दिया है। इस सफलता में थाना फरधान के उप निरीक्षक महेश नारायण तिवारी, हेड कांस्टेबल धर्मेंद्र कुमार, कांस्टेबल अक्षय कम्बोज व कांस्टेबल अतुल त्रिपाठी की अहम भूमिका रही। फरधान पुलिस की तत्परता से एक बार फिर साबित हुआ है कि अपराध और अपराधियों के खिलाफ जनपद खीरी पुलिस पूरी तरह मुस्तैद है।

जनपद की सभी सात तहसीलों में सम्पूर्ण समाधान दिवस आयोजित

आई0जी0आर0एस0 पोर्टल पर प्राप्त होने वाली शिकायतों का त्वरित गति से हो निस्तारण : जिलाधिकारी

कैनविज टाइम्स संवाददाता

सीतापुर । जनता की शिकायतों एवं समस्याओं को पूर्ण गुणवत्ता के साथ निस्तारित करने के उद्देश्य से जनपद की सभी सात तहसीलों में सोमवार को सम्पूर्ण समाधान दिवस आयोजित किया गया। तहसील सिधौली में जिलाधिकारी अभिषेक आनंद एवं पुलिस अधीक्षक अंकुर अग्रवाल की अध्यक्षता में सम्पूर्ण समाधान दिवस का आयोजन किया गया। शिकायतकर्ताओं की शिकायतों को एक-एक करके सुना गया एवं जनता की शिकायतों एवं समस्याओं को समयान्तर्गत गुणवत्तापूर्ण निस्तारण सुनिश्चित करने के निर्देश के साथ संबंधित अधिकारियों को अन्तरित किया।

सम्पूर्ण समाधान दिवस के दौरान जिलाधिकारी ने सभी विभागाध्यक्षों और अधिकारियों को निर्देश दिये कि लाभार्थीपरक योजनाओं से संबंधित प्रकरणों का तेजी से निस्तारण किया जाये, जिससे पात्रों को समय से लाभान्वित किया जा सके। जिलाधिकारी ने कहा कि आई0जी0आर0एस0 पोर्टल पर प्राप्त होने वाली शिकायतों का त्वरित गति से निस्तारण हो। उन्होंने कहा कि शिकायतकर्ता द्वारा जो शिकायत की गई हैं उसका निस्तारण संबंधित अधिकारी मौके पर पहुंचकर गुणवत्ता पूर्ण करें।

सम्पूर्ण समाधान दिवस के दौरान उपजिलाधिकारी सिधौली राखी वर्मा, मुख्य चिकित्सा अधिकारी डा0 सुरेश कुमार सहित संबंधित विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे।

तहसील सिधौली में सम्पूर्ण समाधान दिवस के अवसर पर कुल 154 शिकायतों में से 17 का निस्तारण मौके पर ही कर दिया गया। इसी प्रकार से जनपद की अन्य तहसीलों में आयोजित सम्पूर्ण समाधान दिवस में तहसील मिश्रिख में प्राप्त 57 प्रार्थना पत्रों में से 10, तहसील लहरपुर में प्राप्त 29 प्रार्थना पत्रों में से 02, तहसील महोली में प्राप्त 30 प्रार्थना पत्रों में से 04, तहसील महमूदाबाद में प्राप्त 34 प्रार्थना पत्रों में से 05, तहसील बिसवां में प्राप्त 35 प्रार्थना पत्रों में से 05, तहसील सदर में प्राप्त 12 प्रार्थना-पत्रों में से 02 शिकायतों का निस्तारण मौके पर ही कर दिया गया। शेष बची हुयी शिकायतों को पृष्ठांकित कर एक सप्ताह के अन्दर संबंधित अधिकारी को निस्तारित करने के निर्देश दिये गये।

मनरेगा में फर्जी हाजिरी लगाकर सरकार को लगा रहा चुना प्रधान

मछरेहटा, सीतापुर कैनविज टाइम्स संवाददाता। विकास खंड की ग्राम पंचायत पेरियाकोडर में सरकारी धन को बंदर बांट करने कोई कोर कसर नहीं छोड़ रहे ग्राम पंचायत पेरियाकोडर प्रधान आशा राम राजवंशी व सचिव नीरज यादव के द्वारा मजरा भराडीह से बेतवा नाले तक कराए जा रहे ड्रेन निमार्ण में जमकर भ्रष्टाचार किया जा रहा है वहीं मजरा खरगापुर में ड्रेन निमार्ण कार्य बेतवा नाले तक कराए जा रहा जिसमें कागजों पर 107 लेबरों का कार्य दिखाया जा रहा है जबकि मैके पर सिर्फ 7 लेवर ही कार्य कर रहे हैं। क्या बोले जिम्मेदार , इस संबंध में जब मुख्य विकास अधिकारी निधि बंसल से बात की गई तो उन्होंने मामले की जांच कराकर उचित कार्यवाही की बात कही ।

कुल 02 अभियुक्त गिरफ्तार, 02 अवैध शस्त्र बरामद

सीतापुर कैनविज टाइम्स संवाददाता। पुलिस अधीक्षक सीतापुर श्री अंकुर अग्रवाल द्वारा जनपद में सघन चेकिंग एवम् अपराधियों के विरूद्ध कार्यवाही करने के निर्देश दिये गये है। उक्त निर्देश के क्रम में संबंधित क्षेत्राधिकारीगण के निकट पर्यवेक्षण में थाना लहरपुर व खैराबाद पुलिस टीम द्वारा अपने थानाक्षेत्रों में चेकिंग के दौरान कुल दो अभियुक्तों को 02 अवैध शस्त्र व कारतूस के साथ गिरफ्तार किया गया है, विवरण निम्नवत है– थाना लहरपुर द्वारा 01 अभियुक्त अवैध शस्त्र सहित गिरफ्तार:– थाना लहरपुर पुलिस टीम द्वारा चेकिंग के दौरान अभियुक्त सूरज अवस्थी पुत्र देवी प्रसाद अवस्थी निवासी ग्राम कटरा थाना रेउसा जनपद सीतापुर को गिरफ्तार किया गया है। जिससे मौके से एक अदद अवैध तमंचा व 01 अदद जिन्दा कारतूस 12 बोर बरामद हुआ है। बरामदगी के संबंध में थाना स्थानीय पर मु0अ0सं0 323/2025 धारा 25(1–बी) आर्म्स एक्ट पंजीकृत कर चालान मा0 न्यायालय किया गया । थाना खैराबाद द्वारा 01 अभियुक्त अवैध शस्त्र सहित गिरफ्तार:– थाना खैराबाद पुलिस टीम द्वारा अभियुक्त नसीम उर्फ बोस पुत्र उस्मान निवासी ग्राम करीमनगर मजरा अकबरगंज थाना खैराबाद जनपद सीतापुर को 01 अदद अवैध देशी तमंचा व 01 अदद जिन्दा कारतूस 12 बोर के साथ गिरफ्तार किया गया है। बरामद अवैध शस्त्र के संबंध में थाना स्थानीय पर मुकदमा अपराध संख्या 193/2025 धारा 25 (1–बी) आर्म्स एक्ट पंजीकृत कर अभियुक्त उपरोक्त का चालान मा0 न्यायालय किया गया है ।

सिंगाही पुलिस को बड़ी सफलता, दो वांछित वारंटी अभियुक्त गिरफ्तार

लखीमपुर खीरी कैनविज टाइम्स संवाददाता। जनपद खीरी में अपराधियों के विरुद्ध चलाए जा रहे सघन अभियान के तहत थाना सिंगाही पुलिस को एक और महत्वपूर्ण सफलता मिली है। पुलिस ने दो फरार चल रहे वारंटी अभियुक्तों को गिरफ्तार कर आवश्यक विधिक कार्यवाही के उपरांत उन्हें न्यायालय के सुपुर्द।

कानपुर से लखनऊ की दूरी मात्र 35 से 40 मिनट में पूरा होगा : जिलाधिकारी

कानपुर। अवध एक्सप्रेसवे जिसे कानपुर–लखनऊ एक्सप्रेसवे के नाम से भी जाना जाता है। उत्तर प्रदेश के अवध क्षेत्र के दो प्रमुख शहरों लखनऊ और कानपुर को जोड़ता है। इस पर वाहनों के लोड को कम किया जा सकेगा। साथ ही आने वाले समय में कानपुर से लखनऊ की दूरी को मात्र 35 से 40 मिनट में पूरा किया जा सकेगा। इससे लखनऊ और कानपुर के बीच लगने वाले ट्रैफिक जाम से भी निजात मिलेगी। यह बातें सोमवार को जिलाधिकारी जितेंद्र प्रताप सिंह ने कही।

इस दौरान पाया गया कि उक्त एक्सप्रेसवे के प्रथम चरण के 45 किलोमीटर के प्रथम चरण का निर्माण कर 31 मई तक पूरा करना था। लेकिन उन्नाव में स्थित रेलवे ओवरब्रिज व अन्य कारणों के चलते इस चरण को अब जुलाई में पूर्ण किए जाने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। वहीं बनी से शहीद पथ तक के 17 किलोमीटर के द्वितीय चरण का निर्माण अक्टूबर तक पूरा किए जाने की सम्भावना जताई गई।

यह भारत के उत्तर प्रदेश में निर्माणाधीन, 63 किलोमीटर लम्बा (39 मील), छह लेन चौड़ा (आठ तक विस्तार योग्य) एक्सेस–कंट्रोल एक्सप्रेसवे है। इसे भारत सरकार द्वारा राष्ट्रीय एक्सप्रेस–वे (गक 6) का दर्ज़ा दिया गया है।यह राष्ट्रीय राजमार्ग 27 (एनएच–27) के समानांतर चलेगा जो कानपुर और लखनऊ को जोड़ता है।

पुलिस ने वारंटी अभियुक्त को किया गिरफ्तार

कैनविज टाइम्स संवाददाता

लखीमपुर खीरी। जनपद खीरी में अपराधियों के विरुद्ध चलाए जा रहे सघन अभियान के तहत थाना शारदानगर पुलिस को एक बड़ी सफलता हाथ लगी है। पुलिस ने एक लंबे समय से वांछित वारंटी अभियुक्त अशोक कुमार पुत्र बांकेलाल, निवासी ग्राम टिप्पनपुरवा, थाना शारदानगर को गिरफ्तार किया है।

यह गिरफ्तारी 9 जून 2025 को पुलिस अधीक्षक श्री संकल्प शर्मा के निर्देश, अपर पुलिस अधीक्षक खीरी के निकट पर्यवेक्षण तथा क्षेत्राधिकारी सदर के कुशल मार्गदर्शन में प्रभारी निरीक्षक शारदानगर के नेतृत्व में की गई।

गिरफ्तार अभियुक्त के विरुद्ध मु.सं. 1099/14, राज्य बनाम कन्नू व अशोक अंतर्गत धारा 323/436 भादंवि, थाना कोतवाली सदर में मामला दर्ज था। गिरफ्तारी के पश्चात आरोपी को माननीय न्यायालय के समक्ष प्रस्तुत किया गया।

पुलिस की कार्रवाई सराहनीय इस गिरफ्तारी से पुलिस की सजगता और अभियान की प्रभावशीलता स्पष्ट होती है। जिले में अपराध और अपराधियों के विरुद्ध चल रहे सघन अभियानों में यह एक और महत्वपूर्ण कदम है।

जिला अस्पताल में 50 करोड़ की लागत से बनेगा क्रिटिकल केयर यूनिट

एजेंसी

बलिया। जिला अस्पताल में गम्भीर रोगों के मरीजों को इलाज और आपातकालीन चिकित्सा के मार्ग में क्रिटिकल केयर यूनिट का अभाव हर समय आड़े आ जाता है। मगर अब यह समस्या दूर होने वाली है। परिवहन मंत्री दयाशंकर सिंह ने सोमवार को निरीक्षण के दौरान काफी अर्से से लम्बित क्रिटिकल केयर यूनिट के बारे में ठोस पहल किया।

अधिकारियों से बातचीत के दौरान सीसीयू के लिए जमीन नहीं मिलने की बात सामने आने पर तत्काल जेई को बुलाया और अपने सामने नापी कराई। कहा कि करीब 50 करोड़ से अधिक की लागत से क्रिटिकल केयर यूनिट बनना है, लेकिन इसमें लापरवाही बरती जा रही है। जमीन का चिन्हांकन हो गया है। अब इसे जल्द तैयार कराया जाएगा। ताकि गम्भीर स्थिति के किसी भी मरीज को बाहर न जाना पड़े। इसी बीच मंत्री ने अटेंडेंट सेल्टर के लिए भी जमीन का चिन्हांकन कराया। कहा कि इंडियन आयल की तरफ से करीब दो करोड़ रुपए की लागत से इसे बनाया जाना है, लेकिन अभी तक इसके लिए विभाग जमीन उपलब्ध नहीं करा पा रहा था। अब इसके लिए स्थान का चयन हो गया है तो अस्पताल परिसर में ही ये भी बनेगा।

संपूर्ण समाधान दिवस : डीएम, एसपी व विधायक ने सुनीं शिकायतें, सौंपी आवास की चाबियां व रोजगार साधन

कैनविज टाइम्स संवाददाता

लखीमपुर खीरी । निघासन तहसील का सभागार सोमवार को केवल शिकायतों के समाधान का मंच नहीं रहा, बल्कि वह दिन जरूरतमंदों की उम्मीदों, मुस्कान और आत्मनिर्भरता की कहानी बन गया। डीएम दुर्गा शक्ति नागपाल, विधायक शशांक वर्मा और एसपी संकल्प शर्मा ने जहां गंभीरता से फरियादियों की बात सुनी और अधिकारियों को निष्पक्ष, समयबद्ध समाधान के निर्देश दिए, वहीं दूसरी ओर आशियाने की चाबी और रोजगार के साधन सौंपकर कई परिवारों के सपनों को साकार कर दिया।

संपूर्ण समाधान दिवस के दौरान डीएम दुर्गा शक्ति नागपाल और विधायक निघासन शशांक वर्मा, एसपी संकल्प शर्मा और अन्य अधिकारियों के साथ फरियादियों की समस्याएं गंभीरता से सुनीं। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया कि जनशिकायतों की निष्पक्ष जांच कर समयबद्ध व गुणवत्तापूर्ण निस्तारण सुनिश्चित किया जाए।

डीएम ने कहा कि शासन की प्राथमिकताओं में जनसमस्याओं का समाधान सर्वोपरि है। गरीब और जरूरतमंदों की समस्याओं का संवेदनशीलता से तुरंत समाधान करें और उन्हें सरकारी योजनाओं का लाभ दिलाएं। शिकायतकर्ताओं की भावनाओं का सम्मान कर संतोषजनक निस्तारण करें। भूमि विवाद में राजस्व-पुलिस टीम संयुक्त कार्रवाई करे। किसी भी लापरवाही को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। इस अवसर पर योजनाओं की भी सौगात दी गई। डीएम ने यह भी चेताया कि किसी भी स्तर पर लापरवाही क्षम्य नहीं होगी। डीएम की अध्यक्षता में आयोजित सम्पूर्ण समाधान दिवस में कुल 147 शिकायती प्रार्थना पत्र पंजीकृत किये, जिसमें 11 शिकायतों का मौके पर निस्तारण हुआ। सम्पूर्ण समाधान दिवस में राजस्व 89, पुलिस 29, विकास 10, सिंचाई चार, आपूर्ति 03, वन, नगर निकाय, विद्युत, बैंक 02-02, जल निगम, उपनिबंधक, पंचायती राज, बाल विकास एवं पुष्टाहार की एक-एक शिकायती प्रार्थना पत्र प्राप्त हुए, जिन्हें पृष्ठाकिंत कर सम्बन्धित अधिकारियों को शीघ्र निस्तारण हेतु उपलब्ध करा दिया। इस दौरान सीएमओ डॉ संतोष गुप्ता, एसडीएम राजीव कुमार निगम, सीओ महक शर्मा, पीडी एसएन चौरसिया सहित जनपदीय अधिकारी मौजूद रहे।

'छत भी मिली, रोज़गार की राह भी खुली'' डीएम व विधायक ने दी खुशियों की चाबी तहसील निघासन के सभागार में प्रधानमंत्री आवास योजना-ग्रामीण के तहत आज कई परिवारों के सपनों को पंख मिले। डीएम दुर्गा शक्ति नागपाल, विधायक शशांक वर्मा व एसपी संकल्प शर्मा ने लाभार्थियों रीता यादव, किस्मत जहां, तसलेमा खातून, माया देवी और शांति देवी को नई जिंदगी की चाबी सौंपी। सिर्फ छत ही नहीं, रोज़गार का साधन भी मिला ग्राम उद्योग विभाग की टूल किट योजना के अंतर्गत वंदना और आरती को निःशुल्क दोना-पत्तल मशीनें प्रदान की गईं, जिससे वे स्वावलंबन की राह पर कदम बढ़ा सकें।

हरियाली के संदेश संग जनसुनवाई की शुरुआत तहसील निघासन में जनसुनवाई से पूर्व जिलाधिकारी दुर्गा शक्ति नागपाल ने एसडीएम राजीव कुमार निगम के साथ तहसील परिसर स्थित पौध वाटिका में सिंदूर का पौधा रोपित कर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया।

शहरवासियों को शुद्ध जल उपलब्ध कराना हमारी प्राथमिकता : अदिति सिंह

शहर में सोलर बेस्ड आर.ओ. वाटर प्लांट्स का किया गया लोकार्पण

सदर विधायक अदिति सिंह ने शुद्ध पेयजल की दिशा में बड़ाया कदम

कहा पेयजल जैसी मूलभूत सुविधा प्रत्येक नागरिक का है अधिकार, आने वाले समय में अन्य क्षेत्रों में भी ऐसी सुविधाएं विस्तार में लाई जाएंगी

कैनविज टाइम्स संवाददाता

रायबरेली। शहर के रतापुर, मलिकमऊ, गोरा बाजार एवं राजकीय कॉलोनी क्षेत्रों में शुद्ध पेयजल उपलब्ध कराने हेतु सोलर बेस्ड आरओ वाटर प्लांट्स का निर्माण कार्य पूर्ण कर लिया गया है। इन नव निर्मित प्लांट्स का लोकार्पण आज जनप्रिय सदर विधायक अदिति सिंह द्वारा किया गया। प्रत्येक प्लांट की लागत 12,50,000 (बारह लाख पचास हजार रुपये) है। ये सभी संयंत्र सौर ऊर्ज़ा पर आधारित हैं, जिससे इनका संचालन पर्यावरण के अनुकूल व ऊर्ज़ा दक्ष रहेगा। इन आर.ओ. प्लांट्स की स्थापना से संबंधित क्षेत्रों में रहने वाले नागरिकों को अब शुद्ध व सुरक्षित पेयजल आसानी से उपलब्ध हो सकेगा। बताते चले कि बढ़ती गर्मी की वजह से शहर में लोगों के लिये पेयजल की उपलब्धता का काफी अभाव देखने को मिल रहा था जिससे शहर में पेयजल के लिये लोगों द्वारा काफी मांग की जा रही थी। विधायक द्वारा इस पहल से शहर में पेयजल की समस्या का काफी हद तक समस्या दूर हो रही है। इसे लेकर लोगों में भी काफी उत्साह देखने को मिल ही रहा है साथ शहर में कई स्थानों पर पेयजल की समस्या से भी निजात मिल रही है। यही नहीं शहर वासियों का कहना है कि सोलर बेस्ट वाटर कूलर से बिजली की समस्या से भी निजात मिलेगी जिससे लोगों को 24 घंटे पेयजल की उपलब्धता रहेगी। वहीं वितधायक ने बताया अभी शहर के अन्य स्थानों पर भी इस तरह से पेयजल के संसांधन लगाये जायेगें। इस अवसर पर नगर के जनप्रतिनिधि, अधिकारीगण व स्थानीय नागरिक बड़ी संख्या में उपस्थित रहे।

क्या कहा विधायक ने

सदर विधायक अदिति सिंह ने कहा कि पेयजल जैसी मूलभूत सुविधा प्रत्येक नागरिक का अधिकार है। इन संयंत्रों के माध्यम से शहरवासियों को शुद्ध जल उपलब्ध कराना हमारी प्राथमिकता है। आने वाले समय में अन्य क्षेत्रों में भी ऐसी सुविधाएं विस्तार में लाई जाएंगी।

डीएम-एसपी ने सम्पूर्ण समाधान दिवस में सुनी फरियादियों की समस्याएं

रायबरेली। जिलाधिकारी हर्षिता माथुर की अध्यक्षता में तहसील सदर में सम्पूर्ण समाधान दिवस का आयोजन किया गया। जिलाधिकारी ने कहा कि जन सामान्य की शिकायतों का स्थानीय स्तर पर समाधान किया जाना सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है जिसके क्रम में तहसील व थानों में सम्पूर्ण समाधान दिवस का आयोजन किया जाता है। इसमें स्थानीय नागरिक उपस्थित होकर अपनी समस्याओं का समाधान करा सकते है। जिलाधिकारी ने कहा कि सभी अधिकारी जनता की इन शिकायतों का निस्तारण त्वरित एवं समयबद्ध तरीके से एक सप्ताह में कराना सुनिश्चित करें। उन्होंने कहा कि शिकायतों के निस्तारण में यदि कोई समस्या है तो उसका कारण स्पष्ट करते हुए अवगत कराना सुनिश्चित किया जाये। जिलाधिकारी ने बताया कि तहसील सदर में आयोजित सम्पूर्ण समाधान दिवस में कुल 110 प्रकरण प्राप्त हुए, जिसमें से 6 प्रकरणों का निस्तारण मौके पर ही कर दिया गया। शेष प्रकरणों को निस्तारण हेतु संबंधित विभागों को इस निर्देश के साथ उपलब्ध करा दिये गये कि उनका निस्तारण एक सप्ताह में कराना सुनिश्चित कराए। पुलिस अधीक्षक डॉ यशवीर सिंह ने भी पुलिस से संबंधित मामलों को सुना और संबंधित को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। इस मौके पर एसडीएम सदर प्रफुल्ल कुमार शर्मा, मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ नवीन चंद्रा सहित अन्य संबंधित अधिकारीगण उपस्थित रहे।

दुल्हन की कार अनियंत्रित होकर पलटने से युवती की मौत

हमीरपुर । ब्यूटी पार्लर से मेकअप कराकर कार से गांव लौट रही दुल्हन की कार अनियंत्रित होकर पलट गई। कार से पलटने से उसमें सवार एक युवती की मौत हो गई। जबकि दो लोग घायल हो गए। घालयों को इलाज के लिए सीएचसी ले जाया गया। सोमवार को पुलिस ने शव का पोस्टमार्टम कराया है।जानकारी के अनुसार राठ कस्बे के सिकंदरपुरा मोहल्ला निवासी मनीषा पाल (22) की बुआ की ननद रामदेवी की शादी होनी थी। मनीषा पाल दुल्हन रामदेवी का एक ब्यूटी पार्लर में मेकअप कराकर कार से कोतवाली के बदनपुरा गांव जा रही थी। रामदेवी की शादी होनी थी। राठ चरखारी मार्ग पर गौहानी गांव के पास अचानक से कार अनियंत्रित होकर पलट गई। कार से पलटने से कार में सवार मनीषा पाल की मौके पर ही मौत हो गई। जबकि कार में सवार दुल्हन रामदेवी और गुंदेला गांव की रहने वाली मोहिनी पाल को मामूली चोटें आईं। परिजनों के मुताबिक मनीषा का 15 दिन पहले ही रिश्ता तय हुआ था। वह ब्यूटी पार्लर में काम करती थी। मनीषा के परिवार में मां रामप्यारी, भाई प्रांशु और अरविंद तथा बहन सपना हैं। कोतवाल रामासरे सरोज ने सोमवार को बताया शव का पोस्टमार्टम कराया गया है।

घर में लगी आग से गृहस्थी हुई खाक

हमीरपुर। मुस्करा विकास खण्ड के ग्राम पहाडी भिटारी में सोमवार को अचानक एक मकान में आग लग गयी। सूचना पर पहुँची कोतवाली मुस्करा पुलिस, फायर ब्रिगेड व ग्रामीणों की कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया जा सका।जानकारी के अनुसार जनपद के विकासखंड व कोतवाली मुस्करा के ग्राम पहाडी भिटारी निवासी हलकाई पुत्र श्रीचंद्र कुशवाहा के मकान में अचानक आग लग गयी। आग लगने से उठ रहे धुंआ के धुंध को देख ग्रामीण एकत्रित हो आग पर काबू पाने की कोशिश में लग गए, पर आग ने धीरे-धीरे विकराल रूप धारण कर लिया। आग बुझाने की लोगों की कोशिश नाकाम हो रही थी। सूचना पर पहुँची मुस्करा कोतवाली पुलिस फायर ब्रिगेड की टीम व ग्रामीणों के सहयोग से कड़ी मेहनत के बाद आग पर काबू पाया जा सका।

युवती की हत्या में पिता पुत्र के विरूद्ध रिपोर्ट दर्ज

हमीरपुर । बुंदेलखंड एक्सप्रेसवे के वीरा गांव के सर्विस रोड पर नहर में मृत अवस्था में मिली युवती की मौत के मामले में सोमवार को पिता ने दो लोगों के विरूद्ध जरिया थाने में हत्या की रिपोर्ट दर्ज कराई है। जरिया पुलिस ने हत्या की रिपोर्ट दर्ज करते हुए आरोपितों की गिरफ्तारी के लिए दबिश देनी शुरू कर दी।गौरतलब है कि बीते शनिवार को जरिया थाने के वीरा गांव के पास से गुजरे बुंदेलखंड एक्सप्रेसवे के सर्विस रोड़ पर नहर में एक युवती का शव मिला था। उस दौरान युवती के शव की शिनाख्त नहीं हो सकी थी। युवती की शिनाख्त मुस्करा थाने के बिहूनी गांव निवासी मलखान की पुत्री शिवानी प्रजापति (17) के रूप में हुई थी। पिता ने थाने में बिहूनी खुर्द गांव निवासी महेश और उसके पुत्र मनोज के विरूद्ध रिपोर्ट दर्ज कराई है। जानकारी के अनुसार पुलिस ने शव का पोस्टमार्टम कराया है। पोस्टमार्टम होने के बाद चिकित्सकों ने मृत्यु के सही कारणों का पता लगाने के लिए बिसरा जांच के लिए सुरक्षित रख लिया।

अपना दल एस की मासिक बैठक संपन्न

संगठन में रहना है तो काम करना पड़ेगा : सत्येंद्र सिंह पटेल

कैनविज टाइम्स संवाददाता

रायबरेली। अपना दल एस जनपद रायबरेली की मासिक बैठक पार्टी कार्यालय में संपन्न हुई। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि जनपद के जिला अध्यक्ष कुंवर सत्येंद्र सिंह पटेल ने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहां की सक्रिय सदस्यता बढ़ाने पर जोर देना होगा। ज्यादा से ज्यादा सभी पदाधिकारी को सक्रिय सदस्य बनना चाहिए । बूथ स्तर पर पूरी कमेटी का गठन समय पर नहीं पूरा कर पाने में अक्षम, विधानसभा सदर विधानसभा हरचंदपुर ,विधानसभा सलोन के विधानसभा अध्यक्षों को उनकी कमेटियों के साथ जिला कार्यकारिणी की संतुति पर बर्खास्त कर दिया गया है। अन्य विधानसभा अध्यक्षों को चेतावनी दी गई है कि जल्द से जल्द अपनी कमेटियों का गठन करके जिला कार्यालय को भेज दिया गया है। इस अवसर पर जिला उपाध्यक्ष आकाश पटेल ने कहां की हम लोगों को जमीन पर उतरकर काम करना होगा मंच पर बोलने से या बड़ी-बड़ी बातें करने से ना तो पार्टी का भला होगा ना ही हमारा। और इस पर सभी विधानसभा अध्यक्षों व जिला के पदाधिकारी से निवेदन है कि अपनी-अपनी विधानसभाओं में विधानसभा अध्यक्ष से संपर्क करके अपने लोगों को जोड़ें और ज्यादा से ज्यादा सक्रिय सदस्य बनाएं। इस अवसर पर जिला अध्यक्ष ने कुछ लोगों को कफ- प्लेट भेंट कर अपना दल एस की सदस्यता दिलाई।कार्यक्रम में मुख्य रूप से किसान मंच के जिला अध्यक्ष जयसवाल , जिला उपाध्यक्ष आकाश पटेल, जिला महासचिव एडवोकेट विजय चौधरी, छात्र मंच के अध्यक्ष यथार्थ उपाध्याय ,अर्चित पटेल, जिला सचिव दिलीप पटेल, जिला कार्यकारिणी सदस्य सुनील पटेल , जिला उपाध्यक्ष विधानसभा अध्यक्ष बछरावां पारथ द्विवेदी ऊंचाहार विधानसभा अध्यक्ष अरुण पटेल ,आशु सोनकर, जय सिंह, अमर सोनकर आदि कार्यकर्ता एवं पदाधिकारी उपस्थित रहे।

अज्ञात कारणों से 16 वर्षीय युवती ने घर के अंदर पंखे से लटक कर लगाई फांसी

कैनविज टाइम्स संवाददाता

महराजगंज,रायबरेली। चंदापुर थाना क्षेत्र के रानी का पूरवा मजरे मुरैनी गांव में अज्ञात कारणों से एक 16 वर्षीय युवती ने घर के अंदर पंखे से लटक कर फांसी लगा ली परिजनों द्वारा घटना की सूचना डायल 112 को दी गई डायल 112 द्वारा मौके पर पहुंचकर थाना अध्यक्ष चंदापुर प्रशांत द्विवेदी को सूचित किया गया। थाना अध्यक्ष चंदापुर ने हल्का दरोगा रवि पंवार को दलबल के साथ मौके पर भेजा तो वही पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है । बताते चलें कि आज दिन सोमवार को चंदापुर थाना क्षेत्र के पूरे रानी मजरे मुरैनी गांव निवासी छींटू प्रजापति की 16 वर्षीय पुत्री नेहा प्रजापति ने घर में अकेला पाकर कमरे की छत में दुपट्टे से पंखे में फंदा लगाकर अपनी जीवन लीला समाप्त कर ली। मृत्यु का कारण अज्ञात है और परिजनों का रो-रो कर बुरा हाल है। वही मौके पर पहुंची चंदापुर पुलिस ने परिजनों की सूचना पर शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। इस मौके पर थाना अध्यक्ष प्रशांत द्विवेदी सहित भारी मात्रा में पुलिस बल मौजूद रहा।

कार की चपेट में आने से बीएससी की दो छात्राओं की हुई दर्दनाक मौत

सूचना मिलते ही परिजनों का रो-रो कर हुआ बुरा हाल, अभिभावक हुए बदहवास

कैनविज टाइम्स संवाददाता

आजमगढ़। जनपद के गंभीरपुर थाना क्षेत्र के गोसाई की बाजार नंदी भौजी पहलवान ढाबा के सामने हुंडई कार की चपेट में आने से प्रैक्टिकल देने जा रही बीएससी की दो छात्राओं अंशिका 22 वर्ष पुत्री लालमुनी व आंचल 22 वर्ष पुत्री सुरेंद्र यादव की मृत्यु हो गई। सूचना पर पहुंची पुलिस ने दोनों शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। बता दे की अंशिका 22 वर्ष पुत्री लालमुनी निवासी कूड़ेभार थाना देवगांव व आंचल 22 वर्ष पुत्री सुरेंद्र यादव निवासी खनिहरा थाना देवगांव गोसाई की बाजार स्थित मां शारदा विद्यालय मे बीएससी तृतीय वर्ष की छात्रा थी। सोमवार की सुबह वह विद्यालय पर साइकिल से प्रैक्टिकल देने जा रहे थी सुबह 9:00 बजे के करीब वह दोनों छात्राएं जैसे ही गोसाईक बाजार नंदी भौजी पहलवान ढाबा के सामने पहुंची थी सामने से आ रही तेज रफ्तार और नियंत्रित हुंडई कार की चपेट में आ गई और रोड पर गिरकर गंभीर रूप से घायल हो गए।सूचना पर पहुंची गंभीरपुर पुलिस व स्थानिक ग्रामीणों की मदद से दोनों छात्राओं को प्राथमिक उपचार के लिए लालगंज ले जाया गया जहां पर डॉक्टरों ने दोनों छात्रा ओं को मृत घोषित कर दिया। मृत्यु की खबर मिलते ही पूरे परिवार में कोहराम मच गया। सूचना पर पहुंची गंभीरपुर पुलिस ने दोनों शवों को कब्जे मे लेकर पंचनामा बनवाकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। पुलिस छात्राओं को टक्कर मारने वाली गाड़ी को अपने कब्जे में ले ली है।

टप्पेबाज गैंग के तीन महिला और दो पुरुष हिरासत में

कन्नौज । जिले की अलग-अलग जगहों पर ऑटो और ई-रिक्शा में बैठी सवारियों से टप्पेबाजी करने वाले गिरोह की तीन महिलाओं को पुलिस ने पकड़ लिया। उनके कब्जे से सोने-चांदी के जेवर भी बरामद किए हैं। इस गिरोह में 5 महिलाएं और 2 पुरुष शामिल हैं। जिनमें से 4 बदमाशों की पुलिस को अभी भी तलाश है।गुरसहायगंज कोतवाली प्रभारी आलोक दुबे, सर्विलांस प्रभारी त्रदीप सिंह और एसओजी प्रभारी कमल भाटी की टीम ने टप्पेबाजी करने वाली तीन महिलाओं को पकड़ लिया। जिनमें हरियाणा के बल्लभगढ़ जिले के मीरावली गांव निवासी खुशबू, फर्रुखाबाद जिले के बनपोई गांव निवासी मीना और उसकी बेटी मुस्कान शामिल है।--राह चलते लोगों को बेंच कर पैसे कमाते हैंपुलिस ने तीनों महिला बदमाशों के कब्जे से सोने की 5 अंगूठियां, 2 जोड़ी चांदी की पायल, 2 जोड़ी बिछिया, 5 हजार कैश, एक सोने की झुमकी, 3 मोबाइल और 1 कार बरामद की है। महिला बदमाशों ने बताया कि उन्होंने 21 अप्रैल को तिर्वा में गांधी चौराहे के पास से ई-रिक्शा से जा रही महिला के बैग से जेवर पार कर दिए थे।

अहिल्याबाई का आदर्श चरित्र अनुकरणीय है : महापौर

कैनविज टाइम्स संवाददाता

अयोध्या । सर्किट हाउस में महावीरागंना अहिल्याबाई होल्कर की त्रिशताब्दी जन्मोत्सव वर्ष के दो दिवसीय निबंध प्रतियोगिता एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। आयोजन अवध ग्रामोद्योग समिति सुल्तानपुर द्वारा किया गया। प्रस्तुति अवधी लोक समूह समिति अयोध्या के कलाकारों द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रम के समापन अवसर पर त्रिशताव्दी दो दिवसीय समारोह कार्यक्रम का समापन मुख्य अतिथि नगर निगम महापौर गिरीश पति त्रिपाठी ने उनके चित्र पर माल्यार्पण कर राजमाता महावीरांगना अहिल्याबाई होल्कर के जीवन परिचय पर विस्तार से प्रकाश डालते हुए संबोधित करते हुए बताया कि वीरांगना और देश के इतिहास में अपने किए गए कार्यो से राजमाता अमर हो गई। उन्होंने महिला समाज को वीरता का पाठ पढ़ाया जिसके लिए उन्हें हम आज भी याद करते हैं।कार्यक्रम की अध्यक्षता जिला अध्यक्ष भारतीय जनता पार्टी संजीव सिंह ने किया। कार्यक्रम के संयोजक पूर्व जिला अध्यक्ष कमला शंकर पांडे रहे कार्यक्रम अवध ग्राम उद्योग समिति अध्यक्ष ओमप्रकाश तिवारी कार्यक्रम के प्रायोजक संस्कृत मंत्रालय भारत सरकार रही कार्यक्रम में वरिष्ठ भाजपा नेता करुणाकर पांडे कृष्ण कुमार पांडे खुन्नू सुनील तिवारी शास्त्री बबलू मिश्रा उपस्थित रहे ।इस अवसर पर समिति द्वारा अहिल्याबाई होल्कर के जीवन पर आधारित रंगारंग कार्यक्रम लोक नृत्य समिति के कलाकारों द्वारा प्रस्तुत किया गया इस अवसर पर समिति के कलाकारों को साल और स्मृति चिन्ह प्रदान कर प्रोत्साहित किया।

मुख्य विकास अधिकारी की अध्यक्षता में सम्पन्न हुआ संपूर्ण समाधान दिवस

समाधान दिवस के दौरान कुल 42 शिकायतें दर्ज की गई जिसमें पांच शिकायतों का मौके पर किया गया निपटारा

कैनविज टाइम्स संवाददाता

महराजगंज, रायबरेली। तहसील महराजगंज में सोमवार को संपूर्ण समाधान दिवस का आयोजन हुआ। कार्यक्रम की अध्यक्षता मुख्य विकास अधिकारी अर्पित उपाध्याय ने करी। समाधान दिवस के दौरान कुल 42 शिकायतें दर्ज की गई। जिसमें पांच शिकायतों का गुण-दोष के आधार पर मौके पर ही निपटारा किया गया। आपको बता दें कि, मुख्य विकास अधिकारी अर्पित उपाध्याय ने कहा कि, जन सामान्य की शिकायतों का स्थानीय स्तर पर समाधान किया जाना सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है। जिसके क्रम में तहसीलों व थानों में संपूर्ण समाधान दिवस का आयोजन किया जाता है। इसमें स्थानीय नागरिक उपस्थित होकर अपनी समस्याओं का समाधान कर सकते हैं। मुख्य विकास अधिकारी ने कहा कि, सभी अधिकारी जनता की इन शिकायतों का निस्तारण त्वरित एवं समय बद्ध तरीके से एक सप्ताह में सुनिश्चित करें। उन्होंने कहा कि, शिकायतों के निस्तारण में यदि कोई समस्या है तो उसका कारण स्पष्ट करते हुए अवगत कराना भी सुनिश्चित किया जाए। मुख्य विकास अधिकारी अर्पित उपाध्याय ने बताया कि, तहसील महराजगंज में आयोजित संपूर्ण समाधान दिवस में कुल 42 प्रकरण प्राप्त हुए हैं, जिसमें राजस्व विभाग से संबंधित मामले 20, पुलिस के 10, विकास विभाग से संबंधित 03 और अन्य 09 मामले दर्ज किए गए हैं, जिसमें पांच मामलों का गुण-दोष के आधार पर मौके पर ही निस्तारण कर दिया गया। शेष प्रकरणों के निस्तारण हेतु संबंधित विभाग को इस निर्देश के साथ उपलब्ध करा दिए गए हैं कि, उनका निस्तारण एक सप्ताह में करना सुनिश्चित कराएं। इस मौके पर एसडीएम महाराजगंज सचिन यादव, तहसीलदार मंजुला मिश्रा, क्षेत्राधिकार महराजगंज, बीडीओ महराजगंज वर्षा सिंह, बीडीओ शिवगढ़, बीडीओ बछरावां, विद्युत विभाग से एसडीओ रमेश सोनी, स्वास्थ्य विभाग से अधीक्षक डॉ पीके श्रीवास्तव, अधिशासी अधिकारी नगर पंचायत महराजगंज रामाशीष वर्मा, अंजनी कुमार बाजपेई (लिपिक तहसीलदार) समेत जिला एवं तहसील स्तरीय अधिकारी/कर्मचारीगण मौजूद रहे।

फरह में 12 जून को सामान्य वर्ग प्रथम प्रशिक्षण कार्यक्रम में शामिल होंगे सरसंघचालक

शिविर में 13 जून को स्वयंसेवकों को संबोधित करेंगे डॉ भागवत

कैनविज टाइम्स संवाददाता

मथुरा । दीनदयाल गो विज्ञान अनुसंधान एवं प्रशिक्षण केन्द्र के मंत्री हरिशंकर ने बताया कि राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सरसंघचालक डॉ. मोहन भागवत 12 जून को फरह के परखम में आयोजित संघ के सामान्य वर्ग प्रथम प्रशिक्षण कार्यक्रम में शामिल होंगे। इसके बाद 13 जून को संघ प्रमुख डॉ भागवत स्वयंसेवकों को संबोधित करेंगे। डॉ भागवत के प्रवास को लेकर जिला प्रशासन सतर्क हो गया है। साथ ही संघ के पदाधिकारी भी उनके आगमन की तैयारियों में जुट गए हैं।फरह के गऊ ग्राम परखम स्थित दीनदयाल गो विज्ञान अनुसंधान एवं प्रशिक्षण केन्द्र के मंत्री हरिशंकर ने बताया कि संघ का सामान्य वर्ग प्रथम का प्रशिक्षण चल रहा है। यह प्रशिक्षण 28 मई से शुरू हुआ है। इसमें तीन प्रांतों के पदाधिकारी प्रशिक्षण ले रहे हैं। यह प्रशिक्षण 18 जून तक चलेगा। इसमें मेरठ, उत्तराखंड और ब्रज प्रांत के पदाधिकारी शामिल हुए हैं। इनको 28 मई से प्रतिदिन पूर्ण गणवेश में योगाभ्यास समेत संघ की अन्य पद्धति का प्रशिक्षण दिया जा रहा है। संघ के नियमानुसार प्रथम वर्ग प्रशिक्षण में 45 साल से कम आयु के प्रशिक्षु शामिल होते हैं।हरिशंकर ने बताया है कि संघ प्रमुख 12 जून को यहां पहुंचेंगे। इसके बाद 13 जून को यहां संघ की शाखा टोली एकत्रीकरण होगा। जिसमें पूर्ण गणवेश स्वयंसेवकों को संघ प्रमुख संबोधित भी करेंगे। यहां संघ की कार्ययोजना के साथ-साथ विभिन्न महत्वपूर्ण मुद्दों पर मंथन होगा। साथ ही प्रशिक्षुओं को संघ की पद्धति के बारे भी बताया जाएगा। इधर, सरसंघचालक के आने को लेकर जिला प्रशासन तैयारियों में जुट गया है।

घर में लगी आग से गृहस्थी हुई खाक

हमीरपुर । मुस्करा विकास खण्ड के ग्राम पहाडी भिटारी में सोमवार को अचानक एक मकान में आग लग गयी। सूचना पर पहुँची कोतवाली मुस्करा पुलिस, फायर ब्रिगेड व ग्रामीणों की कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया जा सका।जानकारी के अनुसार जनपद के विकासखंड व कोतवाली मुस्करा के ग्राम पहाडी भिटारी निवासी हलकाई पुत्र श्रीचंद्र कुशवाहा के मकान में अचानक आग लग गयी। आग लगने से उठ रहे धुंआ के धुंध को देख ग्रामीण एकत्रित हो आग पर काबू पाने की कोशिश में लग गए, पर आग ने धीरे-धीरे विकराल रूप धारण कर लिया। आग बुझाने की लोगों की कोशिश नाकाम हो रही थी। सूचना पर पहुँची मुस्करा कोतवाली पुलिस फायर ब्रिगेड की टीम व ग्रामीणों के सहयोग से कड़ी मेहनत के बाद आग पर काबू पाया जा सका।

राष्ट्रीय छात्र पंचायत की चौपाल में फीस रेगुलेशन बिल के समर्थन में जुटाए हस्ताक्षर

राष्ट्रीय अध्यक्ष शिवम पांडेय ने कहा कि ''सस्ती और समान शिक्षा हर विद्यार्थी का अधिकार है , देश में शिक्षा को व्यापार न बनाकर एक मिशन के रूप में देखा जाना चाहिए

कैनविज टाइम्स संवाददाता

गोंडा। जिले के मुजेहना विकासखंड अंतर्गत ग्राम राजापुरवा में राष्ट्रीय छात्र पंचायत के कार्यकर्ताओं द्वारा फीस रेगुलेशन बिल और प्राइवेट स्कूल संचालकों की बढ़ती मनमानी को लेकर देर रात रात्रि चौपाल का आयोजन किया गया।इस चौपाल का उद्देश्य प्रदेश में निजी स्कूलों की बेलगाम फीस वृद्धि के खिलाफ जनजागरण कर फीस रेगुलेशन बिल के समर्थन में आम जनता से समर्थन जुटाना था।रात्रि चौपाल में पहुंचे राष्ट्रीय छात्र पंचायत के राष्ट्रीय अध्यक्ष शिवम पांडेय ने कहा कि ''सस्ती औ र समान शिक्षा हर विद्यार्थी का अधिकार है। देश में शिक्षा को व्यापार न बनाकर एक मिशन के रूप में देखा जाना चाहिए।उन्होंने कहा कि फीस रेगुलेशन बिल को उत्तर प्रदेश सरकार को जल्द लागू करना चाहिए,ताकि प्राइवेट स्कूलों की मनमानी पर रोक लगाई जा सके और गरीब व मध्यमवर्गीय परिवारों के बच्चों को भी बेहतर शिक्षा सुलभ हो सके। का र्य क्रम के संयोजक रंजीत पांडेय ने बताया कि यह रात्रि चौपाल विशेष रूप से ग्रामीण क्षेत्र के किसा नों और आम नागरिकों के बीच लगाया गया है ता कि वे भी इस मुहिम से जुड़ सकें।चौपाल में उप स्थित लोगों से हस्ताक्षर अभियान के माध्यम से फीस रेगुलेशन बिल के समर्थन में सहमति पत्र भरवाए गए।ग्रामीणों ने भी एक स्वर में शिक्षा के व्यवसायीकरण का विरोध करते हुए सरकार से इस बिल को जल्द पारित करने की मांग की। इस मौके पर शुभम तिवारी, नईम खान, फिरोज, गोलू, सतीश,सूरज शुक्ला समेत कई छात्र नेता और स्थानीय ग्रामीण उपस्थित रहे।कार्यक्रम में मौजूद सभी लोगों ने शिक्षा को जनसामान्य की पहुंच में लाने के उद्देश्य से शुरू की गई इस मुहिम का समर्थन करते हुए इसे जनांदोलन का रूप देने का संकल्प लिया।राष्ट्रीय अध्यक्ष शिवम पांडे ने यह भी बताया कि बड़े-बड़े राजनेता अपने बच्चों को महंगे स्कूलों में पढ़ा रहे हैं तो वह गरीब बच्चों की आवा ज क्यों उठाने जाएंगे।गरीब बच्चों की आवाज उठा ने के लिए किसी गरीब को ही समाज से निकलकर आगे आना पड़ेगा।अगर सरकार फीस रेगुलेशन बिल लेकर के नहीं आती है तो हम लोग लाखों लोगों का समर्थन जुटा करके एक बड़ा आंदोलन करेंगे।

राज्य कर्मचारी व रेलवे कर्मचारी संघ ने किया बैठक

कैनविज टाइम्स संवाददाता

गोरखपुर । पूर्वोत्तर रेलवे कर्मचारी के महामंत्री / सहायक महामंत्री एन एफ आई आर नई दिल्ली श्री विनोद राय जी रूपेश श्रीवास्तव राज्य कर्मचारीपरिषद अध्यक्ष ने अपने वरिष्ठ पदाधिकारीयो के साथ केंद्रीय कार्यालय पर मीटिंग किया जिसमें यह पाया गया कि यूपीएस और एनपीएस के ऑप्शन को लेकर के सभी कर्मचारियों में दुविधा की स्थिति है कि कौन सा आप्शन भारा जाए और यह भी है कि प्रशासन द्वारा तारीख निर्धारित किया गया है जो कि नजदीक हो गई है संगठन रेल प्रशासन से मांग करता है कि उपरोक्त ऑप्शन की तिथि को बढ़ाया जाना चाहिए, जिससे सभी रेल कर्मचारी समझ कर ऑप्शन को भर सके दोनों नेताओं ने स्पष्ट रूप से बोला है की पुरानी पेंशन ही कर्मचारियों को दिया जाए क्योंकि जब सरकार में लोग पुरानी पेंशन ले रहे हैं तो कर्मचारियों को भी पुरानी पेंशन दिया जाए और इस पर फ़ेडरेशन भी यही चाहता है और फ़ेडरेशन इस पर लड़ रहा है की पुरानी पेंशन बहाल किया जाए और यह पुरानी पेंशन बहाली का लड़ाई जारी रहेगा। इस अवसर पर वरिष्ठ पदाधिकारी ओ पी सिंह दीपक चौधरी, मुख्यालय मंडल मंत्री फिरोज़ उल, यांत्रिक कारखाना मंडल अध्यक्ष ईश्वर चंद्र विद्यासागर, मुख्यालय मंडल अध्यक्ष संजीवधर यांत्रिक कारखाना मंडल मंत्री कुलदीप मणि त्रिपाठी समेत अन्य लोग मौजूद रहे।

विधायक ने किसानों से किया संवाद

किसानों को मिल रही है सरकार की सभी योजनाओं का लाभः महेन्द्र पाल सिंह

कैनविज टाइम्स संवाददाता

गोरखपुर। पिपराइच विधानसभा क्षेत्र अंतर्गत विकास खण्ड चरगावां के ग्रामसभा खुटहन खास में किसान संवाद कार्यक्रम आयोजित किया गया। इसमें बड़ी संख्या में किसानों, युवाओं और महिलाओं ने भाग लिया।कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में स्थानीय विधायक महेन्द्र पाल सिंह और उप कृषि निदेशक धनंजय सिंह उपस्थित थे।कार्यक्रम में कृषि विभाग के अधिकारियों ने सरकारी योजनाओं के साथ ही कृषि में नवीनतम तकनीकि के बारे में बताया। कृषि विभाग की उप निदेशक धनंजय सिंह ने कृषक समुदाय से फूलों की खेती, रेशम उत्पादन, मुर्गी पालन, भेड़, बकरी पालन, डेयरी पशु पालन, मधुमक्खी पालन, मशरूम की खेती, औषधीय, सुगंधित पौधों की खेती के साथ-साथ विभिन्न कृषि वानिकी पद्धतियों को अपनाने का आग्रह किया। विधायक महेन्द्र पाल सिंह ने किसानों से संवाद करते हुए कहा कि आज सरकार किसानों के हित में अनेकों कल्याणकारी योजनाएं चलाई है जिसमें किसान सम्मान निधि, प्रधानमंत्री फसल योजना, जनधन योजना, कृषि यंत्र सब्सिडी योजना, प्रधानमंत्री कृषि सिंचाई योजना, मृदा स्वास्थ्य कार्ड योजना मुख्य हैं।विधायक ने कहा कि आज प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में हम नवाचार, तकनीक तथा परिश्रम के साथ भारतीय कृषि को और अधिक समृद्ध बनाएंगे, क्योंकि विकसित खेती से ही विकसित भारत का संकल्प साकार होगा।कार्यक्रम में खण्ड विकास अधिकारी सत्य प्रकाश सिंह, एस0डी0ओ0 शत्रुधन सिंह, ग्राम प्रधान इंद्रमणि यादव, भाजपा जिला मंत्री नरेन्द्र सिंह, रामानन्द यादव, दयाशंकर मिश्रा, प्रमोद यादव, रामप्रताप निषाद, सुभाष चंद गुप्ता, भगवान दास यादव, रामसेवक गुप्ता, शनि कुमार, कोमल चौहान, सिब्बन लाल गुप्ता, रामसिंह यादव, संदीप उपाध्याय, विवेक प्रताप सिंह समेत ग्रामसभा के कई किसान उपस्थित थे।

गोण्डा मेडिकल कॉलेज में जीएनएम त्रिवर्षीय प्रवेश परीक्षा 11 जून को

कैनविज टाइम्स संवाददाता

गोंडा। जिले अटल बिहारी बाजपेयी मेडिकल यूनिव र्सिटी द्वारा शैक्षणिक सत्र २०२५-२६ में जीएनएम त्रिवर्षीय पाठ्यक्रम में प्रवेश हेतु प्रवेश परीक्षा 11 जून 2025 को जनपद मुख्यालय पर प्रथम बार आयोजित की जाएगी।

इस परीक्षा के सफल संचा लन के लिए श्री लाल बहादुर शास्त्री डिग्री कालेज गोंडा के प्रो.जितेन्द्र सिंह,विभागाध्यक्ष भौतिकी , असिस्टेंट प्रोफ़ेसर अंग्रेजी डॉ.वंदना भारतीय ,अ सिस्टेंट प्रोफ़ेसर भौतिकी डॉ.संतोष श्रीवास्तव, पं डित दीन दयाल उपाध्याय राजकीय महाविद्यालय लखनऊ के डॉ.अमितेंद्र सिंह को गोण्डा का सिटी कोऑर्डिनेटर नियुक्त किया गया है।प्रो.सिंह ने बता या कि उत्तर प्रदेश चिकित्सा स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग द्वारा संचालित सभी राजकीय जी एनएम नर्सिंग विद्यालयों में प्रवेश हेतु गोंडा में श्री गांधी विद्यालय इंटर कालेज रेलवे हॉस्पिटल बलरा मपुर रोड व स्वामी विवेकानंद इंटर कालेज उतरौ ला रोड गोंडा को परीक्षा केंद्र बनाया गया है प्रत्येक परीक्षा केंद्र पर अटल बिहारी बाजपेयी मेडिकल यू निवर्सिटी द्वारा दो - दो विश्वविद्यालय प्रतिनिधि नियु क्त किए गए है।सिटी कोऑर्डिनेटर प्रो जितेंद्र सिंह ने बताया कि केंद्र व्यवस्थापकों द्वारा सारी तैयारि याँ पूर्ण कर ली गई है,परीक्षार्थियों की बायोमेट्रिक उपस्थिति के पश्चात सी सी टी वी निगरानी में सिटी समन्वयकों,विश्वविद्यालय प्रतिनिधियों,केंद्र व्यव स्था पकों आदि के सहयोग से परीक्षा संपन्न कराई जाएगी।अटल बिहारी बाजपेयी मेडिकल विश्व वि द्यालय द्वारा गांधी विद्यालय रेलवे हॉस्पिटल में 460 व विवेकानंद विद्यालय में 469 परीक्षार्थी प्रवेश परीक्षा हेतु आवंटित किए गए है ।

जनपद में धारा 163 के अन्तर्गत निषेधाज्ञा लागू

बहराइच । वर्तमान समय में राज्य सरकार द्वारा जारी गाइड लाइन्स का अनुपालन कराते हुए बड़ा मंगल, मोहर्रम, नागपंचमी आदि आगामी त्योहारों/कार्यक्रमों को व उ.प्र. लोक सेवा आयोग द्वारा आयोजित समीक्षा अधिकारी/सहायक समीक्षा अधिकारी (प्रा0) परीक्षा-2025 व अन्य आयोजित परीक्षाओं को सकुशल सम्पन्न कराये जाने के मद्देनज़र जनपद बहराइच के समस्त सीमा क्षेत्र में विधि व्यवस्था एवं लोक परिशान्ति सहित लोक व्यवस्था व जनसुरक्षा कायम रखने के उद्देश्य से अपर जिला मजिस्टेझ्रट गौरव रंजन श्रीवास्तव द्वारा भा.ना.सु.संहिता 2023 की धारा-163 के अन्तर्गत निषेधाज्ञा लागू कर दी गयी है।अपर जिला मजिस्ट्रेट रंजन द्वारा जारी आदेश के समस्त 28 प्रस्तर 08 जून 2025 से 04 अगस्त 2025 तक जनपद बहराइच के सम्पूर्ण सीमा क्षेत्र में निवास करने वाले तथा जनपद की सीमा में प्रवेश करने वाले समस्त व्यक्तियों पर प्रभावी रहेगा। इन आदेशों का अथवा इनके किसी भी अंश का उल्लंघन भारतीय न्याय संहिता की धारा 223 के अन्तर्गत दण्डनीय होगा।

प्रभारी मंत्री का जनपद आगमन

बहराइच । प्रदेश के मंत्री कृषि, कृषि शिक्षा एवं कृषि अनुसंधान विभाग/प्रभारी मंत्री जनपद बहराइच सूर्य प्रताप शाही का 09 जून 2025 को जनपद आगमन का कार्यक्रम प्रस्तावित है। प्रभारी मंत्री श्री शाही 09 जून 2025 को अपरान्ह 03:30 बजे सांवरिया रिसार्ट बहराइच पहुंचेंगे। मंत्री अपनी सुविधानुसार स्थानीय कार्यक्रमों में सम्मिलित होंगे तथा रात्रि विश्राम सांवरिया रिसार्ट में करेंगे। मंत्री श्री शाही 10 जून 2025 को मा. मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी के सुहेलदेव भारतीय समाज पार्टी द्वारा आयोजित चक्रवर्ती सम्राट राष्ट्रवीर महाराजा सुहेलदेव जी के विजय दिवस एवं भव्य मेले के कार्यक्रम में सम्मिलित होंगे। मा. प्रभारी मंत्री अपरान्ह 03:00 बजे लखनऊ के लिए प्रस्थान कर जायेंगे। यह जानकारी प्रभारी अधिकारी वीआईपी/नगर मजिस्ट्रेट ने दी है।

पर्यटन मंत्री का जनपद आगमन

बहराइच । प्रदेश के मंत्री, पर्यटन एवं संस्कृति विभाग श्री जयवीर सिंह का 09 जून 2025 को जनपद आगमन का कार्यक्रम प्रस्तावित है। श्री सिंह 09 जून 2025 को अपरान्ह 05:00 बजे निरीक्षण भवन बहराइच पहुंचकर अपरान्ह 05:30 बजे ब्लाक चित्तौरा सभागार में महाराजा सुहेल देव जी के विजय दिवस एवं जन मेला कार्यक्रम की तैयारियों की समीक्षा एवं स्थलीय निरीक्षण करेंगे तथा सांय 07:30 बजे निरीक्षण भवन बहराइच आकर रात्रि विश्राम करेंगे। मा. मंत्री श्री सिंह 10 जून 2025 को पूर्वान्ह 11:00 बजे महाराजा सुहेलदेव स्मारक स्थल पहुंचकर महाराजा सुहेल देव जी के विजय दिवस एवं जन मेला कार्यक्रम में सम्मिलित होंगे। मा. मंत्री अपरान्ह 03:00 बजे लखनऊ के लिए प्रस्थान कर जायेंगे। यह जानकारी प्रभारी अधिकारी वीआईपी/नगर मजिस्ट्रेट ने दी है।

सरहरी चौकी क्षेत्र में एक बार फिर चोरों ने मचाया तांडव

गोरखपुर। शहर के महारारजगंज के पास सरहरी चौकी के पास चारों ने एक घर पर धावा बोल हजारों का सामान पार कर दिया। वही पुलिस के गस्त पर सवाल उठने लगे है। सरहरी चौकी क्षेत्र के महराजगंज चौराहे के बी एन बी पी स्कूल के सामने कमलदेव सिंह के घर में चोरों ने बड़ी चोरी की घटना को अंजाम दिया है। चोरों ने घर में रखे बक्से को तोड़कर 80 हजार और जेवरात चुरा कर फरार हो गये। सरहरी पुलिस और फॉरेंसिक टीम मौके पर पहुंचकर जांच पड़ताल की। कमलदेव सिंह रात में खाना खाकर सो गए सुबह उनकी पत्नी जब उठी तो समान बिखरा देखकर हो गई बदहवास। कमलदेव सिंह ने सुबह 112नंबर पर चोरी की दी सूचना।

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ, बहराइच नगर ने मनाया हिन्दू साम्राज्य

हिंदू समाज की चेतना के जागृत स्वरूप है छत्रपति शिवाजीः कृष्णानंद

कैनविज टाइम्स संवाददाता

बहराइच । राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ, बहराइच नगर द्वारा हिंदवी साम्राज्य के संस्थापक छत्रपति शिवाजी महाराज के राज्याभिषेक पर हिन्दू साम्राज्य दिनोत्सव का आयोजन सरस्वती विद्या मंदिर सभागार में किया गया। यह आयोजन हिन्दू सामर्थ्य, संगठन एवं राष्ट्रचेतना के पुनर्जागरण का प्रतीक बना।कार्यक्रम में मुख्य वक्ता सह विभाग संघचालक कृष्णानन्द जी ने शिवाजी महाराज के आदर्शों को वर्तमान समय के लिए अत्यंत प्रासंगिक बताते हुए कहा छत्रपति शिवाजी महाराज केवल एक योद्धा नहीं थे, अपितु वे हिन्दू समाज की चेतना के जागृत स्वरूप थे। उन्होंने दिखाया कि स्वधर्म पर आधारित शासन, संस्कृति की रक्षा और जनकल्याण को एक सूत्र में बाँधते हुए भी वीरता और नीति की ऊँचाइयों को छुआ जा सकता है। उनका राज्याभिषेक मात्र राजनैतिक नहीं, बल्कि सांस्कृतिक, धार्मिक और राष्ट्रीय पुनर्जागरण का प्रतीक है। आज आवश्यकता है कि समाज शिवाजी की आदर्शों को आत्मसात करे, संगठित होकर राष्ट्र को परम वैभव की दिशा में ले जाए।।कार्यक्रम का उद्देश्य इतिहास स्मरण के साथ-साथ वर्तमान में राष्ट्र के प्रति कर्तव्यों की पुनर्स्थापना है। यह आयोजन न केवल भूतकाल की स्मृति है, बल्कि भविष्य के लिए संकल्पबद्ध होने की प्रेरणा भी प्रदान करता है।कार्यक्रम की अध्यक्षता सियाराम वर्मा जी ने की। संचालन नगर कार्यवाह शिवम ने किया ।इस अवसर पर जिला कार्यवाह भूपेंद्र सिंह, विभाग प्रचार प्रमुख अतुल गौड़, सह नगर संघचालक कमल शेखर जी विभाग संपर्क प्रमुख धर्मेंद्र सिंह,अमर सिंह, अर्जुन गुप्ता दिलीप , मस्तराम, हरिबहादुर ,ऋषभ, मुख्य शिक्षक पुनीत , मृत्युंजय , उत्तम, समेत नगर क्षेत्र से सैकड़ों स्वयंसेवकों की उपस्थिति रही।

एसपी साहब को देवीपाटन रेंज के आईजी की दरियादिली रास नहीं आ रही

कैनविज टाइम्स संवाददाता

गोण्डा। जिले के दरोगाओं को देवीपाटन रेंज के आईजी अमित पाठक की दरियादिली रास नहीं आ रही है।जिस सब इंस्पेक्टर को उत्कृष्ट कार्यों के लिए आईजी प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित करते हैं, उसे एक सप्ताह के भीतर ही अपनी कुर्सी से हाथ धोना पड़ता है,बताते चलें कि मोतीगंज थाना की कहोबा चौकी के प्रभारी रहे वीरेंद्र शुक्ल को उनके द्वारा किए गए उत्कृष्ट कार्य के लिए देवीपाटन रेंज के आईजी अमित पाठक ने न सिर्फ शाबाशी दी थी, बल्कि प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित भी किया था।25 अप्रैल को आईजी के हाथों सम्मान पाने के एक सप्ताह बाद ही वीरेंद्र शुक्ल को अपनी कुर्सी गंवानी पड़ी थी।पुलिस अधीक्षक विनीत जायसवा ल ने उन्हें हटाकर परसपुर थाने पर तैनात कर दिया था।दरअसल, वीरेंद्र शुक्ल ने जो काम किया था, वह निश्चित रूप से उत्कृष्ट था और उसके लिए उनकी क्षेत्र में भी खूब सराहना हो रही थी।आईजी द्वारा सम्मानित किए जाने के बाद माना जा रहा था कि वीरेंद्र शुक्ल को किसी महत्वपूर्ण चौकी की कमान सौंपी जाएगी, लेकिन उन्हें चौकी प्रभारी पद से हटाकर थाने पर भेज दिया गया था। एसपी द्वारा उठाए गए इस कदम की भी क्षेत्र में खूब चर्चा हुई थी। अब ताज़ा मामला महिला थाने का है। आईजी अमित पाठक ने 03 जून को महिला थाने की थानाध्यक्ष सब इंस्पेक्टर प्रतिभा सिंह को उनके द्वारा किए गए उत्कृष्ट कार्यों के लिए प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया और 08 जून को उन्हें कुर्सी गंवानी पड़ गयी। एसपी विनीत जायसवाल ने प्रतिभा सिंह को थानाध्यक्ष पद से हटाते हुए उन्हें महिला एवं बाल सुरक्षा संगठन का प्रभारी बना दिया है, जबकि मोतीगंज की प्रभारी निरीक्षक रहीं अनीता यादव को दोबारा महिला थाने की कमान सौंप दी गई है। अगस्त 2024 में प्रतिभा सिंह को महिला थानाध्यक्ष, जबकि अनीता यादव को मोतीगंज थाने का प्रभारी निरीक्षक बनाया गया था।आईजी अमित पाठक के हाथों सम्मानित होने के बाद दो दरोगाओं द्वारा कुर्सी गंवाने से अब पुलिस महकमे में भी तरह-तरह की चर्चाएं की जा रही हैं।जिले में तैनात इंस्पेक्टर व सब इंस्पेक्टर आईजी के हाथों अब सम्मानित होने से स्वयं को असुरक्षित महसूस करने लगे हैं। उनका मानना है कि यदि वे थाने या चौकी की बागडोर संभाल रहे हैं तो निश्चित रूप से कुर्सी गंवानी पड़ सकती है। वहीं दूसरी तरफ सूत्रों का कहना है कि पुलिसकर्मियों को इसका डर सताने लगा है कि यदि किसी अच्छे काम के लिए उन्हें आईजी ने सम्मानित कर दिया तो वह एसपी की निगाह में आ जाएंगे, जिससे उनका नुकसान हो सकता है। ऐसे में वे फूंक-फूंक कर कदम रख रहे हैं।

दिये गये प्रशस्ति पत्र

प्रशस्ति पत्र में लिखा गया कि ''कई प्रकरणों की समीक्षा के दौरान यह पाया गया कि आपके द्वारा प्रकरणों के निस्तारण में रूचि ली गयी तथा सार्थक प्रयास किया गया है। इसके साथ ही आपको प्रकरणों के विषय में अच्छी जानकारी होना पाया गया है। आपके द्वारा पुलिस संबंधी कार्यों की बहुत अच्छी जानकारी का उदाहरण प्रस्तुत किया गया, जो कि सराहनीय है। आपके द्वारा प्रकरणों का समुचित निस्तारण कराए जाने की भूरि-भूरि प्रशंसा की जाती है। साथ ही आपसे अपेक्षा की जाती है कि भविष्य में भी आप इसी प्रकार निष्ठा और लगन के साथ अपने कर्तव्यों का निर्वहन करती रहेंगी। हम आपके उज्ज्वल भविष्य की कामना करते हैं।'

एसपी ने पांच इंस्पेक्टर एक सब इंस्पेक्टर के कार्यक्षेत्र किया फेरबदल

पुलिस अधीक्षक विनीत जायसवाल ने पांच इंस्पेक्टर तथा एक सब इंस्पेक्टर के कार्यक्षेत्र में फ़ेरबदल करते हुए मोतीगंज थाने की प्रभारी निरीक्षक अनीता यादव को दोबारा महिला थाने की कमान सौंप दी है, जो चर्चा का विषय बना हुआ है। विभागीय सूत्रों का कहना है कि रि-पोस्टिंग नहीं की जा सकती है। इसके बावजूद एसपी ने अनीता यादव को दूसरी बार महिला थाने का प्रभारी निरीक्षक बना दिया है। इसके साथ ही प्रभारी निरीक्षक परसपुर तेज प्रताप सिंह को प्रभारी निरीक्षक करनैलगंज बनाया गया है। इंस्पेक्टर हेमंत कुमार, प्रभारी महिला एवं बाल सुरक्षा संगठन को परसपुर थाने का प्रभारी निरीक्षक बनाया गया है। कर्नलगंज कोतवाल रहे श्रीधर पाठक का प्रभार छिन गया है।उन्हें अपराध शाखा में तैनात किया गया है। इंस्पेक्टर अरविंद यादव को अतिरिक्त प्रभारी निरीक्षक कोतवाली नगर से प्रभारी निरीक्षक मोतीगंज बनाया गया है। सब इंस्पेक्टर प्रतिभा सिंह को महिला थाने से हटाकर महिला एवं बाल सुरक्षा संगठन का प्रभारी बनाया गया है।

जिले में यह कैसी व्यवस्था,सालों से एक ही जगह तैनाती, चंद चेहरों के हवाले पुलिस का नेटवर्क

आखिर कैसे सुधरेगी शहर की कानून व्यवस्था, पोस्टिंग का खेल, पुलिस मुख्यालय का आदेश तो है लागू सिर्फ चंद पुलिसकर्मियों पर, थाने बदलने के बाद चले जाते हैं छुट्टी पर, लगाते हैं वापसी के लिए जोर

कैनविज टाइम्स संवाददाता

गोण्डा। जिले में पुलिस के थाने चंद चेहरे चला रहे हैं सुनने में थोड़ा अजीब लगेगा,लेकिन हकीकत तो य ही है।क्योंकि जिले के थानों में कई पुलिसकर्मी ऐ से हैं,जो सालों से एक ही जगह तैनात हैं।कभी कि सी शिकायत के बाद इनके थाने बदले या फिर इ न्हें लाइन भेजा गया,लेकिन लौटकर उन्हीं थानों में पहुंच गए,जहां पूरा सिस्टम इनके मन माफिक चल ता है।इनके थाने बदल दिए जाएं तो दूसरे थाने में नौकरी करने की बजाय या तो छुट्टी पर जाते हैं या फिर एढ़ी-चोटी का जोर अपनी वापसी में लगाते हैं।कमाल की बात है- कलम की सख्ती दिखाने वा ले अफसर भी दबे-छिपे इनकी वापसी वहीं कर दे ते हैं,जहां यह चाहते हैं।सालों तक एक ही थाने में तैनाती का यह सिस्टम पुलिसिंग पर भारी पड़ रहा है।सालों से जमे पुलिसकर्मी अपने हिसाब से नेट वर्क का उपयोग करते हैं और नए पुलिसकर्मियों को टिकने नहीं देते।नतीजतन- थाने के अंदर की आपसी खींचतान में अपराध,सट्टा,जुआ,अवैध शरा ब,अवैध हथियार,अवैध खनन,मादक पदार्थों का नेटवर्क फलता-फूलता है।कई पुलिसकर्मी तो ऐसे हैं,जहां सिपाही रहे वहीं बाद में प्रधान आरक्षक, एएसआइ तक बनकर पहुंच गए।कुछ पुलिसकर्मी चुनिंदा थानों में ही अदला-बदली करते रहते हैं।

पुलिस मुख्यालय का आदेश

किसी भी एक थाने में किसी कर्मचारी को एक पद पर पदस्थापना चार वर्ष से अधिक नहीं दी जाएगीकिसी भी अधिकारी, कर्मचारी को यह अवधि पूर्ण होने पर पुनः उसी थाने में पदस्थ नहीं किया जाए गा,वही कैनविज टाइम्स की पड़ताल ने जिले के कु छ थानों की पड़ताल की।जिसमें हकीकत सामने आई कि कुछ पुलिसकर्मियों को तो एक ही थाने और ऑफिस में पांच साल से भी अधिक समय हो चुका है।कुछ जगह हालात यह हैं- थाना प्रभारी से ज्यादा सालों से जमे सिपाही और हवलदारों ने अ पनी जड़ें जमा रखी हैं।सूत्र बताते हैं- थाना प्रभारी अगर इन्हें हटाने के लिए लिख भी दें तो यह दोबा रा उसी थाने के आदेश करा लाते हैं।कैनविज टाइ म्स ने पुलिस ऑफिस सहित जिले के दस थानों की पड़ताल की,जिसमें सामने आया कि यहां कुछ पुलिसकर्मियों की अधिकांश नौकरी एक या दो था नो में गुजरी है।

पत्रकार को मातृ शोक

गोरखपुर। राष्ट्रीय सहारा के वरिष्ठ पत्रकार ग्राम ढड़सी निवासी सुधाकर तिवारी के माता जी का सोमवार सुबह साढ़े छः बजे के करीब गोलोकवास हो गयी।ये काफी दिनों से अस्वस्थ चल रही थी।ये करीब 73 साल की थी इनके पति रेलवे के रिटायर्ड कर्मचारी है।ये अपने पीछे दो पुत्र और तीन पुत्रियां तीन पौत्रियां दो पौत्र हरा भरा परिवार छोड़ गई।इनको मुखाग्नि इनके पति घनश्याम तिवारी ने दिया।आज उनका दाह संस्कार मुक्तिपथ बड़हलगंज में संपन्न हुआ।इनकी मृत्यु का खबर सुनकर क्षेत्र के गणमान्य लोग और पत्रकार बंधु मुक्तिपथ पर पहुंचकर शोक संवेदना व्यक्त किए।इस अवसर पर डी पी राय,रमेश मणि त्रिपाठी,राधेश्याम तिवारी, सुधाकर तिवारी, रत्नाकर त्रिपाठी, योगेश तिवारी, वैभव तिवारी, कृष्ण कुमार तिवारी, रजनीकांत मिश्र,मनोज राय,सरितेश मिश्र,दीपक तिवारी, सन्त कुमार सिंह, राहुल हरेंद्र सिंह,शिव कुमार ओझा, रमेश तिवारी, अभिनन्दन शुक्ला, शिवकुमार ओझा, पिंटू शुक्ला, विपुल त्रिपाठी,सन्तोष दूबे, राधामोहन सिंह, संजय मिश्रा , ज्वाला तिवारी, मार्कण्डेय तिवारी कृपाशंकर सिंह, राकेंद्र द्विवेदी, अखिलेश गुप्ता, सुधीर पाण्डेय सहित अनेकों लोग मौजूद रहे।

जिलाधिकारी की अध्यक्षता में तहसील सदर का तहसील सम्पूर्ण समाधान दिवस हुआ सम्पन्न

सम्पूर्ण समाधान दिवस में 57 शिकायती प्रार्थना पत्र प्राप्त हुये, जिसमें अन्य तहसीलों के 22 शिकायती प्रार्थना पत्र तथा मौक पर 05 का हुआ निस्तारण

कार्यशैली बदल लें अधिकारी, फरियादी भटकते दिखाई न दें- जिलाधिकारी

कैनविज टाइम्स संवाददाता

पीलीभीत। जिलाधिकारी ज्ञानेन्द्र सिंह एवं पुलिस अधीक्षक अभिषेक यादव की अध्यक्षता में तहसील सदर का सम्पूर्ण समाधान दिवस सम्पन्न हुआ। सम्पूर्ण तहसील समाधान दिवस में कुल 57 शिकायती प्रार्थना-पत्र प्राप्त हुये, जिसमें अन्य तहसीलों के शिकायती प्रार्थना पत्र 22, जिसमें जिलाधिकारी ने मौके पर ही 05 शिकायतों का निस्तारण किया। अवशेष शिकायतों के सम्बन्ध में संज्ञान लेते हुए कहा कि अधिकारी अपनी-अपनी विभागीय शिकायतों का गुणवत्ता परक ढ़ंग से निस्तारण करें, अधिकारी स्वयं शिकायतकर्ता की शिकायतों के निस्तारण हेतु मौका मुआइना अवश्य करें और शिकायतकर्ता सहित दोनों पक्षों को बुलाकर शिकायतों का निस्तारण कराना सुनिश्चित करें। उन्होंने कहा कि मा0 मुख्यमंत्री कार्यालय से जन सुनवाई की शिकायतों की गुणवत्ता की जांच की जा रही है, सभी अधिकारी दोनों पक्षों को बुलाकर गुणवत्तापूर्ण शिकायतों का निस्तारण करायें तथा निस्तारण आख्या पोर्टल पर अपलोड करें, जिससे कि शिकायतकर्ता द्वारा दोबारा शिकायत न की जा सके। राजस्व सम्बन्धी मामलों में जहां पर पुलिस प्रशासन की आवश्यकता हो तो वहां पुलिस को साथ लेकर मौके पर निस्तारण कराया जाये। सम्पूर्ण समाधान दिवस के अवसर देर से आने वाले अधिकारियों पर जिलाधिकारी ने कडी नाराजगी व्यक्त की और हिदायत देते हुए कहा कि जन शिकायतों की सुनवाई में देरी बर्दाश्त नहीं की जाएगी। अधिकारी समय से अपने कार्यालयों व सम्पूर्ण समाधान दिवसों में पहुंचे। उन्होंने कहा कि अपनी कार्यशैली बदल लें। कामों को टालने की जगह उन्हें निपटाने पर ध्यान दें। आपसी समन्वय के साथ कार्य करे जिससे जन समस्याओं का त्वरित निस्तारण हो सके।इसके साथ ही उन्होनो कहा कि अगर किसी घर में कोई मृत्यु हो जा रही है तो उसकी विरासत दर्ज करने पर प्राथमिकता के साथ काम हो। अगर कोई विवाद नहीं है तो विरासत दर्ज कर उसके घर पर जाएं। तेरहवीं संस्कार पर अपने हाथों से परिजनों को खतौनी दें। इससे प्रशासन को लेकर जनमानस में एक अच्छा संदेश जाएगा। यह नई परम्परा आज से ही विकसित की जाए। बीते दिन उन्होंने ग्राम मथुडांडी में राहत चौपाल का आयोजन किया था, जहां कुछ लोगों ने विरासत दर्ज न होने की शिकायत की थी। उन्होंने सम्पूर्ण समाधान दिवस के दौरान ग्राम मथुडांडी निवासी मृतक मुंशी सिंह व कुंवर बहादुर के परिवारजनों को खतौनी वितरित जिलाधिकारी ने विभागों के बीच आपसी समन्वय न होने को लेकर अधिकारियों की पर नाराजगी व्यक्त की। उन्होंने जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी जनपद की साक्षरता दर की जानकारी ली। जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी ने अवगत कराया कि साक्षरता दर 63 प्रतिशत है। उन्होंने नाराजगी व्यक्त करते हुये साक्षरता के स्तर में सुधार लाने हेतु अधिकारियों को निर्देश दिये। उन्होंने कहा कि स्कूल चलों अभियान केवल जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी नहीं, बल्कि सभी विभागों की जिम्मेदारी है। जिलाधिकारी ने जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी और जिला विद्यालय निरीक्षक को साक्षरता दर बढ़ाने के सुझाव पूछे। इस दौरान उन्होंने साक्षरता को लेकर जिला पंचायतराज अधिकारी, डीसी मनरेगा, जिला कार्यक्रम अधिकारी सहित अन्य अधिकारियों से सवाल-जवाब किए। जिलाधिकारी ने स्पष्ट कहा कि सभी मिलकर 90 फीसद तक साक्षरता लेकर जानी है। तहसील सम्पूर्ण समाधान दिवस में प्रभागीय निदेशक वन्य एवं वन्यजीव प्रभाग भरत कुमार वीके, मुख्य चिकित्साधिकारी डॉ0 आलोक कुमार, उप जिलाधिकारी सदर आशुतोष गुप्ता, तहसीलदार सदर अर्चा गुप्ता सहित अन्य जिला स्तरीय अधिकारी उपस्थित रहे।

प्रगतिशील अधिवक्ता एसोसिएशन की नई कार्यकारिणी ने ली शपथ

कैनविज टाइम्स संवाददाता

पूरनपुर। प्रगतिशील अधिवक्ता एसोसिएशन की नई कार्यकारिणी के शपथ ग्रहण समारोह में जिला न्यायाधीश और विधायक की मौजूदगी में नए पदाधिकारियों ने नगर के एक बैंक्विट हॉल में दोपहर 3:00 बजे जिला एवं सत्र न्यायाधीश मुख्य अतिथि अब्दुल शाहिद की मौजूदगी मे शपथ ग्रहण की मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट, बार काउंसिल ऑफ इंडिया के सदस्य और उत्तर प्रदेश बार काउंसिल के पूर्व चेयरमैन विशेष रूप से मौजूद थे। जिला पंचायत अध्यक्ष डॉ दलजीत कौर, विधायक बाबूराम पासवान और नगर पालिका अध्यक्ष शैलेंद्र गुप्ता भी कार्यक्रम में शामिल हुए। इस अवसर पर नवनिर्वाचित अधिवक्ता अध्यक्ष सहित सभी पदाधिकारियों को उनके पद की शपथ दिलाई गई कार्यक्रम में नवनिर्वाचित अध्यक्ष एडवोकेट संजय सक्सेना अजीत ,मुख्य अतिथि जिला एवं सत्र न्यायधीश पीलीभीत अब्दुल शाहिद ,वरिष्ठ उपाध्यक्ष एडवोकेट संजय पाण्डेय,मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट मंगल देव,महामंत्री एडवोकेट सुशील सक्सेना ,बार काउसिल ऑफ इण्डिया पूर्व चेयरमैन,बार काउन्सिल उत्तर प्रदेश अजय शुक्ला,कोषाध्यक्ष प्रदीप सक्सेना,जिला पंचायत अध्यक्ष डॉ दलजीत कौर,नगर पालिका अध्यक्ष शैलेन्द्र गुप्ता ,एडवोकेट अमिताभ मिश्रा ,एडवोकेट शिवराम सनाढ्य,एडवोकेट सरोज वाजपेयी,एडवोकेट अशोक वाजपेयी ,डॉ तेज बहादुर सिंह ,सहित बार एसोसिएशन के सभी अधिवक्ता सहित कई लोग उपस्थित रहे

बकरी चराने गये नवयुवक की नदी में डूबने से हुई मौत

शुकुल बाजार,अमेठी कैनविज टाइम्स संवाददाता। थाना शुकुल बाजार क्षेत्र के गांव पूरे गोडियन मजरे संसारपुर गांव में बकरी चराने गये तेरह वर्षीय लोकेश की नदी में डूबने से मौत हो गई है। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिये भेज दिया है।थाना क्षेत्र के गांव पूरे गोड़ियन निवासी लोकेश पुत्र ननकू रोजाना की भांति रविवार को भी गांव के बाहर बकरियों को चराने गया था। इस दौरान वह नजदीकी नदी में नहाने लगा लेकिन गहराई का अंदाज़ा न होने के कारण वह पानी में डूब गया। काफी देर तक जब वह वापस नहीं लौटा तो परिजनों और ग्रामीणों ने उसकी तलाश शुरू की। बाद में ग्रामीणों एवं गोताखोरों के मदद से देर रात नौ बजे नदी में उसका शव बरामद किया गया।घटना की सूचना मिलते ही शुकुल बाजार पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिये भेज दिया।इस हृदयविदारक हादसे से गांव में शोक की लहर दौड़ गई है। परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। इस सम्बंध में उप जिलाधिकारी अभिनव कनौजिया ने बताया कि पीड़ित परिवार की हरसंभव मदद की जायेगी।

तिलोई में एक दिवसीय नि:शुल्क रोजगार मेला आज लगेगा

तिलोई अमेठी कैनविज टाइम्स संवाददाता। जिला सेवायोजन अधिकारी अनुपमा रानी बताया कि जनपद के जिला सेवायोजन कार्यालय एवं राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान गौरीगंज के संयुक्त तत्वाधान में दस जून को पूर्वान्ह साढ़े दस बजे डीबीएस कालेज नसरतपुर तिलोई में एक दिवसीय नि:शुल्क रोजगार मेले का आयोजन किया जायेगा। इस क्रम में उन्होंने बताया कि उक्त आयोजित रोजगार मेले में निजी क्षेत्र की कम्पनियों द्वारा प्रतिभाग करने के साथ ही बारहवीं, स्नातक तथा आईटीआई उत्तीर्ण एवं अन्य तकनीकी योग्यताधारक अभ्यर्थी रोजगार हेतु प्रतिभाग करेंगे। उन्होंने बताया कि इच्छुक अभ्यर्थीरोजगार संगम पोर्टल पर अपना पंजीकरण करते हुए योग्यता के अनुरूप इच्छुक कम्पनी में आवेदन कर सकते है तथा रोजगार मेले में भाग लेने हेतु इच्छुक अभ्यर्थी फोटो व बायोडाटा के साथ उपस्थित होकर प्रतिभाग कर सकते है इस हेतु कोई मार्ग व्यय देय नही होगा।

अधिवक्ता ने राहगीरों को पिलाया शरबत

पूरनपुर। भीषण गर्मी से निजात दिलाने के लिए शेरपुर रोड पर स्थित सच्चे भोलेनाथ मंदिर पर स्टाल लगाकर शरबत और ठंडे पानी का वितरण किया गया है। एकादशी के अवसर पर निर्जला को सर्वश्रेष्ठ माना जाता है।इस अवसर पर शेरपुर रोड पर प्रिंस पांडे ने अपनी पत्नी के सग राहगीरों को शरवत पिलाकर पुण्य का कार्य अर्जित किया है।

टाइगर के हमले से ग्रामीण की मौत तत्काल मौके पर पहुंचे जिलाधिकारी

पीलीभीत । तहसील सदर के ग्राम मेवातपुर उर्फ शेरगंज के निवासी मुकेश पुत्र मंगली प्रसाद की टाइगर के हमले से मृत्यु हो गई। घटना की सूचना प्राप्त होने पर जिलाधिकारी ज्ञानेंद्र सिंह तत्काल मौके पर पहुंचकर परिजनों से मिले और भरोसा दिलाते हुए हर संभव मदद करने का आश्वासन दिया। इसके साथ ही उन्होंने जंगल से सटे ग्रामों में तार फेंसिंग का कार्य कराने हेतु डीएफओ को निर्देश दिए। शासन द्वारा निर्धारित उचित मुआवजा राशि परिजनों को दिलाये जाने हेतु सम्बंधित को दिए निर्देश दिए हैं।

जिलाधिकारी की अध्यक्षता में अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के सफल आयोजन तैयारियों से सम्बन्धित बैठक हुई सम्पन्न

पीलीभीत कैनविज टाइम्स संवाददाता। जिलाधिकारी ज्ञानेन्द्र सिंह की अध्यक्षता में आगामी अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस (21 जून 2025 के सफल आयोजन हेतु जनपद के समस्त विभागाध्यक्षों के साथ आज एक महत्वपूर्ण बैठक गांधी सभागार में सम्पन्न हुई। बैठक में जिलाधिकारी ने अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस 21 जून 2025 को अधिक से अधिक लोगों की सहभागिता सुनिश्चित कराने के निर्देश दिए। अंतर्राष्ट्रीय योग दिन के सफल आयोजन हेतु नगर मजिस्टेझ्रट को नोडल अधिकारी नामित किया गया। बैठक में उन्होंने पुलिस विभाग को सुरक्षा व्यवस्था के लिए एवं शिक्षा विभाग को स्कूलों में एवं आयोजन स्थल पर छात्रों को अधिक से अधिक योग कार्यक्रम में प्रतिभा करने हेतु निर्देश दिए गए। बैठक में स्वयंसेवी संस्थाओं द्वारा कार्यक्रम को सफल बनाने हेतु सुझाव दिए। बैठक में अपर जिलाधिकारी (वि./रा.), नगर मजिस्टेझ्रट, क्षेत्रीय आयुर्वेदिक एवं यूनानी अधिकारी, जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी, जिला विद्यालय निरीक्षक, समाज कल्याण अधिकारी सहित अन्य अधिकारी एवं स्वयंसेवी संस्था उपस्थित रहे।

शन्नो गुप्ता बनीं मुरादाबाद महिला आर्य समाज की प्रधान, प्रभा नारंग मंत्री

मुरादाबाद,। महिला आर्य समाज स्टेशन रोड मुरादाबाद पर सोमवार को साप्ताहिक सत्संग उपरांत वार्षिक निर्वाचन वरिष्ठ पदाधिकारी आशा जैमिनी की देखरेख में सम्पन्न हुआ। निर्वाचन में जिन पदाधिकारियों का निर्वाचन हुआ उनमें प्रधान पद पर शन्नो आर्य, उपप्रधान मीरा सोती, मंत्री प्रभा नारंग उपमंत्री पूनम कत्याल कोषाध्यक्ष गायत्री आर्य, पुस्तकालय अध्यक्ष रक्षा गोयल प्रचार प्रमुख पल्लवी गोयल रही।

महिला आर्य समाज मुरादाबाद की कार्यकारिणी सदस्याओं में ऊषा गुप्ता, भावना रुहेला, नीरु अग्रवाल, सविता सिंहल, संतोष नारंग, सरोज रतवाल, सुदेश आर्य सुनीता गुप्ता चुनीं गईं। आशा जैमिनी ने सभी नवनिर्वाचित पदाधिकारियों को शुभकामनाएं अर्पित की और शांतिपाठ उपरांत सभा सम्पन्न हुई।

परिवहन विभाग ने रॉन्ग साइड और सीट बेल्ट उल्लंघन करने वाले 65 चालकों के कटे चालान

जालौन। सड़क सुरक्षा नियमों के उल्लंघन पर अंकुश लगाने के लिए प्रशासन ने सख्त रुख अपना लिया है। जिलाधिकारी राजेश कुमार पाण्डेय के निर्देश पर परिवहन विभाग ने सोमवार को जिले में विशेष चेकिंग अभियान चलाया। इस दौरान कुल 65 वाहन चालकों के खिलाफ चालान की कार्रवाई की गई।

सहायक संभागीय परिवहन अधिकारी (प्रवर्तन) राजेश कुमार ने बताया कि चेकिंग के दौरान 10 वाहन चालकों को रॉन्ग साइड में वाहन चलाते हुए पकड़ा गया, जबकि 55 चालक ऐसे मिले जिन्होंने सीट बेल्ट नहीं लगाई थी। इन सभी पर मोटर वाहन अधिनियम के अंतर्गत जुर्माना लगाया गया। एआरटीओ ने बताया कि यह अभियान आगामी दिनों में और सघन रूप से चलाया जाएगा। साथ ही ऐसे वाहन चालकों के खिलाफ भी कार्रवाई की जाएगी जो बिना परमिट, बीमा, रजिस्ट्रेशन, वैध नंबर प्लेट, रिफ्लेक्टर व ड्राइविंग लाइसेंस के वाहन सड़कों पर चला रहे हैं। हेलमेट न पहनने वालों को भी अब किसी प्रकार की रियायत नहीं दी जाएगी।

तिलोई में निर्माणाधीन मेडिकल कालेज का डीएम ने किया स्थलीय निरीक्षण

कैनविज टाइम्स संवाददाता

तिलोई अमेठी । जिलाधिकारी संजय चौहान ने सोमवार को तहसील तिलोई अंतर्गत निर्माणाधीन मेडिकल कॉलेज का स्थलीय निरीक्षण कर निर्माण कार्य की स्थिति एवं गुणवत्ता का जायजा लिया एवं संबंधित कार्यदायी संस्था को निर्माण कार्य की गुणवत्ता पर विशेष ध्यान देते हुये शीघ्र अति शीघ्र निर्माण कार्य पूर्ण करने का निर्देश दिया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने परिसर में भ्रमण कर निर्माण कार्य की स्थिति का बारीकी से जायजा लिया एवं संबंधित कार्यदायी संस्था को निर्माण स्थल पर मजदूरों की संख्या बढ़ाते हुये शीघ्र अति शीघ्र कार्य पूर्ण करने का निर्देश दिया। ज्ञातव्य हो कि मेडिकल कालेज का निर्माण कार्यदायी संस्था लोक निर्माण विभाग इकाई अयोध्या द्वारा साढ़े सोलह एकड़ में कराया जा रहा है इसमें तीन सौ बेड का अस्पताल, एक सौ सीटों का मेडिकल कॉलेज/एकेडमिक ब्लॉक, बॉयज/गर्ल्स हॉस्टल आदि का निर्माण कराया जा रहा है। निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी द्वारा मेडिकल कालेज में सीवर सिस्टम, सभी ब्लॉकों में वाटर सप्लाई सिस्टम, इंटरनल रोड के निर्माण की स्थिति, ड्रेनेज सिस्टम, बायोमेडिकल वेस्ट के निस्तारण का प्लान आदि का गहनता से निरीक्षण किया एवं कार्यदायी संस्था के प्रतिनिधियों से जानकारी ली तथा आवश्यक दिशा निर्देश दिया। निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी में कार्यदायी संस्था के प्रतिनिधियों को निर्देश दिया कि निर्माण कार्य में प्रयोग की जा रही सभी सामग्रियों की समय समय पर जांच करते रहें किसी भी दशा में मानक के विपरीत सामग्री का प्रयोग निर्माण कार्य में न होने पाये इसका विशेष ध्यान रखा जाय कोई भी सामग्री मानक के विपरीत पाये जाने पर तत्काल संबंधित ठेकेदार के विरुद्ध कार्यवाही करने का निर्देश दिया।

अतिक्रमण पर चला नगर पालिका का हथौड़ा अवैध कब्जा ध्वस्त

कैनविज टाइम्स संवाददाता

पूरनपुर।शेरपुर रोड पर कई वर्षों से अतिक्रमणकारियों ने अवैध रूप से कब्जा कर रखा है। जिससे राहगीरों को काफी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है।उक्त मामले की शिकायत समय-समय पर उच्च अधिकारियों से की गई थी।लेकिन समस्या का समाधान नहीं हुआ नगर निवासी इमरान खान पुत्र हाजी नौशे खा ने प्रभारी अधिकारी समाधान दिवस को एक शिकायती प्रार्थना पत्र देकर कहा कि पीड़ित का एक प्लांट शेरपुर रोड रेलवे क्रॉसिंग के आगे सड़क के पास स्थित है। प्लांट के पड़ोस में रहने वाला साजिद पुत्र दन्ने हलवाई निवासी मोहल्ला अहमदनगर लगातार कई वर्षों से पीड़ित के प्लांट के आगे नाले व शेरपुर रोड की जगह पर लड़कियों का स्टॉक,चाय व पान का होटल, काउंटर सहित अन्य सामान लगाकर अवैध रूप से अतिक्रमण कर रखा है।जिस कारण पीड़ित को अपने प्लाट पर आने-जाने में काफी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है।पीड़ित ने उक्त व्यक्ति से कई बार नाले व सड़क पर किए गए अतिक्रमण को हटाने के लिए कहा लेकिन उक्त व्यक्ति अवैध कब्जा करने से बाज नहीं आ रहा है।और उल्टा पीड़ित को ही फर्जी केस में फसाने की नाकामयाब कोशिश कर रहा है। उक्त व्यक्ति साजिद काफी झगड़ालू किस्म का व्यक्ति है। जो आए दिन ग्राहकों के साथ अन्य ग्रामीण राहगीरों के साथ झगड़ा करने के लिए मशहूर है और ऐलानियां धमकी देता है।कि में पुलिस को पैसा देता हूँ।यहां से कोई मेरा अतिक्रमण नहीं हटवा पाएगा ।अगर कहीं शिकायत की तो झूठे केस में पुलिस से मिलकर फंसा दूंगा।प्रभारी अधिकारी समाधान दिवस ने मामले को गंभीरता से लेते हुए अतिक्रमण प्रभारी नगर पालिका को अतिक्रमण हटाने का आदेश जारी किया है।सोमवार नगर पालिका टीम ने पहुंच कर पुलिस बल के साथ पहुंच कर अतिक्रमण को ध्वस्त किया है।

मुरादाबाद मंडल के स्टेशनों पर यात्रियों को मिलेगी मेडिकल स्टोर की सुविधा

एजेंसी

मुरादाबाद। मुरादाबाद रेल मंडल के मुरादाबाद, बरेली, हरिद्वार, देहरादून रेलवे स्टेशनों पर जुलाई माह के प्रथम सप्ताह तक मेडिकल स्टोर खोल दिए जाएंगे। इसके खुलने से रेल यात्रा के दौरान यात्रियों को मेडिकल संबंधी उत्पाद या दवाइयां लेने में सुविधा मिलेगी। मेडिकल स्टोर खोलने हेतु कम्पनी का चयन कर लिया गया है। इसके लिए तीन माह पहले रेलवे ने टेंडर मांगे थे।

सफर के दौरान यात्री बीमार हो जाते हैं या फिर बीमार व्यक्ति को दवा न मिलने से उसकी हालत बिगड़ जाती है। लेकिन अब ऐसा नहीं होगा। मंडल मुख्यालय मुरादाबाद स्टेशन पर मेडिकल स्टोर खोलने के लिए कम्पनी का चयन हो चुका है। जंक्शन से रोजाना 150 एक्सप्रेस और 10 से ज्यादा पैसेंजर ट्रेनें गुजरती हैं। इनमें प्रतिदिन डेढ़ लाख से ज्यादा यात्री आवागमन करते हैं। प्लेटफॉर्म पर मेडिकल स्टोर होने से उन यात्रियों को भी लाभ होगा, जिन्हें हर समय दवा की जरूरत रहती है। घर से अपने व्हाट्सएप पर चिकित्सक का पर्चा मंगाकर रेलवे स्टेशन से दवाएं खरीद सकेंगे।

उत्तर रेलवे के मुरादाबाद रेल मंडल में वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक आदित्य गुप्ता ने सोमवार को बताया कि मेडिकल स्टोर का संचालन करने वाले व्यक्ति के पास फार्मेसी की डिग्री होगी। रेलवे इस नियम का पालन कराने के लिए मुख्य वाणिज्य निरीक्षक को जिम्मेदारी सौंपेगा। सीनियर डीसीएम ने बताया कि 139 डायल करने पर चिकित्सक भी मौके पर पहुंचेंगे।

समर कैंप में योग व्यायाम के साथ छात्र छात्राओं ने नृत्य, गायन और वादन की शिक्षा ग्रहण की

एजेंसी

औरैया। जिले के अजीतमल कस्बा में स्थित श्री जनता इण्टर कॉलेज में माध्यमिक शिक्षा विभाग के निर्देशों के क्रम में समर कैंप का आयोजन किया गया। कैंप के 20वें दिन विद्यालय के प्रधानाचार्य कृष्ण मोहन उपाध्याय की उपस्थिति में छात्र-छात्राओं को क्रीड़ाध्यक्ष होशियार सिंह राजपूत ने व्यायाम के साथ साथ एडवांस योगा का अभ्यास कराया और योग के सम्बन्ध में विस्तार से जानकारी दी।

पूर्व निर्धारित पाठ्यक्रम के अनुसार विद्यालय के शिक्षक राहुल चौहान की उपस्थित सभी छात्र छात्राओं को क्षेत्रीय विधाओं के अन्तर्गत लोक नृत्य, लोक गायन एवं समूह गान आदि के बारे में जानकारी दी गयी। छात्र छात्राओं की ओर से नृत्य एवं गायन का प्रस्तुतीकरण किया गया।

सभी छात्र छात्राओं ने इन विशेष क्रियाकलापों में अति उत्साह से प्रतिभाग किया। इसी के साथ विश्व पर्यावरण दिवस के उपलक्ष्य में विभाग की ओर से प्रायोजित अभियान ''एक पेड़ माँ के नाम'' अनवरत रूप से जारी है।

समर कैंप में अभिभावकों से स्वीकृति प्राप्त छात्र छात्राओं ने आयोजन में उत्साह से प्रतिभाग किया। इस अवसर पर विद्यालय से यशेन्द्र सिंह, धीरेन्द्र सिंह, अभिषेक त्रिपाठी, अवधेश कुमार, नन्द किशोर, मदन दीक्षित आदि ने कार्यक्रम में उपस्थित रहकर सहयोग प्रदान किया।

तिलोई के सम्पूर्ण समाधान दिवस में आई सर्वाधिक शिकायतों में छह हुई निस्तारित

कैनविज टाइम्स संवाददाता

अमेठी,जनसामान्य की शिकायतों के त्वरित निस्तारण के उद्देश्य से आज जनपद की चारों तहसीलों में सम्पूर्ण समाधान दिवस का आयोजन किया गया। जिलाधिकारी संजय चौहान की अध्यक्षता में तहसील तिलोई में सम्पूर्ण समाधान दिवस आयोजित हुआ। सम्पूर्ण समाधान दिवस में जिलाधिकारी ने शिकायतकर्ताओं की समस्या सुनकर मौके पर अधिकारियों को निर्देश देते हुये कहा कि शिकायतें लंबित न रखी जाये शिकायतों को गम्भीरता से लिया जाये। सम्पूर्ण समाधान दिवस के दौरान पुलिस विभाग के संबंधित शिकायतों को पुलिस अधीक्षक अपर्णा रजत कौशिक ने सुना एवं संबंधित थानाध्यक्षों को निस्तारण के निर्देश दिये। आज तहसील तिलोई में कुल पचपन शिकायतें प्राप्त हुई जिनमें छह का मौके पर निस्तारण कराया गया।तहसील अमेठी में बत्तीस शिकायतें प्राप्त हुई जिनमें एक का निस्तारण किया गया।तहसील गौरीगंज में बावन शिकायतें प्राप्त हुई जिसमें छह का निस्तारण किया गया तथा तहसील मुसाफिरखाना में इकतीस शिकायतें प्राप्त हुई जिनके निस्तारण हेतु पुलिस और राजस्व की संयुक्त टीमें मौके पर भेजी गई। सम्पूर्ण समाधान दिवस के दौरान जिलाधिकारी ने समस्त जनपदीय अधिकारियों को निर्देश दिया कि सभी अधिकारी अपने अपने कार्यालय में प्रातः दस बजे से बारह बजे तक जन समस्याओं को सुने तथा उनका प्राथमिकता के आधार पर निस्तारण करना सुनिश्चित करें। सम्पूर्ण समाधान दिवस के दौरान उपजिलाधिकारी अमित सिंह, मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ अंशुमान सिंह, जिला विकास अधिकारी वीरभानु सिंह, जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी संजय तिवारी,तहसीलदार अभिषेक यादवसहित जिला स्तरीय अधिकारी मौजूद रहे।

जीवन बदले साक्षरता

निस्संदेह, भारत की साक्षरता का प्रतिशत करीब 81 फीसदी होना एक सराहनीय उपलब्धि व मील का पत्थर ही है। देश की आजादी के वक्त की साक्षरता स्थिति से इसकी तुलना करें तो इसे उपलब्धि की तौर पर देखा जाना चाहिए। किसी समाज में साक्षरता का स्तर उसकी प्रगति का आईना ही होता है। ये आंकड़े हमारे समाज की शिक्षा तक पहुंच में निरंतरता का पर्याय भी हैं। हालांकि, 2023-24 के आवधिक श्रम बल सर्वेक्षण यानी पीएलएफएस के आंकड़ों से यह भी उजागर होता है कि सार्वभौमिक साक्षरता की ओर राष्ट्र का यह कदम निरंतर कई असमानताओं से भी बाधित है। खासतौर पर यह भेद लिंग और क्षेत्रीय आधार पर नजर आता है। उदाहरण के लिए देखें तो शहरी क्षेत्रों में साक्षरता की दर ग्रामीण क्षेत्रों की तुलना में अधिक है। जिसका मुख्य कारण शहर केंद्रित विकास को तरजीह व शिक्षा के लिये अनुकूल परिस्थितियों का होना भी है। आंकड़े बताते हैं कि शहरी भारत में साक्षरता की दर 88.9 है, वहीं दूसरी ओर ग्रामीण क्षेत्रों में यह 77.5 फीसदी ही हो पायी है। निश्चित रूप से विभिन्न राज्यों में प्रतिध्वनित यह शहरी व ग्रामीण साक्षरता का अंतर शिक्षा के बुनियादी ढांचे, योग्य शिक्षकों की उपलब्धता और सीखने के अवसरों में असमानता को ही दर्शाता है। कमोबेश इसी प्रकार देश के विभिन्न राज्यों में लैंगिक असमानताएं भी नजर आती हैं। यह विडंबना की कही जाएगी कि कई राज्यों में लड़कियों की शिक्षा पर दशकों से नीतिगत स्तर ध्यान केंद्रित करने के बावजूद पुरुष साक्षरता महिला साक्षरता के मुकाबले कहीं आगे नजर आती है। निश्चित रूप से इसके मूल में सामाजिक रूढ़ियां, सामाजिक चेतना का अभाव व आर्थिक विकास की विसंगतियां निहित हैं। जिसके चलते लड़कियों को शिक्षा के पर्याप्त अवसर नहीं मिल पाते। जटिल भौगोलिक परिस्थितियों के बीच स्कूलों की दूरी और आवागमन की पर्याप्त सुविधा उपलब्ध न हो पाना भी महिला शिक्षा के प्रतिशत में गिरावट का कारक बनती है। इन तमाम कारणों को नये सिरे से संबोधित करने की जरूरत है। लेकिन वहीं कुछ राज्यों में लक्ष्यों पर केंद्रित अभियानों व शासन-प्रशासन की सक्रियता के सकारात्मक परिणाम भी सामने आए हैं। लक्षद्वीप, दिल्ली, तमिलनाडु और त्रिपुरा के परिणाम दर्शाते हैं कि जब शासन की सक्रियता, लोगों की पहुंच और सामुदायिक जुड़ाव एक साथ आते हैं तो कुछ भी संभव है। दरअसल, आर्थिक विसंगतियों से जूझते व सामाजिक व आर्थिक सुधारों को अमल में न ला सकने वाले राज्य साक्षरता के लक्ष्य राष्ट्रीय अनुपात में नहीं प्राप्त कर सके। सबसे कम साक्षरता दर वाले बिहार की स्थिति गरीबी,अपर्याप्त स्कूली शिक्षा, सांस्कृतिक कारकों व शिक्षा की राह में बाधा डालने वाली सामाजिक बाधाओं के जटिल अंतर्संबंध को रेखांकित करती है। यहां इन उत्साहजनक आंकड़ों के बावजूद कई सवाल हमारे सामने पैदा होते हैं। प्रश्न यह भी है कि हम किस तरह की साक्षरता विकसित कर रहे हैं? क्या शिक्षा की गुणवत्ता इस स्तर की है कि वो लोगों के जीवन में व्यापक बदलावों का कारक बन सके? बात सिर्फ आंकड़ों की नहीं है पड़ताल इस बात की भी की जानी चाहिए कि साक्षरता क्या वास्तव में प्रगतिशील सोच, नागरिक दायित्वों और आर्थिक जीवन में सार्थक रूप से भाग लेने की क्षमता विकसित करती है? इन हालिया आंकड़ों में जो शामिल नहीं हो सके हैं, खासकर हाशिये पर गए समुदाय, उन्हें साक्षरता की सफलता से जोड़ना हमारा प्राथमिक लक्ष्य होना चाहिए। जरूरत इस बात की भी है कि स्कूली शिक्षा गुणवत्तापूर्ण हो, शिक्षकों को पर्याप्त प्रशिक्षण मिले, उनकी डिजिटल शिक्षा तक भी पहुंच हो तथा शिक्षा में निवेश बढ़ाया जाये। आवश्यकता यह भी है कि नई शिक्षा नीति के ही अनुरूप प्राथमिक शिक्षा मातृभाषा में दी जाए। इसके साथ यह भी जरूरी है कि वयस्क साक्षरता अभियानों को प्राथमिकता दी जाए। खासकर आर्थिक रूप से पिछड़े व संसाधनों के अभाव वाले राज्यों में। इस दिशा में हमारे प्रयास तभी सफल हो सकते हैं जब शासन-प्रशासन के प्रयासों के साथ सामुदायिक स्तर पर बड़ी कोशिश की जाए। जनजागरण और सूचना माध्यमों की रचनात्मक भूमिका साक्षरता अभियान के लक्ष्यों को हासिल करने में बदलावकारी साबित हो सकती है।

गरीबी के साथ आर्थिक असमानता दूर करने का लक्ष्य हो

विकसित भारत के लक्ष्य को हासिल करने के लिए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में चलाई जा रही सरकारी पहलों, तेज आर्थिक सुधारों और जरूरी सेवाओं तक सबकी पहुंच का ही यह नतीजा है कि गरीबी दिन-ब-दिन तेजी से घट रही है। विश्व बैंक की रिपोर्ट के अनुसार रोजगार में वृद्धि हुई है। ग्रामीण और शहरी दोनों क्षेत्रों में उल्लेखनीय सुधार हुआ है। भारत ने बहुआयामी गरीबी को कम करने में भी जबरदस्त प्रगति की है। बहुआयामी गरीबी सूचकांक (एमपीआइ) 2005-06 में 53.8 प्रतिशत से घटकर 2019-21 में 16.4 प्रतिशत और 2022-23 में 15.5 प्रतिशत हो गया है। प्रधानमंत्री मोदी ने लोगों को गरीबी से उबारने के लिए केंद्र सरकार द्वारा उठाए गए महत्वपूर्ण कदमों और सशक्तीकरण, बुनियादी ढांचे और समावेशन पर फोकस पर प्रकाश डाला। प्रधानमंत्री आवास योजना, प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना, जन-धन योजना और आयुष्मान भारत जैसी पहलों ने आवास, स्वच्छ खाना पकाने के ईंधन, बैंकिंग और स्वास्थ्य सेवा तक उनकी पहुंच को बढ़ाया है। डायरेक्ट बेनेफिट ट्रांसफर (डीबीटी), डिजिटल समावेश और मजबूत ग्रामीण बुनियादी ढांचे ने अंतिम जन तक लाभों की पारदर्शिता और तेज वितरण सुनिश्चित किया है। इससे 25 करोड़ से अधिक लोगों को गरीबी पर पार पाने में मदद मिली है। मोदी सरकार ने आर्थिक रूप से कमजोर लोगों को संबल और आत्मनिर्भर बनाने के लिए अनेक योजनाएं चलाई हैं और उनका बेहतर क्रियान्वयन किया है। अत्यधिक गरीबी में रहने वाले लोगों की संख्या 34.44 करोड़ से घटकर 7.52 करोड़ रह गई है। पूरे भारत में अत्यधिक गरीबी को कम करने में महत्वपूर्ण प्रगति हुई है, जिसमें प्रमुख राज्यों ने गरीबी में कमी लाने और समावेशी विकास को आगे बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है।

भारत एक ओर जहां लगातार तेज ग्रोथ करते हुए बीते दिनों जापान को पीछे छोड़ दुनिया की चौथी सबसे बड़ी इकोनॉमी बना, तो वहीं उपलब्धियों का सिलसिला जारी है औऱ दुनिया इसका लोहा मान रही है। अब एक और खुश करने वाली रिपोर्ट आई है, जो विश्व बैंक ने जारी की है, जिसमें भारत में अत्यधिक गरीबी में आई उल्लेखनीय कमी की रोशनी है। आंकड़ों के अनुसार वर्ष 2022-23 में यह दर 5.3 प्रतिशत रह गई है, जो वर्ष 2011-12 में 27.1 फीसदी थी। रिपोर्ट के निष्कर्षों के अनुसार भारत ने लगभग एक दशक से कुछ कम समय में 27 करोड़ लोगों को अत्यधिक गरीबी से बाहर निकाला है, जो पैमाने और गति के मामले में उल्लेखनीय एवं ऐतिहासिक उपलब्धि कही जा सकती है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने अपने शासन के ग्यारह स्वर्णिम वर्षों में गरीबी को कम करने के लिए सामूहिक कार्रवाई की ज़रूरत पर ज़ोर दिया है, गरीबों के संघर्षों और उनकी चिंताओं को सुनकर, उन्हें गरीबी से बाहर आने में मदद करके और अत्यधिक गरीबी में रहने वाले लोगों के सामने आने वाली चुनौतियों का समाधान करके उन्होंने गरीब उन्मूलन की योजनाओं को जमीन पर उतारा है। मोदी सरकार ने गरीबी में रहने वाले लोगों और व्यापक समाज के बीच समझ और संवाद को बढ़ावा देने का लक्ष्य रखा है। उनकी दृष्टि में गरीबी को खत्म करना सिर्फ़ गरीबों की मदद करना नहीं है - बल्कि हर महिला और पुरुष को सम्मान के साथ जीने का मौका देना है। विकसित भारत के लक्ष्य को हासिल करने के लिए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में चलाई जा रही सरकारी पहलों, तेज आर्थिक सुधारों और जरूरी सेवाओं तक सबकी पहुंच का ही यह नतीजा है कि गरीबी दिन-ब-दिन तेजी से घट रही है। विश्व बैंक की रिपोर्ट के अनुसार रोजगार में वृद्धि हुई है। ग्रामीण और शहरी दोनों क्षेत्रों में उल्लेखनीय सुधार हुआ है। भारत ने बहुआयामी गरीबी को कम करने में भी जबरदस्त प्रगति की है। बहुआयामी गरीबी सूचकांक (एमपीआइ) 2005-06 में 53.8 प्रतिशत से घटकर 2019-21 में 16.4 प्रतिशत और 2022-23 में 15.5 प्रतिशत हो गया है। प्रधानमंत्री मोदी ने लोगों को गरीबी से उबारने के लिए केंद्र सरकार द्वारा उठाए गए महत्वपूर्ण कदमों और सशक्तीकरण, बुनियादी ढांचे और समावेशन पर फोकस पर प्रकाश डाला। प्रधानमंत्री आवास योजना, प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना, जन-धन योजना और आयुष्मान भारत जैसी पहलों ने आवास, स्वच्छ खाना पकाने के ईंधन, बैंकिंग और स्वास्थ्य सेवा तक उनकी पहुंच को बढ़ाया है। डायरेक्ट बेनेफिट ट्रांसफर (डीबीटी), डिजिटल समावेश और मजबूत ग्रामीण बुनियादी ढांचे ने अंतिम जन तक लाभों की पारदर्शिता और तेज वितरण सुनिश्चित किया है। इससे 25 करोड़ से अधिक लोगों को गरीबी पर पार पाने में मदद मिली है। मोदी सरकार ने आर्थिक रूप से कमजोर लोगों को संबल और आत्मनिर्भर बनाने के लिए अनेक योजनाएं चलाई हैं और उनका बेहतर क्रियान्वयन किया है। अत्यधिक गरीबी में रहने वाले लोगों की संख्या 34.44 करोड़ से घटकर 7.52 करोड़ रह गई है। पूरे भारत में अत्यधिक गरीबी को कम करने में महत्वपूर्ण प्रगति हुई है, जिसमें प्रमुख राज्यों ने गरीबी में कमी लाने और समावेशी विकास को आगे बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। पांच बड़े राज्यों उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश, महाराष्ट्र, बिहार और बंगाल में 2011-12 में देश के 65 फीसदी अत्यंत गरीब लोग थे। इन पांच राज्यों ने ही 2022-23 तक गरीबी कम करने में दो-तिहाई का योगदान दिया है। विश्व बैंक ने पाकिस्तान को आईना दिखाते हुए भारत से गरीबी उन्मूलन की योजनाओं एवं सोच से प्रेरणा लेने की बात कही है। विश्व बैंक की रिपोर्ट के अनुसार, पाकिस्तान की 45 प्रतिशत आबादी गरीबी में है। भारत की गरीबी दर 5.3 प्रतिशत और पाकिस्तान की 42.4 प्रतिशत है। इसका सबसे बड़ा कारण पाक अपना सारा ध्यान आतंकवाद एवं आतंकवादियों के पोषण पर देता है, गरीबी दूर करना उसकी योजनाओं एवं नीतियों में दूर-दूर तक नहीं है। इसीलिये भारत ने वैश्विक मंचों पर पाक पर यह आरोप भी लगाया है कि वह अंतरराष्ट्रीय सहायता का दुरुपयोग आतंकवाद को बढ़ावा देने के लिए कर रहा है। भारत ने विश्व बैंक और आईएमएफ जैसे संस्थानों से अनुरोध किया है कि वे पाक को दी जाने वाली सहायता की समीक्षा करें, क्योंकि इसका उपयोग आम लोगों के कल्याण के बजाय सैन्य खर्च और आतंकवादी गतिविधियों में हो रहा है। हाल के पाहलगाम हमले के बाद भारत ने इस मुद्दे को और जोरदार तरीके से उठाया, जिसमें उसने पाक के सैन्य बजट में 18 प्रतिशत वृद्धि और सामाजिक कल्याण पर कम खर्च को उजागर किया। गरीबी किसी व्यक्ति के मानवाधिकारों का हनन है। यह न केवल अभाव, भूख और पीड़ा का जीवन जीने की ओर ले जाती है, बल्कि मौलिक अधिकारों और स्वतंत्रताओं के आनंद का भी बड़ा अवरोध है। पाक में यही स्थितियां देखने को मिल रही है। आजादी के अमृत काल में सशक्त भारत एवं विकसित भारत को निर्मित करते हुए गरीबमुक्त भारत के संकल्प को भी आकार दिया जा रहा है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी एवं उनकी सरकार ने वर्ष 2047 के आजादी के शताब्दी समारोह के लिये जो योजनाएं एवं लक्ष्य तय किये हैं, उनमें गरीबी उन्मूलन के लिये भी व्यापक योजनाएं बनायी गयी है। विगत ग्यारह वर्ष एवं मोदी के तीसरे कार्यकाल में ऐसी गरीब कल्याण की योजनाओं को लागू किया गया है, जिससे भारत के भाल पर लगे गरीबी के शर्म के कलंक को धोने के सार्थक प्रयत्न हुए है एवं गरीबी की रेखा से नीचे जीने वालों को ऊपर उठाया गया है। निश्चित रूप से इस उपलब्धि में विभिन्न कल्याण कार्यक्रमों मसलन आर्थिक विकास और ग्रामीण रोजगार योजनाओं की बड़ी भूमिका रही है। निस्संदेह, इसने सबसे गरीब तबके के लोगों की आय बढ़ाने में मदद की है। निश्चित रूप से सार्वजनिक वितरण प्रणाली में सुधार, प्रत्यक्ष लाभ हस्तांतरण, बिजली, शौचालयों और आवास तक इस तबके की पहुंच बढ़ाने जैसी पहल ने ग्रामीण और अर्ध-शहरी भारत में जीवन की गुणवत्ता बेहतर बनाने में योगदान दिया है। लेकिन जहां हम गरीबी उन्मूलन में मिली सफलता पर आत्ममुग्ध हैं तो वहीं समाज में बढ़ती आर्थिक असमानता हमारी चिंता का विषय होना चाहिए। गरीबी-अमीरी के बीच के बढ़ते फासले को कम करना हमारी प्राथमिकता होनी चाहिए। पिछले साल जारी की गई विश्व असमानता रिपोर्ट 2022 से पता चलता है कि भारत में शीर्ष एक प्रतिशत लोगों की संपत्ति में बड़ा उछाल आया है। वे लोग देश की चालीस फीसदी संपत्ति नियंत्रित करते हैं। भारत में गरीबी का मुख्य कारण बढ़ती जनसंख्या, कमजोर कृषि, भ्रष्टाचार, रूढ़िवादी सोच, जातिवाद, अमीर-गरीब में ऊंच-नीच, नौकरी की कमी, अशिक्षा, बीमारी आदि हैं। एक आजाद मुल्क में, एक शोषणविहीन समाज में, एक समतावादी दृष्टिकोण में और एक कल्याणकारी समाजवादी व्यवस्था में गरीबी रेखा नहीं होनी चाहिए। अब तक यह रेखा उन कर्णधारों के लिए शर्म की रेखा बनी रही है, जिसको देखकर उन्हें शर्म आनी चाहिए थी। एक बड़ा प्रश्न था कि जो रोटी नहीं दे सके वह सरकार कैसी? जो अभय नहीं बना सके, वह व्यवस्था कैसी? जो इज्जत व स्नेह नहीं दे सके, वह समाज कैसा? गांधी और विनोबा ने सबके उदय एवं गरीबी उन्मूलन के लिए 'सर्वोदय' की बात की। लेकिन राजनीतिज्ञों ने उसे निज्योदय बना दिया था। 'गरीबी हटाओ' में गरीब हट गए। अब तक जो गरीबी के नारे को जितना भुना सकते थे, वे सत्ता प्राप्त कर सकते थे। लेकिन अब मोदी सरकार गरीबी उन्मूलन के लिये सार्थक प्रयत्न कर रही है। मोदी सरकार की तकनीकी प्रेरित सेवाओं में उछाल के चलते, वर्ष 2000 के बाद विकास मॉडल ने गरीब वर्ग को लाभान्वित किया है। निर्विवाद रूप से सामाजिक न्याय के लिये गरीबी कम करने के साथ, कमजोर तबकों के लिये सम्मान, समानता और नीतियों में लचीलापन जरूरी है। वास्तव में गरीबी मुक्त भारत का लक्ष्य तभी पूरा हो सकता है जब सरकार की कल्याणकारी नीतियां न केवल उन्हें गरीबी के दलदल से बाहर निकालें, बल्कि उन्हें स्वावलंबी भी बनाएं। आर्थिक कल्याणकारी नीतियों का मकसद मुफ्त की रेवड़ियां बांटना न होकर उन्हें अपने पैरों पर खड़ा करना होना चाहिए। तभी गरीबी का कुचक्र स्थायी रूप से कम किया जा सकता है। **- ललित गर्ग**

अर्थव्यवस्था को धार देगी रेपो दरों में कमी

प्रेम शर्मा

वैश्विक स्तर पर चल रही आर्थिक उथल पुथल के बीच पिछले कुछ समय से देश में अर्थव्यवस्था के लिहाज से सकारात्मक खबरें और अब भारतीय रिजर्व बैंक यानी आरबीआइ की ओर से नीतिगत दरों में कमी से यही संकेत उभरता है कि महंगाई कुछ नियंत्रण में है। ऐसे में आर्थिक मोर्चे पर खड़ी चुनौतियों से निपटने में काफी हद तक देश आगे बढ़ा है। आरबीआइ ने एक बार फिर 6 जून को प्रमुख नीतिगत दर यानी रेपो दर में 0.5 फीसद की कमी करके उसे 5.5 फीसद कर दिया। जो उम्मीद से ज्यादा है। इसके अलावा एक चौंकाने वाले फैसले के तहत आरबीआइ ने बैंकों के लिए भी नकद आरक्षित अनुपात यानी सीआरआर में भी एक फीसद की कटौती की घोषणा लगातार तीसरी बार की है। इससे पहले आरबीआइ ने इसी वर्ष फरवरी और अप्रैल में पच्चीस आधार अंकों की कटौती की थी। जाहिर है, यह न केवल देश के भीतर आर्थिक उतार-चढ़ाव से निपटने की कोशिश है, बल्कि दुनिया भर में जो चुनौतियां खड़ी हो रही हैं, उसमें निपटने और अर्थव्यवस्था को संभालने में भी मदद मिलेगी। यही नही आरबीआई की घोषणा के चंद घन्टों बाद ही बैंकिंग सेक्टर में लोन और फिक्स्ड डिपॉजिट के ब्याज दरों में कमी होने वाली है। देश के दो बड़े बैंकों ने लोन के इंटरेस्ट रेट में बदलाव किया है। पब्लिक सेक्टर के पंजाब नेशनल बैंक ने रेपो लेंडिंग रेट (आरएलएलआर) में 50 बीपीएस की कटौती की है। नई दरें 9 जून से प्रभावी होंगी। वहीं देश के सबसे बड़े प्राइवेट सेक्टर बैंक ल्लएचडीएफसी बैंकङ्क ने एमसीएलआर दरों में 10 बीपीएस यानि 0.10ः की कमी है। दरों में कटौती का असर ईएमआई पर पड़ेगा। उधारकर्ताओं को राहत मिलेगी। होम लोन, कार लोन, पर्सनल लोन और ऋण पर नए रेट प्रभावी होंगे। भारतीय स्टेट बैंक के ग्रुप चीफ इकोनॉमिक एडवाइजर सौम्य कांति घोष और पिरामल एंटरप्राइजेज के चीफ इकोनॉमिस्ट देबोपम चौधरी ने एक ऐसी भविष्यवाणी की थी, जिसकी शायद ही किसी और ने अनुमान लगाया हो। उन्होंने जून में भारतीय रिजर्व बैंक (त्ठप्) की मौद्रिक नीति समिति की बैठक में ब्याज दरों में बड़ी कटौती का अनुमान लगाया था। और हुआ भी ऐसा ही। रिजर्व बैंक ने ब्याज दरों में 50 बीपीएस की कटौती की दी। अब इन दोनों अर्थशास्त्रियों ने फिर से भविष्यवाणी की है। इन दोनों का मानना है कि रिजर्व बैंक फिर से ब्याज दरों में कटौती करेगा। आम बोलचाल के रूप में रेपो दरों में कमी को मुख्य रूप से ऋण के लिहाज से सुविधाजनक माना जाता रहा है। कर्ज सस्ता या महंगा होने का हिसाब इसी पर टिका होता है और इसका सीधा और पहला असर उन उपभोक्ताओं पर पड़ता है, जिन्होंने घर, वाहन, अन्य सामान या फिर शिक्षा जैसी जरूरतों के लिए बैंकों से ऋण लिया होता है या फिर वे लोग, जो इस बात का इंतजार करते हैं कि रिजर्व बैंक की ओर से कब नीतिगत दरों में कमी की जाए और कर्ज सस्ता होने के बाद वे कुछ खरीदने या निवेश करने की योजना बनाएं। वैसे तो रिजर्व बैंक की नीतिगत दरों के अनुरूप ही व्यावसायिक बैंक उपभोक्ताओं को दिए जाने वाले ऋण और अन्य सावधि जमा के मद में ब्याज की दरें निर्धारित करते हैं। रेपों दरों के घटने बाद यह अनुमान लगाया जा रहा है कि पिछले कुछ समय से वाहन बाजार और खासतौर पर जमीन-जायदाद के कारोबार में जिस तरह की मंदी की आशंका जताई जा रही थी, नीतिगत दरों में कटौती के बाद उसमें सुधार होगा। इस लिहाज से देखें तो रिजर्व बैंक की ओर से नीतिगत दरों में बड़ी कमी की जो घोषणा की है, वह एक तरह से अर्थव्यवस्था को रफ्तार देने की दिशा में एक अहम कदम है। लेकिन इस तरह के फैसले सिर्फ घोषणाओं और अर्थव्यवस्था के जटिल गणित तक ही न सिमटे रहें। इसका असर जब तक जमीन पर नहीं दिखेगा, आम लोगों को इसका सीधा फायदा नहीं मिलेगा, वे अपनी जरूरत के लिए घर या कोई अन्य चीज की खरीदारी को लेकर सहज और निर्द्वद्व नहीं होंगे, तब तक इस तरह के फैसले अर्थव्यवस्था की चुनौतियों को दूर करने में सहायक साबित नहीं हो सकते। महंगाई से राहत और क्रय शक्ति की सीमा में खरीदारी में सहजता से यह तय होगा कि रेपो दरों में कमी का लाभ आम लोगों तक कितना पहुंच पाता है। ऋण लेने का उत्साह उसे चुकाने की स्थितियों पर टिका रह सकता है। इसलिए रोजगार और आय के अन्य माध्यमों की बुनियाद मजबूत करने की स्थिति पैदा करनी होगी, ताकि लोग अपने निवेश और अन्य आर्थिक फैसलों को लेकर सुरक्षित महसूस करें।भारतीय रिजर्व बैंक ने आर्थिक विकास को बढ़ावा देने के लिए रेपो दरों में 0.5ः की कटौती की है, जो विशेषज्ञों के अनुमान से अधिक है। साथ ही, कैश रिजर्व रेश्यो में 1ः की कमी की गई है, जिससे बैंकों के पास कर्ज देने के लिए अधिक धन उपलब्ध होगा। हालॉकि यह भी कहा जा रहा है कि यूक्रेन-रूस युद्ध और अमेरिकी राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रंप के टैरिफ संबंधी अनिश्चितताओं के कारण ग्रोथ की राह चुनौतीपूर्ण हो गई है।

सेहत मंत्र

कब्ज दूर करने से लेकर वजन घटाने तक में बेहद फायदेमंद है ब्रोकली

फूलगोभी की तरह नजर आने वाली हरे रंग की गोभी को ब्रोकली कहा जाता है। जो बैंगनी और सफ़ेद रंग की भी होती है। ब्रोकली का ज्यादातर इस्तेमाल सूप और सलाद के तौर पर किया जाता है। दिखने में जितनी अलग होती है ब्रोकली उतनी ही फायदों से भरपूर। कई सारे न्यूट्रीशन से भरपूर है ब्रोकली। आयरन, कैल्शियम, प्रोटीन, कार्बोहायड्रेट, विटामिन इ, विटामिन ए, विटामिन B1, B2, B3, B6, पोटैशियम, मैगनिशियम, जिंक, फास्फोरस जैसे कई एंटीओक्सिडेंट होते हैं। जो बॉडी के इम्यून सिस्टम को रखते हैं चुस्त-दुरूस्त। टाइप 2 डायबटीज के मरीजों को अपनी डाइट में ब्रोकली जरुर शामिल करना चाहिए। एंटीऑक्सीडेंट और फाइबर से भरपूर ब्रोकली बॉडी में ब्लड शुगर लेवल को सामान्य बनाएं रखने में मदद करती है। बच्चों से लेकर बुजुर्गों और प्रेग्नेंट महिलाओं हर किसी के लिए ये बेहद फायदेमंद है। कैल्शियम की मौजूदगी हड्डियों को मजबूत बनाकर ओस्टियोपोरोसिस बीमारी के खतरे को काफी हद तक कम करती है और आयरन एनीमिया की बीमारी से बचाता है। ब्रोकली में पाए जाने वाले फाइटोन्यूट्रीएंट्स बॉडी को डिटॉक्स कर कई रोगों से बचाते हैं। चेहरे पर असमय नजर आने वाली झुर्रियों, फाइन लाइन्स जैसी समस्याओं को दूर करता है। इसका विटामिन सी, कॉपर, जिंक स्किन के ग्लो और टाइटनेस बनाए रखता है। ब्रोकली के एंटीओक्सिडेंट फ्री रेडिकल्स को नष्ट करके बढती उम्र के लक्षणों को कम करते हैं। प्रेग्नेंसी में ब्रोकली खाना बहुत अच्छा होता है। ब्रोकली में पाए जाने वाला आयरन, फोलेट बच्चे के दिमागी और शारीरिक विकास में मदद करता है। अगर आप अपना वजन जल्द से जल्द कम करना चाहते हैं तो ब्रोकली को बनाएं अपनी डाइट का हिस्सा। ये हाई फाइबर और प्रोटीन से भरपूर है, जिससे बार-बार भूख नहीं लगती। साथ ही कब्ज की परेशानी भी दूर होती है और ब्लड प्रेशर कंट्रोल में रहता है।

धर्म मंत्र

सिद्ध शक्तिपीठ है कामाख्या मंदिर हर तंत्र, हर कामना पूरी होती है यहां

भारत देश रहस्यों से भरा पड़ा है। देश में ऐसे कई रहस्यमयी मंदिर है जिनके आगे विज्ञान तक फ़ेल हो गया है। आज हम आपको भारत के 10 प्रमुख रहस्यमयी मंदिरों में से एक एवं 51 शक्तिपीठों में प्रमुख कामाख्या देवी मंदिर के बारे में आपको बताने जा रहें है। असम राज्य की राजधारी दिसपुर के समीप गुवाहाटी से 8 किलोटिर दूर कामाख्या देवी का मंदिर है। यह मंदिर 51 शक्तिपीठों में से एक प्रमुख मंदिर है। जहां सती देवी का योनि भाग गिरा था। आज भी यहां देवी के मासिक धर्म के कारण 3 दिन तक पानी लाल पड़ जाता है। यहां पर सैकड़ों तांत्रिक अपने एकांतवास से बाहर आते है और अपनी शक्तियों का प्रदर्शन करते है। मंदिर से काफी रहस्य जुड़े हुए है। यहा हर वर्ष अपनी मनोकामना लेकर लाखों की तादात में श्रद्धालु दर्शन करने पहुंचते है। काले जादू एवं श्राप से मुक्ति भी यही पर मिलती है। बताया जाता है कि भगवान शिव से क्रोधित होकर सती ने विनाशकारी तांडव नृत्य धारण किया था। सती ने धरती को नष्ट करने की चेतावनी दी थी। क्रोध में आकर भगवान विष्णु ने सती के 51 टुकड़े कर दिए थे। जो पृथ्वी के अलग-अलग भागों में जाकर गिरे। इन्हीं में से सती का योनि भाग यहां गिरा था। यहां पर मंदिर में चट्टान के बीच बनी आकृति देवी की योनि को दर्शाता है। जिसके पास में एक झरना मौजूद है। योनि भाग से जल धार हल्की बहती रहती है। श्रद्धालुओं की मानें तो इस जल का पान करने से हर प्रकार के रोग एवं बीमारी दूर होती है।

पर्यटन

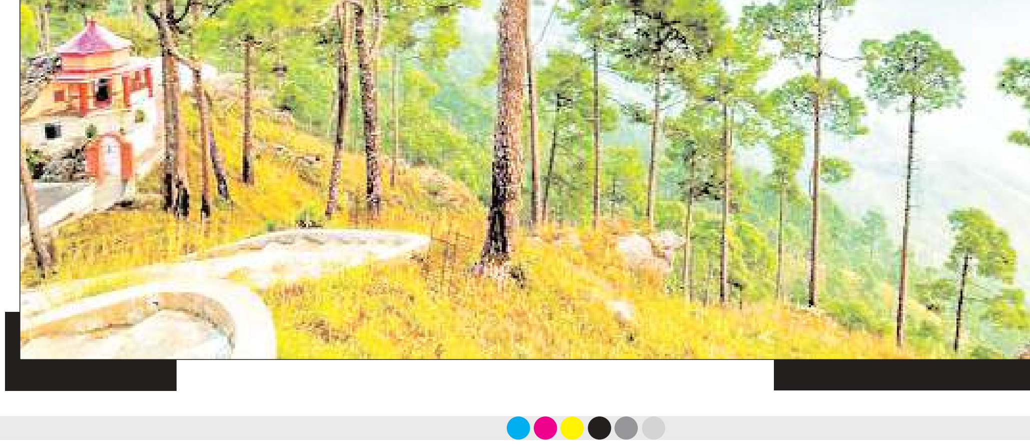

सोलो ट्रिप के साथ ही वीकेंड का समय है काफी बिनसर की खूबसूरती को करीब से निहारने के लिए

खूबसूरत हिमालय के बीचों-बीच बसे उत्तराखंड के बिनसर को घूमने के लिए किसी संगी-साथी का जरूरत नहीं। इसमें कोई शक नहीं कि दोस्तों के साथ ट्रिप का मज़ा दोगुना हो जाता है लेकिन कुछ जगहें ऐसी होती हैं जिन्हें अकेले एक्सप्लोर करने का आनंद ही कुछ और होता है। बिनसर की गिनती आप उन चुनिंदा जगहों में कर सकते हैं। नैनीताल से महज कुछ किलोमीटर आगे बढ़ते ही अल्पाइन और रोडोडेंड्रोन के पेड़ों को देखकर ऐसा लगेगा जैसे ये किसी के स्वागत में खड़े हैं। 11वीं सदी से लेकर 17वीं शताब्दी तक बिनसर चंद राजाओं का गढ़ हुआ करता था। बिनसर का आकर्षण है कि यहां से केदारनाथ, नंदाकोट, त्रिशूल, नंदा देवी और पंचोली चोटियों को देखा जा सकता है। तो अगर आपने अकेले घूमने के लिए बिनसर जाने का प्लान कर लिया है तो वीकेंड काफी है यहां की हर एक जगह को इत्मीनान से घूमने के लिए। बिनसर आने वालों की सबसे ज्यादा भीड़ जीरो प्वाइंट पर ही देखने को मिलती है। जहां तक पहुंचने के लिए आपको 2 किमी की ट्रैकिंग करनी पड़ती है लेकिन उस प्वाइंट पर पहुंचने के बाद जो नज़ारा देखने को मिलता है उसे शब्दों में बयां कर पाना मुमकिन नहीं। यहां से केदारनाथ, नंदा देवी और त्रिशूल की ऊंची और खूबसूरत चोटियों को निहारा जा सकता है। बिनसर वाइल्डलाइफ सेंचुरी से 4 किमी की दूरी पर बना है गोलू देवता मंदिर, जो कुमांऊ के पूजनीय देवता है। मंदिर में जो खास देखने को मिलता है वो है ये कि यहां लोग भगवान को मिठाई नहीं बल्कि पीतल की घंटियां चढ़ाते हैं। लोग अपनी मनोकामनाओं को एक कागज पर लिखकर घंटी पर चिपकाकर यहां बांधते हैं। ये अनोखी परंपरा काफी समय से यहां चली आ रही है। ओक, पाइन और रोडोडेंड्रोन के घने जंगल लैपर्ड, हिमालयन बियर, जंगली बिल्लियों, लोमड़ी के साथ ही लगभग 200 प्रकार के पक्षियों का घर हैं। जानवरों के अलावा कई तरह के पेड़-पौधे भी इस जगह को बनाते हैं खास। फैमिली, फ्रैंड्स किसी के भी साथ यहां आकर कर सकते हैं एन्जॉय।

भारतीय किसान यूनियन (टिकैत) की हैदरगढ़ इकाई की मासिक बैठक सम्पन्न

विद्युत विभाग के निजीकरण के विरोध में गरजे किसान, सरकार को दी आंदोलन की चेतावनी

कैनविज टाइम्स संवाददाता

हैदरगढ़ बाराबंकी । भारतीय किसान यूनियन (टिकैत) की ब्लॉक इकाई हैदरगढ़ की मासिक बैठक सोमवार को पुरानी तहसील स्थित शिव मंदिर परिसर में सम्पन्न हुई। बैठक की अध्यक्षता ब्लॉक अध्यक्ष डॉ. हरि रामपाल ने की, जबकि संचालन ब्लॉक उपाध्यक्ष रामदेव द्वारा किया गया।

बैठक में जिले से संगठन के वरिष्ठ पदाधिकारी जिला उपाध्यक्ष महेंद्र प्रताप सिंह एवं जिला सचिव संतोष सिंह विशेष रूप से मौजूद रहे। बैठक की शुरुआत आगामी 15 जून को आयोजित होने वाले जिला स्तरीय रक्तदान कार्यक्रम की तैयारियों पर चर्चा से हुई। इस अवसर पर किसानों ने सामूहिक रूप से रक्तदान कर मानव सेवा में योगदान देने का संकल्प लिया।

संगठन के प्रतिनिधियों ने बताया कि 15 जून की सायं हरिद्वार में प्रस्तावित राष्ट्रीय पंचायत में ब्लॉक इकाई की सहभागिता सुनिश्चित की जाएगी। यह तीन दिवसीय पंचायत 16, 17 एवं 18 जून को आयोजित होगी, जिसमें राष्ट्रीय एवं प्रांतीय नेतृत्व की मौजूदगी में संगठन की भावी रणनीति तय की जाएगी।

बैठक के दौरान किसानों ने विद्युत विभाग के निजीकरण के प्रस्ताव पर तीव्र विरोध दर्ज कराया। वक्ताओं ने कहा कि निजीकरण से किसानों को भारी नुकसान होगा, साथ ही बिजली की दरों में अनियंत्रित वृद्धि की आशंका जताई गई। संगठन ने चेताया कि यदि सरकार ने निजीकरण की प्रक्रिया को तत्काल प्रभाव से रोका नहीं, तो किसान उग्र आंदोलन के लिए बाध्य होंगे।

बैठक में ब्लॉक स्तर पर तहसीलों, थानों एवं विभिन्न विभागों से संबंधित जमीनी समस्याएं भी उठाई गईं। संगठन पदाधिकारियों ने इन समस्याओं को गंभीरता से लेते हुए जल्द समाधान के लिए संबंधित अधिकारियों से वार्ता करने का आश्वासन दिया।

इस मौके पर प्रमुख रूप से उपस्थित रहे:

महेंद्र प्रताप सिंह (जिला उपाध्यक्ष), डॉ. हरी रामपाल (ब्लॉक अध्यक्ष), रामदेव (ब्लॉक उपाध्यक्ष), राजेश कुमार यादव (ब्लॉक महासचिव), बाबादीन (ब्लॉक सचिव), संतोष सिंह (जिला सचिव), श्रीराम सेवक, कन्हैयालाल, रामबहादुर, शिवमंगल, लक्ष्मीनारायण, सरजू प्रसाद, शारदा प्रसाद, रामनाथ, गोविंद, रामशरण, सुरेन्द्र प्रताप सिंह एडवोकेट, धनवती, रामभजन, रामनरेश सहित अन्य पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता।

समाधान दिवस आयोजित निस्तारण प्रक्रिया रही धीमी

कैनविज टाइम्स संवाददाता

94 में मात्र 5 शिकायतों को निस्तारित कर पाए अफसर

रामनगर, (बाराबंकी)। तहसील सभागार में संपूर्ण समाधान दिवस का आयोजन उप जिलाधिकारी विवेक शील यादव की अध्यक्षता में सम्पन्न हुआ। जन समस्याओं के निस्तारण हेतु आयोजित इस कार्यक्रम में कुल 94 प्रार्थना-पत्र प्राप्त हुए। इनमें से राजस्व विभाग से संबंधित 43, पुलिस विभाग के 30, विकास विभाग के 9, खाद्य एवं रसद विभाग के 5, जबकि श्रम विभाग, चकबंदी, नगर पंचायत, शिक्षा विभाग से एक-एक एवं समाज कल्याण विभाग से 3 प्रार्थना-पत्र प्रस्तुत किए गए। कार्यक्रम के दौरान ही त्वरित कार्रवाई करते हुए अधिकारियों ने पुलिस विभाग से संबंधित 1 तथा राजस्व विभाग के 5 मामलों का मौके पर ही निस्तारण कर दिया।इस अवसर पर तहसीलदार महिमा मिश्रा, नायब तहसीलदार (अतिरिक्त प्रभारी) सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे। उप जिलाधिकारी ने शेष प्रार्थना-पत्रों का शीघ्र एवं गुणवत्तापूर्ण निस्तारण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

दो भाइयों के बीच हुआ खूनी संघर्ष, तीन घायल, एक की हालत नाजुक

कैनविज टाइम्स संवाददाता

पुरानी रंजिश बनी हिंसा की वजह, आम बीनने को लेकर हुआ था विवाद

रहीमाबाद/लखनऊ। दो सगे भाइयों के बीच आम बीनने को लेकर शुरू हुआ विवाद खूनी संघर्ष में तब्दील हो गया। इस मारपीट की घटना में तीन लोग गंभीर रूप से घायल हो गए, जिनमें एक की हालत चिंताजनक बताई जा रही है। रहीमाबाद थाना क्षेत्र के कैथूलिया गांव निवासी रामकुमार और उनके भाई रामप्रसाद के बीच 6 जून को आम बीनने को लेकर कहासुनी हो गई थी। ग्रामीणों के अनुसार, इसी विवाद को लेकर रामप्रसाद ने अपने भाई को सबक सिखाने की ठान ली। सोमवार को जब रामकुमार अपने आम के बाग में पहुंचे तो रामप्रसाद पहले से ही पत्नी शांति, बेटी मनीषा और बेटे आलोक के साथ लाठी-डंडों और लोहे की रॉड के साथ घात लगाए बैठा था। आरोप है कि रामप्रसाद ने अपने परिजनों के साथ मिलकर रामकुमार को रस्सी से पेड़ से बांधकर बेरहमी से पीटा। इस दौरान रामकुमार के सिर पर लोहे के धारदार हथियार से वार किया गया। शोर सुनकर जब रामकुमार की पत्नी गीता और बेटी शिवानी मौके पर पहुंचीं तो आरोपियों ने उन्हें भी पीट दिया। घटना की जानकारी रामप्रसाद की बेटी मनीषा द्वारा पुलिस कंट्रोल रूम को दी गई। सूचना मिलते ही पीआरवी मौके पर पहुंची और 108 एंबुलेंस के जरिए सभी घायलों को मलिहाबाद सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र भिजवाया गया। जहां रामकुमार की हालत नाजुक बनी हुई है। हालांकि, ख़बर लिखे जाने तक किसी भी पक्ष की ओर से तहरीर नहीं दी गई थी। पुलिस का कहना है कि यह मामला आपसी पुरानी रंजिश का परिणाम है। ग्रामीणों ने प्रशासन से दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की है।

हैदरगढ़: ब्रह्मनान टीम ने पेचरूआ प्रीमियर लीग का पहला मुकाबला जीता

ग्रामीण परिवेश में प्रतिभा की कमी नहीं : दिनेश रावत

कैनविज टाइम्स संवाददाता

हैदरगढ़: पेचरूआ प्रीमियर लीग क्रिकेट प्रतियोगिता का पहला मुकाबला ब्रह्मनान टीम ने शानदार प्रदर्शन करते हुए जीत लिया। आठ दिवसीय इस क्रिकेट प्रतियोगिता में आसपास के जिलों की कुल 16 टीमें हिस्सा ले रही हैं। प्रतियोगिता का उद्घाटन क्षेत्रीय विधायक श्री दिनेश रावत द्वारा किया गया। कार्यक्रम में पहुंचे वरिष्ठ भाजपा नेता अरुण शुक्ला ने खिलाड़ियों का उत्साह वर्धन किया ।

पहला लीग मैच ब्रह्मनान और हैदरगढ़ टीम के बीच खेला गया। टॉस जीतकर ब्रह्मनान ने पहले बल्लेबाज़ी करते हुए निर्धारित 10 ओवरों में 122 रनों का मजबूत लक्ष्य खड़ा किया। जवाब में हैदरगढ़ की टीम 67 रन बनाकर सातवें ओवर की अंतिम (छठी) गेंद पर ऑल आउट हो गई। ब्रह्मनान टीम के खिलाड़ी अल्तमस ने बेहतरीन प्रदर्शन करते हुए 11 रन बनाए और 4 विकेट झटके। उनके इस प्रदर्शन के लिए उन्हें ''मैन ऑफ द मैच'' चुना गया। यह पुरस्कार ग्राम प्रधान श्री सोनू सिंह द्वारा प्रदान किया गया।

प्रतियोगिता का दूसरा लीग मैच औसास्वर और मरूई टीमों के बीच खेला गया। इस अवसर पर भाजपा नेता सौरभ मिश्रा नीतीश अवस्थी, श्री विनीत अवस्थी, श्री पारुल अवस्थी और श्री शरद सिंह सहित अनेक गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे।

बाढ़ राहत और बचाव कार्य में लापरवाही बर्दाश्त नहीं प्रभारी मंत्री की दो टूक

कैनविज टाइम्स संवाददाता

बाराबंकी।कलेक्ट्रेट स्थित लोकसभागार में आज जिले के प्रभारी मंत्री/कारागार मंत्री सुरेश राही ने जिले के अधिकारियों के साथ

बाढ़ प्रबंधन एवं बाढ़ से बचाव की समीक्षा की। बैठक में प्रभारी मंत्री ने रामनगर तहसील के बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों में चल रही परियोजनाओं की समीक्षा करते हुए सभी अधिकारियों को निर्देशित किया कि सभी कार्य समयबद्ध और गुणवत्ता पूर्ण तरीके से पूर्ण किए जाएं। उन्होंने स्पष्ट कहा कि राहत और बचाव कार्यों में किसी भी स्तर पर लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। प्रभारी मंत्री ने निर्देश दिए कि राहत किट, भोजन, दवाओं और अन्य आवश्यक वस्तुओं की आपूर्ति हेतु टेंडर प्रक्रिया समय से पूरी की जाए। साथ ही बाढ़ चौकियों और शरणालयों की स्थापना समय से सुनिश्चित करते हुए, वहां कर्मचारियों की ड्यूटी भी तय की जाए। उन्होंने कहा कि प्रभावित गांवों और परिवारों की अद्यतन सूची तैयार की जाए तथा संवेदनशील और अति संवेदनशील गांवों का चिन्हीकरण कर आवश्यक कदम उठाए जाएं। सभी बाढ़ कमेटियों का गठन कर नियमित बैठकें और गांवों में बाढ़ चौपालों का आयोजन कराने पर भी बल दिया गया। नावों के संचालन में सुरक्षा मानकों का पालन, लाइफ जैकेट की उपलब्धता, प्रशिक्षित नाविकों की तैनाती और मॉक ड्रिल का आयोजन भी सुनिश्चित करने को कहा गया। स्वास्थ्य विभाग को दवाओं, टीकों, ओआरएस, एंटी लार्वा,एंटी स्नैक आदि दवाओं की पर्याप्त व्यवस्था करने और स्वास्थ्य शिविरों का आयोजन करने के निर्देश दिए गए। पशुपालन विभाग को पशु टीकाकरण, चारा, भूसा और दवाओं की आपूर्ति सुनिश्चित करने के लिए कहा गया।

बैठक में जिलाधिकारी शशांक त्रिपाठी, पुलिस अधीक्षक अर्पित विजयवर्गीय, मुख्य विकास अधिकारी अन्ना सुदन, प्रशिक्षु आईएएस तेजस के., अपर जिलाधिकारी अरुण कुमार सिंह, अपर मुख्य चिकित्साधिकारी डॉ. डीके श्रीवास्तव, परियोजना निदेशक डीआरडीए, जिला विकास अधिकारी, अधीक्षण अभियंता बाढ़ खंड, अधीक्षण अभियंता विद्युत, सिंचाई विभाग, पीडब्ल्यूडी विभाग सहित अन्य विभागीय अधिकारीगण उपस्थित रहे।

विभाग की मौन स्वीकृति, मानक विपरीत हो रहा है खनन

कैनविज टाइम्स संवाददाता

मसौली, बाराबंकी। रसूखदार मानकों को दरकिनार कर खनन कार्य कर है। लेकिन सब कुछ जानकार भी खनन विभाग के जिम्मेदार अधिकारी एवं कर्मचारी खामोश है।जो जांच का विषय बना हुआ है और तरफ़ चर्चाओं का बाजार गर्म है।

बताते चले कि थाना क्षेत्र मसौली के कोटवा गांव में चौधरी पुरवा निवासी पवन की जमीन है। जिसमें खेतिहर भूमि में किसी निजी कार्य का हवाला देकर करीब तीन दिन से मिट्टी खनन कार्य किया जा रहा है।जबकि मिट्टी खनन की कितनी परमिशन है और किस प्रकार से मिट्टी को उपयोग में लिया जायेगा अथवा नही इसके बारे में उच्चाधिकारी से लेकर स्थानीय लेखपाल अतुल श्रीवास्तव मात्र परमिशन की बात कहकर अपना पल्ला झाड़ लेते है। स्थानीय निवासी धर्मेंद्र कुमार,शैलेश यादव,संतोष वर्मा व बंशीलाल गौतम बताते है कि तीन दिन से जेसीबी से लगतार हो रही मिट्टी खोदाई से करीब 4 फीट की गहरी खाई जैसा मैदान हो गया है।जिससे हम सभी के खेतों को आने वाले फसली समय में काफी नुकसान होगा जो कि एक अपूर्णीय क्षति होगी। लेकिन हमारी कोई सुनने वाला नही है। मिट्टी खुदाई करने वालों से जब कुछ पूछा तो ऊंची पहुँच का हवाला देकर मुंह बंद करा दिया जाता है। लोगों ने यह भी बताया कि मिट्टी थाना क्षेत्र में ही कही पर गेस्टहाउस के निर्माण के लिए डंफरो से जा रही है। जबकि यह सारे डम्फर थाना मसौली के सामने से गुजरने देखे जा सकते है। इतना सबकुछ होने के बाद भी खनन विभाग के अधिकारी एवं कर्मचारी मौन धारण कर शांत है। जबकि अगल बगल के खेतों के किसानों की बात भी ठेकेदार नही सुनता है। फिलहाल स्थानीय किसान काफी परेशान है।उनका कहना है कि सुनवाई न होने पर जिला अधिकारी से मुलाकात करके अपनी पीड़ा बताकर कार्यवाही की गुहार लगायेंगे।

अवैध खनन में लिप्त डंपर बने यमराज, जिम्मेदार मौन

निंदूरा बाराबंकी। कुर्सी थाना क्षेत्र में इन दिनों मिट्टी का अवैध खनन बड़े पैमाने में हो रहा है।रविवार को मिट्टी लेकर जा रहे डंफर ने अगासंड गांव के निकट बाइक सवार को रौंदा दिया।हादसे में लखनऊ के तकरोही निवासी अजय सिंह पुत्र धर्मेद्र सिंह 20 वर्ष गंभीर रूप से घायल हो गया। गंभीर रूप से घायल युवक को पुलिस ने निजी अस्पताल में भर्ती कराया। जहां पर युवक की हालत गंभीर बताई जा रही है।उधर घटना के बाद चालक डंपर छोड़कर मौके से फरार हो गया।घटना के बाद से ग्रामीणों में आक्रोश व्याप्त है।ग्रामीणों का कहना है कि भट्टे के नाम पर परमीशन लेकर खनन माफियाओं इधर-उधर मिट्टी बेच रहे है।खनन माफिया गांवों के लिए बनी सिंगल सड़कों पर डंपर दौड़ा रहे हैं जोकि हादसों का कारण बन रहे हैं।ग्रामीणों का आरोप है कि शिकायत के बाद पुलिस कार्रवाई नहीं कर रही है।वही इस संबंध में उमरा चौकी इंचार्ज अमित कुमार ने बताया कि बाइक सवार बहुत तेज था जो खुद ही जाकर डंपर में जा घुसा।डंपर चालक द्वारा उसका इलाज कराया जा रहा है।

पेट्रोल भुगतान और फर्जी नियुक्तियों के आरोपों की तीन महीने बाद भी जांच शुरू नहीं

मुरादाबाद। मुरादाबाद के मंडलायुक्त आंजनेय कुमार सिंह ने तीन माह पहले प्रोबेशन विभाग के उपनिदेशक के ऊपर लगे आरोपों की जांच के लिए का आदेश दिया था। लेकिन अब तक जांच शुरू नहीं हुई। मामला ठंडे बस्ते में जाता दिख रहा है। वहीं इस बाबत कमिश्नर ने कहा कि अभी तक जांच शुरू नहीं की गई है तो जांच के लिए गठित टीम के अधिकारियों से स्पष्टीकरण मांगा जाएगा। तीन महीने पहले उप निदेशक प्रोबेशन राजेश गुप्ता के द्वारा जिला प्रोबेशन अधिकारी के पद पर रहते हुए सरकारी कार्य के लिए प्रयोग किए गए चार पहिया वाहन के ईंधन का लाखों रुपये फर्जी तरीके से भुगतान करने का आरोप लगा था। इसके अलावा उन पर डिप्टी डायरेक्टर पद पर रहते संप्रेक्षण गृह में 3, महिला शरणालय में 3, किशोर न्याय बोर्ड में एक फर्जी तरीके से नियुक्ति करने का आरोप भी है। जबकि जिला बाल संरक्षण इकाई चयन समिति में जिलाधिकारी समेत छह सदस्यीय कमेटी द्वारा नियुक्ति की प्रक्रिया का नियम है। मंडलायुक्त ने इन आरोपों की जांच के लिए तीन सदस्यीय कमेटी गठित की थी।

हत्या के आधा दर्जन आरोपियों को आजीवन कारावास अर्थ दण्ड भी

बाराबंकी। जनपद न्यायाधीश श्रीमती प्रतिमा श्रीवास्तव ने हत्या के एक मुकदमें का फैसला सुनाते हुए सभी आधा दर्जन लोगों को दोषी करार देते हुए आजीवन कारावास तथा प्रत्येक को दस हजार रूपये अर्थ दण्ड से दण्डित किया।

जिला शासकीय अधिवक्ता फौजदारी अमित कुमार अवस्थी,सहायक शासकीय अधिवक्ता आशीष शरण गुप्ता ने अभियोजन कथानक का ब्योरा देते हुए बताया कि 2 मार्च 2018को गांव खुर्दा थाना रामनगर बाराबंकी निवासी कुलदीप चौहान अपनी पत्नी सावित्री देवी को उसके मायके ग्राम मरका मऊ थाना बदोसराय छोड़ने गया था, वहीं से वापस आते समय ग्राम खुर्दा निवासी हरिश चन्द्र,विनोद पुत्र गण नन्हू, लल्लन वा पप्पू पुत्रगण रामसुमिरान तथा पिंटू वा उत्तम ने मिलकर वादिनी जावित्री के पति कुलदीप चौहान की योजनाबद्ध तरीके से हत्या कर लाश पेड़ में लटका दी थी। यह हत्या काफी दिन तक पुलिस के लिए पहेली बनी रही।काफी दिन बाद पुलिस ने घटना का पर्दाफाश किया था।

तहसीलदार ने पूर्ण मनोयोग से सुनी जन शिकायतें, दो का तत्काल निदान

सिरौलीगौसपुर बाराबंकी । तहसील के पारिजात सभागार में तहसीलदार शरद सिंह की अध्यक्षता में आयोजित संपूर्ण समाधान दिवस में कुल 26 शिकायती पत्र प्राप्त हुए। इनमें से राजस्व से संबंधित 2 शिकायतों का मौके पर ही समाधान कर दिया गया। ग्राम डूंडी के राम बिलास, जितेन्द्र और राहुल ने एक महत्वपूर्ण शिकायत दर्ज कराई। उन्होंने बताया कि गांव के खलिहान की भूमि गाटा संख्या 1198 पर लोगों ने अवैध कब्जा कर रखा है।तहसीलदार ने हल्का लेखपाल को इस मामले में तत्काल कार्यवाही करने के निर्देश दिए। उन्होंने सभी विभाग अध्यक्षों को शिकायतों का गुणवत्तापूर्ण निस्तारण सुनिश्चित करने को कहा।कार्यक्रम में अर्चना वर्मा, चेतराम, उपनिरीक्षक राजेश कुमार, अभिषेक, प्रेमचन्द्र, प्रदीप कुमार वर्मा, आशुतोष मिश्रा, शुभेन्द्र अवस्थी और रत्नेश शुक्ला सहित अन्य अधिकारी मौजूद रहे।

नदी में डूब कर पशुपालक मुखिया की मौत

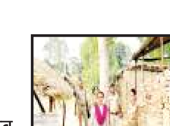

सिरौलीगौसपुर बाराबंकी। तहसील सिरौलीगौसपुर क्षेत्र में सोमवार दोपहर सरयू नदी में भैंस नहलाते समय 22 वर्षीय बलराम यादव डूब गए। घटना ग्राम पंचायत मनीराम पुरवा गांव के पास हुई।बलराम के माता-पिता का पहले ही निधन हो चुका है। परिवार में तीन बहनें और एक भाई हैं। दो बड़ी बहनों की शादी हो चुकी है। बलराम तीसरे नंबर पर था और उसके एक छोटी बहन की शादी होनी बाकी है। घटना की सूचना पर एसडीएम प्रीति सिंह, तहसीलदार शरद कुमार सिंह, सीओ गरिमा पंत और कोतवाल संतोष कुमार मौके पर पहुंचे। मोटर बोट और गोताखोरों की मदद से युवक की तलाश जारी है। नदी में तेज बहाव के कारण अभी तक युवक का पता नहीं चल सका है। परिजन रो-रोकर बेहाल हैं।

उत्तर रेलवे

ई-निविदा सूचना

भारत के राष्ट्रपति की ओर से उप मुख्य विद्युत अभियन्ता, कर्मशाला, उत्तर रेलवे, सवारी एवं माल डिब्बा कारखाना, आलमबाग, लखनऊ निर्धारित प्रपत्र पर निम्नलिखित कार्यों हेतु मोहरबन्द निविदायें आमंत्रित करते है।

1	निविदा सूचना संख्याः- विद्युत/डब्ल्यू०/आलमबाग/202/2025-26				
क	कार्य का विवरणः कैरेज एण्ड वैगन वर्कशाप, आलमबाग, लखनऊ में विभिन्न शॉपों एवं स्क्रैप डिपो आलमबाग के बीच स्क्रैप एवं नये सामान को लाने व ले जाने का कार्य।				
ख	अनुमानित लागत	रू० 21,47,510/-	ग	धरोहर राशि	रू० 43,000/-
घ	निविदा प्रपत्र मूल्य	शून्य	ड.	कार्य समापन अवधि	24 माह
अन्य सूचना					
2	निविदा प्रपत्र जमा करने की तिथि एवम समय	01.07.2025 को अपरान्ह 15:00 बजे तक।			
3	निविदा खुलने की तिथि व समय	01.07.2025 को अपरान्ह 15:00 बजे के बाद।			

• निविदा प्रपत्र वेबसाइट www.ireps.gov.in पर उपलब्ध है तथा निर्धारित तिथि के अनुसार भरा जा सकता है। • मैनुअल आफर पर विचार नहीं किया जायेगा। • निविदाकर्ता निविदा फार्म की धरोहर राशि का भुगतान केवल www.ireps.gov.in पोर्टल पर उपलब्ध ऑनलाइन भुगतान प्रणाली द्वारा ही किया जायेगा। • डिमांड ड्राफ्ट/बैंकर्स चेक/डिपॉजिट रसीद/एफ०डी०आर० या अन्य किसी रूप में निविदा धरोहर धनराशि का भुगतान स्वीकार नहीं किया जायेगा। • प्रस्तावों के खुलने के बाद अतिरिक्त दस्तावेज़ की प्रस्तुति एवं उससे संबन्धित निविदा उपरान्त किसी प्रकार के पत्राचार स्वीकार नहीं किए जाएंगे। निविदादाता के निविदा उपरान्त पत्रों को भी शून्य एवं प्रभावहीन माना जायेगा। निविदा संख्याः- विद्युत/डब्ल्यू०/आलमबाग/202/2025-26 दिनांक-09.05.2025 1703/2025

ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ

बीसीसीआई ने द. अफ्रीका और वेस्टइंडीज के साथ होने वाली घरेलू सीरीज के कार्यक्रम में किया बदलाव

एजेंसी

नयी दिल्ली। भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) के मुताबिक कोलकाता के ईडन गार्डन और दिल्ली के अरुण जेटली स्टेडियम भारत के आगामी घरेलू सत्र के दौरान क्रमशः वेस्टइंडीज और दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ अपने आवंटित टेस्ट मैचों की अदला-बदली करेंगे।

दिल्ली को पहले 14 से 18 नवंबर तक दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ शुरुआती टेस्ट की मेजबानी करनी थी, लेकिन अब वह 10 अक्टूबर से वेस्टइंडीज के खिलाफ दूसरे टेस्ट की मेजबानी करेगा। बीसीसीआई की सोमवार को जारी विज्ञप्ति में स्थल परिवर्तन का कारण नहीं बताया गया है, लेकिन समझा जाता है कि राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र में नवंबर के मध्य में वायु प्रदूषण के स्तर के खतरनाक होने के कारण यह फैसला लिया गया है। कुछ साल पहले भारत और श्रीलंका के बीच खेले गए टेस्ट मैच के दौरान खिलाड़ियों को काफी परेशानी का सामना करना पड़ा था। इस मैच के दौरान श्रीलंकाई क्षेत्ररक्षकों ने मास्क पहने हुए थे और कुछ को कथित तौर पर सांस लेने में तकलीफ हो रही थी। समझा जाता है कि बीसीसीआई की क्रिकेट संचालन टीम ने पिछले कुछ वर्षों के एक्यूआई (वायु गुणवत्ता सूचकांक) डेटा को एकत्रित किया और निर्णय लिया कि स्थल परिवर्तन एक व्यवहार्य विकल्प है। भारत का घरेलू सत्र वेस्टइंडीज के खिलाफ विश्व टेस्ट चैंपियनशिप के तहत खेले जाने वाले दो टेस्ट मैचों से शुरू होगा। इसकी शुरुआत दो अक्टूबर को अहमदाबाद में होगी, उसके बाद दिल्ली टेस्ट होगा। भारतीय टीम इसके बाद विभिन्न स्थानों पर दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ तीनों प्रारूपों की पूरी श्रृंखला खेलेगी। इसमें दो टेस्ट मैच तीन वनडे और पांच टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच खेले जाएंगे। दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ कोलकाता शुरुआती टेस्ट मैच की मेजबानी करेगा जबकि गुवाहाटी के बारसापारा स्टेडियम में 22 से 26 नवंबर तक श्रृंखला का दूसरा टेस्ट खेला जाएगा। इस स्टेडियम के लिए यह पहला टेस्ट मैच होगा। दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ वनडे मैच रांची (30 नवंबर), रायपुर (तीन दिसंबर) और विशाखापत्तनम (छह दिसंबर) में खेले जाएंगे जबकि पांच टी-20 अंतरराष्ट्रीय मैच कटक (नौ दिसंबर), न्यू चंडीगढ़ (11 दिसंबर), धर्मशाला (14 दिसंबर), लखनऊ (17 दिसंबर) और अहमदाबाद (19 दिसंबर) में खेले जाएंगे। तमिलनाडु क्रिकेट संघ (टीएनसीए) ने इस बीच 14 सितंबर से ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ शुरू होने वाली महिला वनडे श्रृंखला की मेजबानी करने में असमर्थता जताई है। इस श्रृंखला को 50 ओवर के विश्व कप की तैयारी के तौर पर देखा जा रहा है। तीस सितंबर से शुरू होने वाली श्रृंखला के पहले दो मैच अब न्यू चंडीगढ़ (मुल्लांपुर) और तीसरा मैच नयी दिल्ली में खेला जाएगा। भारत इस दौरान ऑस्ट्रेलिया 'ए' और दक्षिण अफ्रीका 'ए' टीम की मेजबानी करेगा। इन दोनों देशों के खिलाफ युवा खिलाड़ियों से सजी भारत 'ए' की टीम दो-दो टेस्ट और तीन-तीन एकदिवसीय मैच खेलगी। ऑस्ट्रेलिया 'ए' के खिलाफ श्रृंखला का आयोजन लखनऊ और कानपुर में होगा जबकि बीसीसीआई का बेंगलुरु स्थित राष्ट्रीय उत्कृष्टता केंद्र (सीओई) दक्षिण अफ्रीका 'ए' के खिलाफ टेस्ट मैचों की मेजबानी करेगा। राजकोट तीन वनडे मैचों की मेजबानी करेगा। ऑस्ट्रेलिया 'ए' टेस्ट मैच लखनऊ में 16 से 19 सितंबर और 23 से 26 सितंबर को खेले जाएंगे, जिससे टेस्ट विशेषज्ञों को वेस्टइंडीज के खिलाफ होने वाले मैचों के लिए खुद को तैयार करने का मौका मिलेगा। दक्षिण अफ्रीका ए सीरीज के लिए भी यही स्थिति है जिसका आयोजन उनकी राष्ट्रीय टीम के दौरे से पहले होगा।

बुमराह के 'विशेष' संदेश ने सर्जरी से पहले बढ़ाया था ग्रीन का मनोबल

एजेंसी

लंदन। कैमरून ग्रीन की पीठ की सर्जरी की पूर्व संध्या पर भारतीय तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह के एक 'विशेष' संदेश ने ऑस्ट्रेलिया के इस हरफनमौला को सर्जरी करवाने के उनके फैसले को लेकर आश्वस्त कर दिया। ग्रीन को पिछले साल 'स्ट्रेस फ्रैक्चर' हुआ था। यह चोट हालांकि नौ से बारह महीनों में स्वाभाविक रूप से ठीक हो सकती थी, लेकिन उन्होंने अक्टूबर में सर्जरी करवाने का फैसला किया। ग्रीन ने संवाददाताओं से कहा, ''जसप्रीत बुमराह ने सर्जरी करवाने से एक रात पहले मुझसे संपर्क किया था। वह उस समय भारतीय टीम के लिए एक टेस्ट मैच खेल रहे थे। ग्रीन ने कहा, '' ऐसी कुछ चीजें वाकई बहुत खास होती हैं और आपको इससे बहुत अच्छा महसूस होता है। उनके जैसे किसी व्यक्ति का साथ मिलना और फिर उन्हें ऑस्ट्रेलिया में शानदार प्रदर्शन करते देख कर मेरा आत्मविश्वास काफी बढ़ गया है। ग्रीन 2023 आईपीएल सत्र में मुंबई इंडियंस का हिस्सा थे। उस समय बुमराह सर्जरी से उबरने के लिए टीम से बाहर थे। वह इस सर्जरी के कारण 2022 टी20 विश्व कप खेलने से भी चूक गये थे। उन्होंने हालांकि सर्जरी के बाद शानदार वापसी की और भारत को 2023 वनडे विश्व कप के फाइनल में पहुंचने के बाद पिछले साल टी20 विश्व कप चैंपियन बनाने में अहम योगदान दिया। बुमराह इसके बाद बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी में पांच मैचों में 32 विकेट लेकर श्रृंखला के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी बने। छब्बीस साल के ग्रीन को जेसन बेहरेनडॉर्फ इसी तरह की सर्जरी से गुजरने वाले अन्य गेंदबाजों से भी उत्साहजनक प्रतिक्रिया मिली। ग्रीन ने 'क्रिकेट डॉट कॉम डॉट एयू' के 'अनप्लेएबल पॉडकास्ट' को बताया, ''(ऑपरेशन का) मुख्य कारण हड्डी के कुछ अतिरिक्त भाग को अलग करना था। जाहिर है कि मेरे 'एल4' में थोड़ी परेशानी थी और रीढ़ के उस हिस्से पर अतिरिक्त हड्डी विकसित हो गई थी। उन्होंने कहा, ''मझे इस हड्डी के कारण झुकने में भी परेशानी हो रही थी। इस अतिरिक्त हड्डी का दूसरी हड्डियों पर दबाव पड़ा जिससे वहां भी समस्या हो गयी। यह पीठ की चोट के मामले में बेहद दुर्लभ है। ग्रीन के इस सप्ताह दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ शुरू होने वाले डब्ल्यूटीसी फाइनल में विशेषज्ञ बल्लेबाज के रूप में खेलने की उम्मीद है। वह ग्लूस्टरशायर के लिए पांच काउंटी क्रिकेट मैचों में तीन शतकों के दम पर टेस्ट टीम में वापसी करने में सफल रहे हैं। उन्होंने कहा, ''पीठ की चोट का एक सकारात्मक पहलू यह है कि मुझे बल्लेबाज बनने के लिए केवल चार मौके मिले हैं। उन्होंने कहा, '' मुझे लगता है कि मेरा खेल उस समय (टीम में बतौर बल्लेबाज शामिल होगा) और अच्छा रहता है। मैं हमेशा गेंदबाजी करता रहूंगा, लेकिन ऐसी स्थिति में आपको अपने खेल के सिर्फ एक पहलू पर पूरा ध्यान लगाना होता है।

भारतीय निशानेबाजी लीग से भारत में इस खेल को बढ़ावा मिलेगा: ओलंपिक पदक विजेता टकर

एजेंसी

नयी दिल्ली। तोक्यो ओलंपिक की रजत पदक विजेता मैरी टकर का मानना है कि भारतीय निशानेबाजी लीग (एसएलआई) भारत और दुनिया भर में इस खेल को विकसित करने का बड़ा अवसर प्रदान करेगी। तोक्यो ओलंपिक 2020 में 10 मीटर एयर राइफल टीम स्पर्धा में रजत पदक जीतने वाली इस 23 साल की इस निशानेबाज ने कहा कि उन्हें टीम प्रारूप वाले टूर्नामेंटों में प्रतिस्पर्धा करना पसंद है। उन्होंने एनसीएए (नेशनल कॉलेजिएट एथलेटिक एसोसिएशन, अमेरिका) प्रतियोगिताओं में केंटुकी विश्वविद्यालय और वेस्ट वर्जीनिया विश्वविद्यालय का प्रतिनिधित्व करने के साथ जर्मनी की बुंडेसलीगा में साल्टेंडोर्फ टीम का भी प्रतिनिधित्व किया है। टकर ने कहा, '' मुझे लीग बहुत पसंद है। मुझे एनसीएए और बुंडेसलीगा का अनुभव है। मुझे टीम में रहना और दर्शकों को पूरी टीम का समर्थन करने का माहौल पसंद है। उन्होंने यहां जारी विज्ञप्ति में कहा, ''मुझे शीर्ष एथलीटों और जूनियर एथलीटों के एक साथ प्रतिस्पर्धा करने का प्रारूप बहुत पसंद है। मुझे लगता है कि यह भारत और दुनिया भर में निशानेबाजी खेलों को विकसित करने का एक बड़ा अवसर है। आईएसएसएफ ने एसएलआई के पहले सत्र के लिए 20 नवंबर से दो दिसंबर के बीच का समय आवंटित किया है। इस लीग में पिस्टल (10 मीटर, 25 मीटर), राइफल (10 मीटर, 50 मीटर 3 पोजीशन) और शॉटगन (ट्रैप और स्कीट) में मिश्रित टीम स्पर्धाएं होंगी। टकर ने कहा, '' भारत इस खेल में वास्तव में उच्च स्तर पर है, इसलिए यह भारतीय निशानेबाजों के लिए दूसरे देशों के साथ प्रतिस्पर्धा करने का एक अच्छा अवसर है।

पुर्तगाल के चैंपियन बनने के बाद रोनाल्डो की आंखों में छलके खुशी के आंसू

एजेंसी

म्यूनिख। दिग्गज खिलाड़ी क्रिस्टियानो रोनाल्डो उस समय भावनाओं पर काबू नहीं रख पाये जब स्पेन के खिलाफ नेशंस लीग फुटबॉल के फाइनल में पुर्तगाल के गोलकीपर डिएगो कोस्टा ने अल्वारो मोराटा की चौथी पेनल्टी बचाई और फिर रुबेन नेवेस ने अपनी टीम की पांचवीं पेनल्टी को गोल में बदलकर जीत सुनिश्चित कर दी। टीम की जीत तय होते ही रोनाल्डो की आंखों में खुशी के आंसू छलक आये। उन्होंने कहा कि देश के लिए ट्रॉफी जीतने से बड़ा कुछ भी नहीं। पुर्तगाल के इस 40 साल के कप्तान ने कहा, ''मैंने अपने क्लबों के साथ कई खिताब जीते हैं, लेकिन पुर्तगाल के लिए जीतने से बड़ा कुछ नहीं है। रोनाल्डो ने इस प्रतियोगिता में टीम की सफलता में अहम भूमिका निभाई। रविवार को खेले गये फाइनल में उन्होंने मैच के 61वें मिनट में गोल कर स्कोर 2-2 से बराबर किया जिससे यह मुकाबला पेनल्टी शूटआउट में खिंचा। पुर्तगाल ने पेनल्टी शूटआउट में 5-3 से जीत दर्ज की। रोनाल्डो के लिए यह एक और खिताब, अंतरराष्ट्रीय गोल के रिकॉर्ड में सुधार में सुधार से कहीं बढ़ कर था। वह मैच से पहले वार्म अप के लिए मैदान में पहुंचने वाले पहले खिलाड़ी थे। पुर्तगाल के समर्थकों ने जोर से शोर मचाकर उनका स्वागत किया। स्टेडियम में ज्यादातर समर्थकों ने उनके नाम की जर्सी पहन रखी थी। उन्होंने इससे पहले सेमीफाइनल में निर्णायक गोल कर जर्मनी के खिलाफ पुर्तगाल को 25 साल में पहली जीत दिलाई थी। उन्होंने इसके बाद फाइनल में भी अपने अंतरराष्ट्रीय करियर का रिकॉर्ड 138वां गोल कर प्रशंसकों को जश्न मनाने का मौका दिया। देश के लिए 221 वां मैच खेल रहे रोनाल्डो के 61वें मिनट में किये गये गोल से पहले स्पेन की टीम 2-1 से आगे थी। वह हालांकि थकान के हावी होने के बाद मैच के 88वें मिनट में मैदान से बाहर चले गये। रोनाल्डो ने कहा कि वह इस मुकाबले में चोट के साथ पहुंचे थे। उन्होंने कहा, ''मैंने वार्मअप के दौरान ही चोट को महसूस कर लिया था। मैं इस चोट को पिछले समय से यह महसूस कर रहा था। राष्ट्रीय टीम के लिए अगर मुझे अपना पैर तोड़ना पड़ता तो भी मैं संकोच नहीं करता।'' रोनाल्डो ने कहा, '' यह इस ट्रॉफी के लिए था, मुझे खेलना था और मैंने अपना सर्वश्रेष्ठ दिया। सऊदी अरब के अल-नासर के साथ उनका अनुबंध जून के अंत तक ही है और क्लब फुटबॉल को लेकर उनका भविष्य अनिश्चित है। उन्होंने सऊदी प्रो लीग में टीम के आखिरी मैच के बाद सोशल मीडिया पर पोस्ट किया कि 'यह अध्याय समाप्त हुआ।

अतीका रोटैक्स यूरो ट्रॉफी में शीर्ष 10 में स्थान हासिल करने वाली पहली भारतीय बनीं

ट्रिनेच (चेक गणराज्य)। भारत की दस वर्षीय रेसर अतीका मीर ने रोटैक्स यूरो ट्रॉफी में शीर्ष-10 में जगह बनाकर एक और उपलब्धि अपने नाम की। रोटैक्स यूरो ट्रॉफी एक प्रमुख अंतरराष्ट्रीय कार्टिंग सीरीज है। अक्सेल जीपी समर्थित अतीका ने सप्ताहांत में स्टील रिंग सर्किट में आयोजित रोटैक्स यूरो ट्रॉफी के दूसरे चरण में नौवां स्थान हासिल किया। फॉर्मूला वन से वित्तीय और तकनीकी सहायता पाने वाली पहली भारतीय अतीका क्वालीफाइंग में शानदार प्रदर्शन कर अपने ग्रुप में सातवें स्थान पर रहीं। उन्हें हालांकि दो बंपर पेनाल्टी मिली लेकिन वह इसके बावजूद वह तीन हिट्स के बाद 10वें स्थान पर रहीं। भारत के पहले फॉर्मूला वन ड्राइवर नारायण कार्तिकेय से प्रशिक्षण लेने वाली अतीका ने रविवार को फाइनल से पहले बारिश के कारण मुश्किल परिस्थितियों में अपनी असाधारण प्रतिभा का परिचय दिया।

दुनिया का सबसे बड़ा कंटेनर जहाज एमएससी इरिना विझिनजाम बंदरगाह पर पहुंचा

एजेंसी

नई दिल्ली। दुनिया का सबसे बड़ा कंटेनर जहाज एमएससी इरिना सोमवार को केरल के तिरुवनंतमपुरम में विझिनजाम अंतरराष्ट्रीय बंदरगाह पर सुबह आठ बजे पहुंचा। कंटेरन जहाज के यहां पहुंचने पर उसका स्वागत पारंपरिक जल सलामी के साथ किया गया। ये जहाज मंगलवार तक यहां रहेगा। दुनिया के सबसे बड़े कंटेनर जहाज एमएससी इरिना ने विझिनजाम अंतरराष्ट्रीय बंदरगाह पर ऐतिहासिक शुरुआत की। दक्षिण एशियाई बंदरगाह की अपनी पहली यात्रा पर आया ये जहाज सुबह 8 बजे बंदरगाह पर पहुंचा, जिसने अल्ट्रा-लार्ज कंटेनर जहाजों (यूएलसीवी) को संभालने में विझिनजाम की क्षमताओं को उजागर किया। एमएससी इरिना, जिसे टीईयू (बीस फुट समतुल्य इकाई) क्षमता के हिसाब से दुनिया का सबसे बड़ा कंटेनर जहाज बताया जा रहा है, जो मंगलवार तक बंदरगाह पर खड़ा रहेगा। विझिनजाम अंतरराष्ट्रीय बंदरगाह को अडाणी समूह ने बनाया है। प्रधानमंत्री मोदी ने 2 मई को इसका उद्घघाटन किया। दुनिया के सबसे बड़े जहाज का आगमन नए बंदरगाह के लिए मील का पत्थर है। एमएससी इरिना जहाज की क्षमता 24,346 टीईयू की है, जो इसे वैश्विक शिपिंग में एक मजबूत खिलाड़ी बनाती है। 399.9 मीटर की लंबाई और 61.3 मीटर की चौड़ाई के साथ यह जहाज फीफा द्वारा नामित एक मानक फुटबॉल मैदान से लगभग चार गुना लंबा है। इस को मार्च, 2023 में लॉन्च किया गया था, जो उसी वर्ष अप्रैल में अपनी पहली यात्रा पर निकला था। लाइबेरियाई झंडे के नीचे चलने वाला यह जहाज 26 स्तरों तक ऊंचे कंटेनरों को ढेर करने के लिए डिजाइन किया गया है, जो कंटेनर स्टैकिंग में बेजोड़ क्षमता प्रदान करता है। समकालीन पर्यावरण मानकों के अनुरूप, यह पोत ऊर्जा-बचत सुविधाओं से सुसज्जित है, जो कार्बन उत्सर्जन में 4 फीसदी तक की कमी लाने में योगदान देता है, जिससे परिचालन दक्षता बनाए रखते हुए इसके कार्बन पदचिह्न में उल्लेखनीय कमी आती है। उल्लेखनीय है कि एमएससी इरिना जहाज का यह स्मारकीय आगमन विझिनजाम बंदरगाह के लिए भी एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर साबित हुआ, जिसे 2 मई को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने राष्ट्र को समर्पित किया था।

इस बंदरगाह ने जुलाई, 2024 में परीक्षण के आधार पर और उसके बाद दिसंबर में वाणिज्यिक संचालन शुरू होने के बाद से अब तक 7.33 लाख कंटेनरों को संभालने वाले 349 जहाजों को बर्थिंग की सुविधा प्रदान की है।

जियो ब्लैकरॉक म्यूचुअल फंड ने शीर्ष स्तर पर अधिकारियों की नियुक्ति की

नयी दिल्ली। जियो फाइनेंशियल सर्विसेज लिमिटेड (जेएफएसएल) और अमेरिकी कंपनी ब्लैकरॉक के बीच 50:50 के संयुक्त उद्यम जियो ब्लैकरॉक एसेट मैनेजमेंट प्राइवेट लिमिटेड ने अपनी शीर्ष नेतृत्व टीम की नियुक्ति कर दी है। कंपनी ने सोमवार को यह जानकारी दी। म्यूचुअल फंड कंपनी ने पिछले महीने ही सिड स्वामीनाथन को कंपनी का प्रबंध निदेशक और मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) नियुक्त किया था। कंपनी ने बयान में कहा कि जियो ब्लैकरॉक एसेट मैनेजमेंट की नेतृत्व टीम संपदा प्रबंधन अनुभव, डिजिटल नवोन्मेषण और ग्राहक-केंद्रित उत्पाद डिजाइन को एक साथ लाती है। साथ में, टीम लाखों लोगों के लिए इसे अधिक सुलभ और सस्ता बनाकर भारत में निवेश को बदलने के जियो ब्लैकरॉक के मिशन को पूरा करने के लिए तैयार है। कंपनी ने अमित भोसले को मुख्य जोखिम अधिकारी, अमोल पई को मुख्य प्रौद्योगिकी अधिकारी और बिराजा त्रिपाठी को उत्पाद प्रमुख के रूप में नियुक्त किया है।

संक्षिप्त समाचार

जीत के करीब आकर फ्रेंच ओपन का खिताब चूकने से सिनर का दिल टूटा

पेरिस। शीर्ष रैंकिंग के खिलाड़ी यानिक सिनर फ्रेंच ओपन में दमदार प्रदर्शन के बाद फाइनल में खिताब के बेहद करीब आकर हार का सामना करने से निराश है। गत चैंपियन स्पेन के कार्लोस अल्कारेज के खिलाफ सिनर के पास चौथे सेट में तीन मैच प्वाइंट थे लेकिन वह इसे भुनाने में नाकाम रहे। दूसरे वरीय और गत विजेता अल्कारेज ने दो सेट गंवाने के बाद जोरदार वापसी करते हुए रविवार को इटली के 23 साल के सिनर को पांच सेट तक चले कड़े मुकाबले में शिकस्त दी। अल्कारेज ने तीन मैच प्वाइंट बचाते हुए पांच घंटे 29 मिनट में 4-6, 6-7, 6-4, 7-6, 7-6 से जीत दर्ज की। चौथे सेट में 22 साल के अल्कारेज 3-5 के स्कोर के बाद 0-40 से पीछे चल रहे थे लेकिन फिर उन्होंने अपने प्रतिद्वंद्वी को पीछे छोड़ते हुए टाईब्रेकर में 7-6 से जीत हासिल की। सिनर ने मैच गंवाने के बाद कहा, '' यह एक अद्भुत ट्रॉफी है, इसलिए मैं आज रात ठीक से सो नहीं पाऊंगा, लेकिन यह ठीक है। उन्होंने इस हार पर निराशा जताते हुए संवाददाता सम्मेलन में कहा, '' जाहिर है, यह निराशाजनक है। उन्होंने कहा, ''मेरे पास अभी कहने के लिए बहुत कुछ नहीं है। मैं हर दिन सुधार करने की कोशिश करता है और मुझे इस बात खुशी है कि खुद को इस तरह की स्थिति में पहुंचा पाया। यह एक बहुत ही रोमांचक और उच्च स्तरीय मुकाबला था। मैं इसका हिस्सा बनकर खुश हूं। लेकिन हां, अंतिम परिणाम दुखदायी है। सिनर के लिए इस परिणाम को पचा पाना मुश्किल था क्योंकि उन्होंने फाइनल तक पहुंचने के दौरान एक भी सेट नहीं गंवाया था। इस दौरान उन्होंने तीन बार के फ्रेंच ओपन चैंपियन नोवाक जोकोविच पर सेमीफाइनल में प्रभावी जीत दर्ज की थी। अल्कारेज का सामना करने से पहले सिनर ने कभी भी ग्रैंड स्लैम फाइनल नहीं हारे थे। उन्होंने अपने पहले तीनों ग्रैंड स्लैम फाइनल जीते हैं और उनके पास इस मैच में जीत दर्ज कर ओपन युग में लगातार तीन ग्रैंड स्लैम जीतने वाला पांचवां खिलाड़ी बनने का मौका था। अल्कारेज ने पुरस्कार समारोह के दौरान सिनर ने कहा, '' मुझे पूरा यकीन है कि आप चैंपियन बनेंगे, एक बार नहीं बल्कि कई बार बनेंगे। हर टूर्नामेंट में आपके खिलाफ खेलना और साथ में इतिहास बनाना मेरे लिए सौभाग्य की बात है। सिनर इस हार के बाद भी एटीपी रैंकिंग में शीर्ष पर काबिज रहेंगे। उन्होंने कहा कि वह परिवार और करीबी लोगों के साथ समय बिता कर इस हार की निराशा को कम करने की कोशिश करेंगे।

मदुरै-तूतीकोरिन राजमार्ग पर टोल संग्रह रोकने के आदेश पर उच्चतम न्यायालय की अंतरिम रोक

नयी दिल्ली। उच्चतम न्यायालय ने भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण (एनएचएआई) को मदुरै-तूतीकोरिन राष्ट्रीय राजमार्ग पर टोल संग्रह से रोकने के आदेश पर अंतरिम रोक लगा दी है। न्यायमूर्ति प्रशांत कुमार मिश्रा और न्यायमूर्ति मनमोहन की पीठ ने सोमवार को तूतीकोरिन जिले के तमिलनाडु उत्पादन एवं वितरण निगम के सेवानिवृत्त सहायक कार्यकारी अभियंता वी. बालकृष्णन को नोटिस भी जारी किया। बालकृष्णन की याचिका पर मद्रास उच्च न्यायालय ने यह आदेश पारित किया था। एनएचएआई की ओर से पेश अतिरिक्त सॉलिसिटर जनरल एन. वेंकटरमन के उच्च न्यायालय के आदेश पर रोक लगाने की अपील के बाद शीर्ष अदालत ने यह निर्देश दिया। याचिकाकर्ता की ओर से पेश वरिष्ठ अधिवक्ता पी. विल्सन ने याचिका का विरोध करते हुए टोल वसूली को 'दिनदहाड़े की डकैती' करार दिया। शीर्ष अदालत एनएचएआई द्वारा उच्च न्यायालय के तीन जून के आदेश के खिलाफ दायर अपील पर सुनवाई कर रही थी, जिसमें प्राधिकरण को टोल वसूलने से रोक दिया गया था। इस मामले में यह देखा गया था कि सड़क के दोनों ओर पौधे नहीं लगाए गए हैं, जिससे इसका उचित रखरखाव नहीं हो पाया है। इसके बाद उच्च न्यायालय ने बालकृष्णन द्वारा दायर जनहित याचिका पर यह आदेश दिया था। याचिका में दावा किया गया था कि मदुरै-तूतीकोरिन राजमार्ग के लिए अनुबंध, 2006 में दिया गया था और 2011 में इस खंड पर काम शुरू हुआ था। उन्होंने अनुबंध का हवाला दिया और तर्क दिया कि ठेकेदार को दोनों तरफ और बीच के मध्य भाग में पौधे लगाने थे, लेकिन यह केवल आंशिक रूप से किया गया था। बालकृष्णन ने कहा कि ठेकेदार ने सड़कों के उपयोग की तारीख से दो टोल प्लाजा से टोल एकत्र किया, लेकिन वह सड़क का रखरखाव करने में विफल रहा और रखरखाव के कारण इस खंड के कई हिस्से आवागमन के योग्य नहीं थे।

पीयूष गोयल 9 से 13 जून तक स्विट्जरलैंड और स्वीडन की यात्रा पर

गोयल उद्योग जगत के दिग्गजों से मिलेंगे, निवेश बढ़ाने पर होगी चर्चा

एजेंसी

नई दिल्ली। केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल 9 से 13 जून तक स्विट्जरलैंड और स्वीडन की आधिकारिक दौरे पर हैं। वाणिज्य मंत्री की इस यात्रा का मकसद आर्थिक और व्यापारिक साझेदारी को मजबूत करने के लिए साथ-साथ रणनीतिक ट्रेड और विनिवेश संबंधों को आगे बढ़ाना है। वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय के मुताबिक केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री की इस यात्रा की शुरुआत स्विटजरलैंड से होगी, जहां मंत्री वैश्विक मुख्य कार्यपालक अधिकारियों (सीईओ) और प्रभावशाली उद्योग जगत की हस्तियों के साथ द्विपक्षीय व्यापार और निवेश बढ़ाने के लिए संभावनाओं का पता लगाएंगे। पीयूष गोयल की बैठकें दोनों देशों के वरिष्ठ सरकारी अधिकारियों, उद्योग जगत के नेताओं और व्यापार संघों के साथ उच्च-प्रभावी बातचीत को सुविधाजनक बनाने के लिए तय की गई हैं। यात्रा कार्यक्रम में फार्मा और लाइफ साइंसेज, तथा प्रेसिजन इंजीनियरिंग, मशीन टूल्स, हाई-टेक मैन्युफैक्चरिंग जैसे क्षेत्रों में प्रमुख स्विस उद्योग जगत के नेताओं के साथ केंद्रित क्षेत्रीय बैठकें शामिल हैं। मंत्रालय ने कहा कि केंद्रीय वाणिज्य मंत्री की यह यात्रा प्रमुख यूरोपीय देशों के साथ रणनीतिक और आर्थिक साझेदारी को गहरा करने, मजबूत व्यापार और निवेश संबंधों को आगे बढ़ाने में भारत की दृढ़ प्रतिबद्धता को रेखांकित करती है। ये दौरा यूरोप की दो सबसे नवीन अर्थव्यवस्थाओं के साथ भारत के जुड़ाव को बढ़ाने में महत्वपूर्ण मील का पत्थर होगा।

सर्राफा बाजार में मामूली गिरावट, फीकी पड़ी सोने और चांदी की चमक

एजेंसी

नई दिल्ली। घरेलू सर्राफा बाजार में आज मामूली गिरावट का रुख नजर आ रहा है। कीमत में आई गिरावट के कारण देश के ज्यादातर सर्राफा बाजारों में आज 24 कैरेट सोना 97,960 रुपये से लेकर 98,110 रुपये प्रति 10 ग्राम के दायरे में कारोबार कर रहा है। इसी तरह 22 कैरेट सोना आज 89,790 रुपये से लेकर 89,940 रुपये प्रति 10 ग्राम के बीच बिक रहा है। सोना की तरह ही चांदी के भाव में भी आज मामूली कमजोरी आई है, जिसके कारण ये चमकीली धातु दिल्ली सर्राफा बाजार में 200 रुपये सस्ती होकर 1,06,900 रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर पर बिक रही है। दिल्ली में 24 कैरेट सोना 98,110 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है, जबकि 22 कैरेट सोने की कीमत 89,940 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। वहीं देश की आर्थिक राजधानी मुंबई में 24 कैरेट सोना 97,960 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 89,790 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। इसी तरह अहमदाबाद में 24 कैरेट सोने की रिटेल कीमत 98,010 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोने की कीमत 89,840 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। इन प्रमुख शहरों के अलावा चेन्नई में 24 कैरेट सोना आज 97,960 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर और 22 कैरेट सोना 89,790 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर बिक रहा है। कोलकाता में भी 24 कैरेट सोना 97,960 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 89,790 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। लखनऊ के सर्राफा बाजार में 24 कैरेट सोना आज 98,110 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर और 22 कैरेट सोना 89,940 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। पटना में 24 कैरेट सोने की कीमत 98,010 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर है, जबकि 22 कैरेट सोना 89,840 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। जयपुर में 24 कैरेट सोना 98,110 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 89,940 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। देश के अन्य राज्यों की तरह कर्नाटक, तेलंगाना और ओडिशा के सर्राफा बाजार में भी आज सोना सस्ता हुआ है। इन तीनों राज्यों की राजधानियों बेंगलुरु, हैदराबाद और भुवनेश्वर में 24 कैरेट सोना आज 97,960 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह इन तीनों शहरों के सर्राफा बाजारों में 22 कैरेट सोना 89,790 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है।

मोदी सरकार ने 11 साल में सिर्फ सपने बेचे: राहुल

एजेंसी

नयी दिल्ली। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने सोमवार को आरोप लगाया कि नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार के 11 साल में कोई जवाबदेही नहीं बल्कि सिर्फ प्रचार हुआ है। उन्होंने कहा कि केंद्र वर्तमान के बारे में बात करना छोड़ अब 2047 के सपने बेच रहा है।

महाराष्ट्र के ठाणे जिले में भीड़भाड़ वाली लोकल ट्रेन से गिरकर कम से कम चार यात्रियों की मौत और छह के घायल होने की घटना के बाद राहुल गांधी ने सरकार पर यह हमला किया है। लोकसभा में विपक्ष के नेता ने 'एक्स' पर कहा, ''जब मोदी सरकार 11 साल की 'सेवा' का जश्न मना रही है, तब देश की हकीकत मुंबई से आ रही दर्दनाक खबर में दिखती है- ट्रेन से गिरकर कई लोगों की मौत। उन्होंने कहा कि भारतीय रेल करोड़ों की जिंदगी की रीढ़ है, लेकिन आज यह असुरक्षा, भीड़ और अव्यवस्था की प्रतीक बन चुकी है। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष ने कहा, ''मोदी सरकार के 11 साल में न

मोदी सरकार के 11 साल में न जवाबदेही और न बदलाव, सिर्फ प्रचार

निर्वाचन आयोग हरियाणा-महाराष्ट्र की मतदाता सूची से जुड़े डेटा कब तक सौंपेगा

जवाबदेही, न बदलाव, सिर्फ प्रचार हुआ है। सरकार 2025 पर बात करना छोड़, अब 2047 के सपने बेच रही है। उन्होंने कहा, ''देश आज क्या झेल रहा है, ये कौन देखेगा? मैं मृतकों के परिवारों के प्रति गहरी संवेदना प्रकट करता हूं और घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना करता हूं। एक पुलिस अधिकारी ने बताया कि यह रेल दुर्घटना दिवा और कोपर रेलवे स्टेशन के बीच उस समय घटी जब ट्रेन कसारा की ओर जा रही थी। रेलवे अधिकारियों ने मृतकों की संख्या की पुष्टि किए बिना बताया कि घटना संभवतः भीड़भाड़ वाली दो ट्रेन के पायदान से लटके यात्रियों और

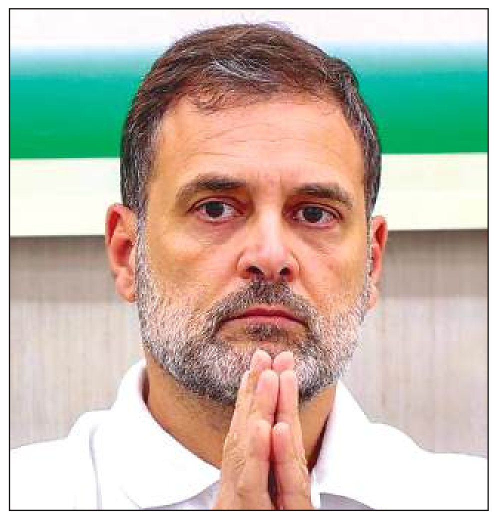

उनके बैग के एक-दूसरे से टकराने के कारण हुई क्योंकि ट्रेन विपरीत दिशाओं से गुजर रही थीं। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष ने मीडिया की एक खबर का 'स्क्रीनशॉट' साझा किया जिसमें दावा किया गया है कि निर्वाचन आयोग ने वर्ष 2009 से 2024 तक हरियाणा और महाराष्ट्र के लिए मतदाता सूची का डेटा साझा करने का रास्ता साफ कर दिया है। इसमें कहा गया है कि निर्वाचन आयोग ने इससे पहले मौजूदा साल की शुरुआत में दिल्ली उच्च न्यायालय को इस संबंध में आश्वासन दिया था। हालांकि, कथित कदम को लेकर निर्वाचन आयोग की ओर से अभी तक कोई आधिकारिक टिप्पणी नहीं की गई है। 'एक्स' पर एक पोस्ट में गांधी ने कहा, ''निर्वाचन आयोग द्वारा मतदाता सूची को सौंपने के लिए उठाया गया अच्छा पहला कदम। क्या निर्वाचन आयोग उस तय तिथि की घोषणा करने की कृपा कर सकता है जब यह डेटा डिजिटल और 'मशीन द्वारा पठनीय' प्रारूप में सौंपा जाएगा?'' पिछले साल के महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव में धांधली का आरोप लगाने वाले अपने लेख पर राहुल के निर्वाचन आयोग से प्रतिक्रिया मांगने के बाद निर्वाचन निकाय के सूत्रों ने रविवार को कहा कि संवैधानिक निकाय केवल तभी जवाब देगा जब नेता प्रतिपक्ष सीधे इसे लिखेंगे। उन्होंने यह भी बताया कि संपर्क बढ़ाने के तहत निर्वाचन आयोग ने सभी छह राष्ट्रीय दलों को अलग -अलग बातचीत के लिए आमंत्रित किया था। उन्होंने कहा कि पांच दलों के नेता निर्वाचन आयोग के अधिकारियों से मिले, लेकिन कांग्रेस ने 15 मई की बैठक रद्द कर दी थी। निर्वाचन आयोग के सूत्रों की ओर से महाराष्ट्र चुनाव में धांधली के राहुल के आरोपों को खारिज कर दिया गया था। इसके बाद राहुल गांधी ने शनिवार को निर्वाचन आयोग पर दोबारा हमला बोलते हुए कहा था कि चोरी से नहीं बल्कि सच से इसकी विश्वसनीयता की रक्षा होगी। एक अखबार में प्रकाशित एक लेख में राहुल गांधी ने महाराष्ट्र चुनाव में 'मैच-फिक्सिंग' का आरोप लगाया था और दावा किया था कि यही आगामी बिहार चुनाव में और हर उस जगह होगा जहां कहीं भी भाजपा हार रही है।

विफलताओं की मिसाल साबित हुए हैं मोदी शासन के 11 साल : खरगे

एजेंसी

नयी दिल्ली। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने मोदी सरकार के 11 साल के शासन काल को विफल, संवैधानिक ढांचे को नुकसान पहुंचाने, हकीकत की जगह सिर्फ जुमलेबाजी करने और सामाजिक ताने बाने को आघात पहुंचाने वाला करार देते हुए सोमवार को कहा कि इस दौरान राज्यों की अनदेखी हुई तथा संघीय ढांचे को कमजोर किया गया है।

श्री खरगे ने कहा कि पिछले 11 वर्ष में मोदी सरकार ने लोकतंत्र, अर्थव्यवस्था और सामाजिक ताने-बाने को गहरा आघात पहुँचाया है। भाजपा-आरएसएस ने हर संवैधानिक संस्था को कमज़ोर कर, उनकी स्वायत्तता पर कड़ा प्रहार किया है। चाहे वो जनमत चुराकर पिछले दरवाज़े से सरकारें गिराना हो या एक-दलीय तानाशाही शासन जबरन लागू करना हो। इस दौरान, राज्यों के हकों की अनदेखी हुई है और संघीय ढांचे को कमज़ोर किया गया है। उन्होंने कहा कि समाज में नफ़रत, धमकी और डर का वातावरण फैलाने की कोशिश जारी है। दलित, आदिवासी, पिछड़े, अल्पसंख्यक तथा कमज़ोर वर्गों का शोषण लगातार बढ़ा है। इनके आरक्षण और बराबरी के अधिकार से वंचित रखने की साजिश जारी है। मणिपुर की ना थमने वाली हिंसा भाजपा की प्रशासनिक विफलता का सबसे बड़ा सबूत है। भाजपा-आरएसएस ने देश के जीडीपी विकास दर को 5-6 प्रतिशत की आदत डाल दी, जो यूपीए सरकार के दौरान औसतन आठ प्रतिशत हुआ करता था। सालाना दो करोड़ नौकरियों का वादा पूरा करने के बजाय युवाओं से करोड़ों नौकरियाँ छीनी गयी गई। महँगाई से जनता की बचत 50 साल में सबसे कम हो गई है और आर्थिक असमानता 100 साल में सबसे अधिक कर दी गई है। कांग्रेस अध्यक्ष ने मोदी सरकार की हर नीति को विफल करार देते हुए कहा कि नोटबंदी, गलत जीएसटी, अनियोजित लॉक-डाउन और असंगठित क्षेत्र पर हथौड़ा चलाकर करोड़ों का भविष्य बर्बाद किया।

देश में कोरोना संक्रमण के सक्रिय मामलों की संख्या 6491 तक पहुंची

एजेंसी

नयी दिल्ली। देशभर में कोराना संक्रमण के सक्रिय मामलों की संख्या सोमवार सुबह तक 6491 पहुंच गयी और राहत की बता यह है कि इसके संक्रमण से पिछले 24 घंटों के दौरान किसी भी मरीज की मौत नहीं हुई।

केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय के अनुसार आज सुबह आठ बजे तक 358 नए संक्रमण के मामले सामने आए, जिससे कोविड-19 के कुल मामलों की संख्या 6,491 हो गई। राहत की बात यह है कि पिछले 24 घंटों में कोरोना से संबंधित किसी अन्य मरीज की मौत नहीं हुई और मृतकों की संख्या 65 पर स्थिर है। मंत्रालय के आंकड़ों के अनुसार सबसे ज्यादा मामले केरल में दर्ज किए गए हैं। देश के दस राज्यों में कोरोना सक्रिय मामलों में वृद्धि हुई है। जिनमें से केरल, दिल्ली, गुजरात, कर्नाटक, महाराष्ट्र और पश्चिम बंगाल में भी मामलों में उल्लेखनीय वृद्धि देखी गई है। कोरोना संक्रमण के मामले में केरल सबसे अधिक प्रभावित राज्य बना हुआ है, जहां आज सुबह सक्रिय मामलों की संख्या 1957 तक पहुंच गई और दिल्ली में लगभग 42 नए मामले सामने आए, जिससे कुल मामलों की संख्या 728 हो गई। इसके अलावा गुजरात में 980, पश्चिम बंगाल में 747, महाराष्ट्र में 607, कर्नाटक में 423, तमिलनाडु में 219, उत्तर प्रदेश में 225, राजस्थान में 128, हरियाणा में 100, आंध्र प्रदेश में 85, पुड्डुचेरी में 11, सिक्किम में 31, मध्य प्रदेश में 43, झारखंड में चार, छत्तीसगढ में 41, बिहार में 50, ओडिशा में 34, जम्मू-कश्मीर में नौ, पंजाब में 35, असम में चार, गोवा में नौ, तेलंगाना में नौ, उत्तराखंड में छह, चंड़ीगढ़ में दो, हिमाचल प्रदेश तीन, त्रिपुरा में एक सक्रिय मामले हैं। मिजोरम और अरुणाचल प्रदेश में कोरोना संक्रमण को कोई मामला सामने नहीं आया है। कोरोना की आधिकारिक वेबसाइट के अनुसार आज सुबह तक देश भर से 624 मरीजों के स्वस्थ्य होने पर उन्हें अस्पताल से छुट्टी मिल गयी है। स्वास्थ्य विशेषज्ञों के अनुसार देश में कोविड मामलों में मौजूदा उछाल ओमिक्रॉन के नए सब-वेरिएंट जैसे कि जेएन.1, एनबी.1.8.1, एलएफ.7 और एक्सएफसी के कारण है। इनमें संक्रमण की संभावना अधिक है।

'ऑपरेशन विजय' के शहीदों के परिजनों को उनके निवास पर जाकर सम्मानित करेगी सेना

एजेंसी

नयी दिल्ली। सेना 26वें करगिल विजय दिवस के उपलक्ष्य में करीब डेढ महीने तक विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन करेगी और शुरूआती कार्यक्रम में करगिल युद्ध में सर्वोच्च बलिदान देने वाले योद्धाओं के परिजनों को इस सप्ताह उनके निवास पर ही सम्मानित किया जायेगा।

सेना के अनुसार ये कार्यक्रम विजय दिवस यानी 26 जुलाई तक आयोजित किये जायेंगे और इनमें देश की सीमाओं की रक्षा करने वाले नायकों की अदम्य भावना, बलिदान और साहस का सम्मान किया जाएगा। सेना ने इस सप्ताह एक विशेष संपर्क अभियान की योजना बनाई गई है जिसमें कारगिल युद्ध के दौरान राष्ट्र की सेवा में सर्वोच्च बलिदान देने वाले युद्ध नायकों के परिजनों को सम्मानित किया जाएगा। अपनी तरह के इस पहले अभियान में सेना के प्रतिनिधि शहीदों के 545 निकटतम परिजनों से मिलेंगे और उनके निवास स्थान पर उनका सम्मान किया जाएगा। सेना कर्मियों की एक टीम सेना की ओर से आभार पत्र, एक स्मृति चिन्ह, विभिन्न केंद्रीय और राज्य सरकार एजेंसियों द्वारा अधिकृत लाभों का विवरण लेकर 25 राज्यों, दो केंद्र शासित प्रदेशों तथा नेपाल का दौरा करेगी और युद्ध नायकों के परिवारों से बातचीत कर उनकी किसी भी समस्या के बारे में पूछताछ करेगी। सेना शहीदों के परिवारों की सहायता के साथ-साथ इस अवसर का इस्तेमाल निकटतम परिजनों की शिकायतों को दूर करने के लिए भी करेगी। सेना विरासत को संरक्षित करने के लिए यादगार चीजें भी एकत्र करेगी और इन्हें कारगिल युद्ध स्मारक, द्रास में सम्मानजनक स्थान देगी। ये कार्यक्रम 26 जुलाई को करगिल युद्ध स्मारक पर पुष्पांजलि समारोह के साथ समाप्त होंगे, जो देश के लिए अपने प्राणों की आहुति देने वाले बहादुरों के सम्मान और आदर का प्रतीक है। डेढ महीने से भी अधिक समय तक चलने वाला यह स्मरणोत्सव न केवल अतीत का सम्मान करेगा, बल्कि वर्तमान और भावी पीढ़ियों को सेवा तथा बलिदान के मूल्यों को बनाए रखने के लिए प्रेरित भी करेगा। देश में हर वर्ष 26 जुलाई को करगिल विजय दिवस मनाया जाता है जो राष्ट्र के दिल में गौरव और गंभीर यादों के साथ अंकित है। वर्ष 1999 में इसी दिन भारत ने पाकिस्तानी घुसपैठियों को खदेड़ कर सामरिक रूप से महत्वपूर्ण करगिल की चोटियों को उनके कब्जे से छुड़ा कर ऑपरेशन विजय को सफलतापूर्वक पूरा किया था। करगिल युद्ध मजबूत राजनीतिक, सैन्य और कूटनीतिक कार्रवाइयों की गाथा है। इस युद्ध को हमेशा रणनीतिक और सामरिक स्तर पर हासिल सफलताओं के लिए याद किया जाएगा, साथ ही युद्ध को कारगिल-सियाचिन सेक्टरों तक सीमित रखने के लिए सेना के संयम की राष्ट्रीय रणनीति और तेजी से क्रियानवित की गई तीनों सेनाओं की सैन्य रणनीति के लिए भी याद किया जाएगा। राष्ट्र कई चुनौतियों के बावजूद भारतीय सेना के सैनिकों द्वारा दिखाए गए दृढ़ संकल्प, वीरता और अद्वितीय बहादुरी को भी कभी नहीं भूलेगा।

श्रीअन्न की वैश्विक पहचान बनानी होगी : शिवराज

एजेंसी

नयी दिल्ली। केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने मोटे अनाज की विश्व स्तर पर पहचान स्थापित करने की कोशिश करने का आह्वान करते हुए कहा है कि तेलंगाना का श्री अन्न अनुसंधान संस्थान पूरी दुनिया को दिशा देगा।

श्री चौहान विकसित कृषि संकल्प अभियान के अंतर्गत सोमवार को तेलंगाना पहुंचे और किसानों तथा वैज्ञानिक समुदाय से संवाद किया। उन्होंने रंगारेड्डी जिले में किसानों के नवाचार को देखा और कहा कि राज्य में पाम की खेती बढ़ाने के प्रयास होने चाहिए। उन्होंने कहा कि किसानों की आय में वृद्धि करने के लिए सरकार प्रतिबद्ध है और निरंतर प्रयास कर रही है। देश में भी अनुसंधान किये जा रहे हैं और विदेशों के भी सफल अनुसंधान किसानों तक पहुंचाने की कोशिश की जायेगी। सरकार एकीकृत खेती के मॉडल विकसित करने पर जोर दे रही है। उन्होंने हैदराबाद में भारतीय श्रीअन्न अनुसंधान संस्थान में श्रीअन्न वैश्विक उत्कृष्ट अनुसंधान केंद्र का शिलान्यास किया है। उन्होंने कहा कि पोषण के लिए श्रीअन्न 'सुपर फूड' है और धरती के लिए यह वरदान भी है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने 18 मार्च 2023 को भारतीय श्रीअन्न अनुसंधान संस्थान को श्री अन्न वैश्विक उत्कृष्टता केंद्र रूप में उन्नयन करने की घोषणा की थी। आज इसी कड़ी में 250 करोड़ रुपए की लागत से बनने वाले इस भवन का शिलान्यास किया गया है। यह अंतरराष्ट्रीय ज्ञान और कौशल विकास के रूप में कार्य करेगा। श्री चौहान ने कहा कि कृषि भारतीय अर्थव्यवस्था की रीढ़ है और किसान उसकी आत्मा है ।

जातीय जनगणना पर सवाल उठाना राजद और कांग्रेस की अवसरवादिता: राजीव रंजन

एजेंसी

नयी दिल्ली। जनता दल - यूनाइटेड ने कांग्रेस और राष्ट्रीय जनता दल पर जनता को भ्रमित करने का आरोप लगाते हुए सोमवार को कहा कि जातीय जनगणना पर सवाल उठाना राजनीतिक अवसरवादिता है।

जनता दल यूनाईटेड - (जद-यू) के राष्ट्रीय प्रवक्ता राजीव रंजन प्रसाद ने यहां कहा कि राष्ट्रीय जनता दल (राजद) का जातीय जनगणना कराए जाने के तौर तरीकों पर सवाल उठाना महज राजनीतिक हथकंडा है। उन्होंने कहा कि हमेशा से पिछड़ों,अति पिछड़ों, दलितों की हकमारी करने वाली राजद ने वर्ष 1990 से लेकर वर्ष 2005 तक बिहार पर शासन किया, लेकिन इस दौरान लालू प्रसाद यादव सरकार और राबड़ी देवी सरकार ने कभी भी राज्य में जाति आधारित सर्वेक्षण कराने का फैसला नहीं लिया। जद-यू प्रवक्ता ने कहा कि केंद्र की राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) सरकार का देश में जातीय जनगणना कराने का फैसला लेना एक ऐतिहासिक कदम है और विपक्षी दलों का इस मसले पर टीका टिप्पणी करना विशुद्ध रुप से राजनीतिक अवसरवादिता के सिवाय कुछ नहीं है। उन्होंने कहा, ल्ल राजद और कांग्रेस ने हमेशा सामाजिक न्याय की बातें तो कीं, लेकिन जब उन्हें अवसर मिला, तब उन्होंने जातीय आंकड़ों को सामने लाने की ईमानदार कोशिश नहीं की। यह उनकी राजनीतिक इच्छाशक्ति की कमी को दर्शाता है। श्री प्रसाद ने कहा कि मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की सरकार में बिहार में जाति आधारित सर्वेक्षण का काम सफलतापूर्वक पूरा किया गया और इसकी रिपोर्ट के आधार पर जरुरतमंदों को उसकी आबादी के अनुरूप आरक्षण का लाभ देने पर काम चल रहा है। उन्होंने कहा कि विपक्षी पार्टियां जहां जाति को चुनावी राजनीतिक हथियार के रूप में प्रयोग करती है, वहीं जद-यू सरकार जाति को विकास की इकाई के रूप में चिन्हित कर समाज के संतुलित, समग्र एवं समेकित विकास सुनिश्चित करने का प्रयास कर रही है। उन्होंने कहा कि जाति आधारित सर्वेक्षण कराकर राज्य सरकार ने गरीबी रेखा के नीचे जीवनयापन करने वाले 94 लाख परिवारों को दो-दो लाख रुपए की आर्थिक सहायता उपलब्ध कराना सुनिश्चित किया है। इसके अलावा सभी जाति, सभी वर्ग एवं सभी धर्म के आर्थिक रूप से कमजोर लोगों के लिए नयी आरक्षण व्यवस्था लागू की जिससे समाज पर सकारात्मक प्रभाव पड़ेगा। उन्होंने कहा कि नयी व्यवस्था न्यायालय के विचाराधीन है, लेकिन आशा है कि सरकार को इसमें निश्चित सफलता मिलेगी। इससे बिहार के विकास की प्रक्रिया को एक नयी दिशा एवं नया आयाम प्राप्त होगा एवं डॉ राम मनोहर लोहिया के समता मूलक समाज का सपना साकार होगा। उन्होंने कहा कि श्री नीतीश कुमार का स्पष्ट रूप से मानना है कि सामाजिक न्याय सिर्फ भाषणों और नारों से नहीं आता, बल्कि उसके लिए ठोस और व्यावहारिक कदम उठाने होते हैं। जातीय सर्वेक्षण से मिली जानकारी का उपयोग कर सरकार ने कई कल्याणकारी योजनाओं के लिए नीतिगत सुधारों की दिशा तय की है। इससे समाज के सभी वर्गों को उनके हिस्से का अधिकार सुनिश्चित किया जा सकेगा। श्री प्रसाद ने कहा कि केंद्र की राजग सरकार का देश में जातीय जनगणना कराने का फैसला लेना एक ऐतिहासिक कदम है और विपक्षी दलों का इस मसले पर टीका टिप्पणी करना विशुद्ध रुप से राजनीतिक अवसरवादिता के सिवाय कुछ नहीं है। राजद और कांग्रेस ने हमेशा सामाजिक न्याय की बातें तो कीं, लेकिन जब उन्हें अवसर मिला, तब उन्होंने जातीय आंकड़ों को सामने लाने की ईमानदार कोशिश नहीं की। यह उनकी राजनीतिक इच्छाशक्ति की कमी को दर्शाता है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस ने देश पर करीब 60 वर्ष तक शासन किया लेकिन कांग्रेस सरकार ने कभी भी देश में जातीय जनगणना कराने की कोशिश नहीं की। हकीकत ये है कि कांग्रेस ने हमेशा से समाज के शोषितों, वंचितों के अधिकारों को दबाने की कोशिश की। केंद्र में नरेंद्र मोदी सरकार के जातीय जनगणना कराए जाने के फैसले पर सवाल उठाने से पहले कांग्रेस को अपने गिरेबान में झांकना चाहिए और खुद श्री राहुल गांधी को सोचना चाहिए कि वर्ष 2004 से लेकर वर्ष 2014 तक कांग्रेस के नेतृत्व में संयुक्त प्रगतिशील गठबंधन (संप्रग) - वन और संप्रग - टू की सरकार ने देशभर में जातीय जनगणना कराने का निर्णय क्यों नहीं लिया? उन्होंने कहा कि आज जब केंद्र की सरकार इस मुद्दे पर कदम उठा रही है, तो राजद को जनगणना के स्वरूप, प्रक्रिया और उद्देश्य पर आपत्ति होने लगी है। इससे साफ है कि राजद की नीयत केवल राजनीतिक लाभ उठाने की है। उन्हें सामाजिक न्याय की सच्ची चिंता नहीं है। उन्होंने कहा कि सामाजिक न्याय की दिशा में जातीय जनगणना एक जरूरी कदम है और किसी भी पार्टी को इसके उद्देश्य और प्रक्रिया को राजनीतिक चश्मे से नहीं देखना चाहिए। राजद को राजनीतिक भ्रम फैलाने की बजाय, समाज के व्यापक हित को प्राथमिकता देनी चाहिए।

पेज एक का शेष

मेघालय से लापता...

इसके अलावा मेघालय पुलिस ने यूपी के ललितपुर से भी एक युवक आकाश लोधी (18) को हिरासत में लिया है। मेघालय की सोहरा थाना पुलिस इस मामले की जांच कर रही है। सोनम गाजीपुर में मिली है। मेघालय पुलिस गाजीपुर पहुंच रही है। दरअसल, राजा रघुवंशी और सोनम की शादी 11 मई को इंदौर में हुई थी। इसके बाद दोनों 20 मई को हनीमून के लिए गुवाहाटी पहुंचे और मां कामाख्या के दर्शन किए। इसके बाद दोनों 23 मई को मेघालय के शिलांग के लिए रवाना हुए। शुरुआत में परिवार की दोनों से बात होती रही, लेकिन 24 मई से दोनों के मोबाइल बंद हो गए। जब कोई संपर्क नहीं हो सका तो सोनम के भाई गोविंद और राजा के भाई विपिन शिलांग पहुंचे। इसके बाद वे सर्चिंग टीम के साथ जुड़े। इसी बीच लापता दंपति में से पति राजा रघुवंशी का शव दो जून को मेघालय के पूर्वी खासी हिल्स जिले के सोहरा क्षेत्र में एक झरने के पास गहरी खाई में मिला था। अब इस पूरे मामले पर सब की निगाहें मेघालय पुलिस की जांच पर है। सोनम लापता होने के बाद 17 दिन तक कहां रही है।

मोदी सरकार...

के लिए आगे बढ़ रहा है। उन्होंने स्वच्छ भारत अभियान, आयुष्मान भारत और उज्ज्वला योजना जैसी प्रमुख कल्याणकारी योजनाओं को ऐतिहासिक पहल बताया जिनसे लाखों गरीब लोगों के लिए सम्मान, स्वास्थ्य और सशक्तिकरण सुनिश्चित हुआ है। उन्होंने कहा कि इसके साथ ही राजमार्गों से लेकर रेलवे तक, स्मार्ट शहरों से लेकर डिजिटल कनेक्टिविटी तक भौतिक बुनियादी ढांचे में बड़े पैमाने पर विस्तार और स्वास्थ्य सेवा तथा शिक्षा में मानव संसाधनों को मजबूत कर एक नए भारत की नींव रखी गयी है। केन्द्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने राजग सरकार के 11 वर्ष के कार्यकाल में देश ने आर्थिक पुनरुत्थान, सामाजिक न्याय, सांस्कृतिक गौरव और राष्ट्रीय सुरक्षा का एक नया युग देखा है। उन्होंने कहा ,ल्ल मोदी सरकार के ऐतिहासिक 11 वर्ष जनसेवा के संकल्प, साधना और समर्पण का स्वर्णिम कालखंड रहे हैं। ग्यारह वर्ष के कार्यकाल में देश ने आर्थिक पुनरुत्थान, सामाजिक न्याय, सांस्कृतिक गौरव और राष्ट्रीय सुरक्षा का एक नया युग देखा है। मोदी सरकार ने यह सिद्ध कर दिया कि जब नेतृत्व स्पष्ट, संकल्प अडिग और नीयत लोकसेवा की होती है, तब सेवा, सुरक्षा और सुशासन के नए कीर्तिमान बनते हैं। उन्होंने कहा , ल्ल पिछले 11 वर्षो में 'मिनिमम गवर्नमेंट, मैक्सिमम गवर्नेंस' से देश के विकास की स्पीड और स्केल दोनों को बदला गया है। प्रधानमंत्री किसानों, महिलाओं, पिछड़ों, दलितों और वंचितों को शासन के केंद्र में लाए और तुष्टीकरण की जगह सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास और सबका प्रयास की कार्य संस्कृति बनाई। सत्तारूढ भारतीय जनता पार्टी के अध्यक्ष जे पी नड्डा ने मोदी सरकार को 'पारदर्शी और भविष्यदर्शी' बताया और कहा कि प्रधानमंत्री ने भारत में राजनीति की संस्कृति में आमूल-चूल परिवर्तन किया है। उन्होंने कहा कि सरकार ने निराशा के वातावरण को दूर कर विकसित भारत की मजबूत आधार रखने का काम किया है। उन्होंने कहा कि 2014 से पहले की सरकार में भ्रष्टाचार का बोलबाला था और वह नकारात्मक एजेंडा के साथ चल रही थी। उन्होंने कहा कि 11 साल पहले की राजनीतिक-संस्कृति में सत्ता में बने रहने के लिए तुष्टिकरण और समाज को खंडित करने की सोच हावी थी। श्री मोदी ने जिम्मेदारी और जवाबदेही के साथ सरकार के कामकाज के रिपोर्ट कार्ड के आधार पर शासन की राजनीति का मानक बनाया। उन्होंने कहा, ल्लहम जो काम कर रहे हैं, उसे जनता के सामने रखते हैं। श्री नड्डा ने कहा कि श्री मोदी के नेतृत्व में कई साहसिक और ठोस कदम उठाये गये हैं। अनुच्छेद 370 हटाये जाने का उल्लेख करते हुए उन्होंने कहा कि देश मान चुका था कि ये संभव नहीं है। उन्होंने कहा कि इस कदम के बाद वहां लोकसभा में प्रदेश में 58.46 प्रतिशत और विधानसभा चुनाव में 63 प्रतिशत लोगों ने अपने मताधिकार का इस्तेमाल कर देश के लोकतंत्र में अपनी मजबूत आस्था व्यक्त की। उन्होंने कहा कि यह बदलाव मोदी सरकार की साहसिक निर्णय की वजह से आया है। भाजपा अध्यक्ष ने कहा, पिछले एक दशक में हमने अनुसूचित जाति एवं जनजाति (एससी-एसटी) तथा अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी) समेत समाज के सभी वर्गों की चिंता की है। उसी तरीके से हमने महिलाओं के नेतृत्व विकास को आगे बढ़ाया है

फिल्म ठग लाइफ...

दलील दी, 'थिएटर सुरक्षा की मांग कर रहे हैं। पीठ पर इस दलील का भी असर नहीं पड़ा। पीठ ने कहा, उल्लेख खारिज कर दिया। उच्च न्यायालय जाएं। फिल्म ठग लाइफ को लेकर कथित तौर पर कन्नड़ भाषा के बारे में आपत्तिजनक टिप्पणी के विवाद के बाद बढ़ते तनाव के बीच याचिका दायर की गई थी। मणिरत्नम द्वारा निर्देशित और 1987 की क्लासिक नायकन के बाद हासन के साथ पुनर्मिलन को चिह्नित करने वाली यह फिल्म पांच जून 2025 को तमिल, तेलुगु, हिंदी और मलयालम में देश भर में रिलीज हुई थी। कर्नाटक में इसकी रिलीज धमकियों और विरोध के कारण बाधित हुई थी। याचिका में उठाई गई चिंताओं के बावजूद शीर्ष न्यायालय ने यह स्पष्ट कर दिया कि इस मामले को पहले कर्नाटक उच्च न्यायालय द्वारा निपटारा (यदि उसके समक्ष याचिका दयार की जाती है) किया जाना चाहिए।

लोकल ट्रेन से ...

हुए थे। घटना की सूचना मिलने के बाद रेलवे अधिकारी और पुलिस तुरंत घटनास्थल पर पहुंचे और घायलों को इलाज के लिए नजदीकी अस्पतालों में ले जाया गया। दुर्घटना की परिस्थितियों की जांच अभी चल रही है। इस दुर्घटना से प्रभावित मार्ग पर लोकल ट्रेन सेवाएं बाधित हो गयी हैं। शुरुआती रिपोर्टों से पता चलता है कि पांच लोगों की मौत हो गई है, हालांकि आधिकारिक पुष्टि अभी भी लंबित है। बचाव और जांच के प्रयास जारी रहने के कारण आगे के विवरण की प्रतीक्षा है। मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने कहा, दिवा और मुंब्रा स्टेशनों के बीच एक लोकल ट्रेन से कुल आठ यात्रियों के गिरने की घटना, जिसके परिणामस्वरूप कुछ लोगों की मौत हो गई, जो बेहद दुर्भाग्यपूर्ण है। मैं मृतकों के प्रति अपनी हार्दिक संवेदना व्यक्त करता हूं। स्थानीय प्रशासन जमीनी स्तर पर प्रयासों का समन्वय कर रहा है। मैं घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की ईश्वर से प्रार्थना करता हूं। उन्होंने कहा कि रेलवे विभाग ने घटना के सटीक कारण का पता लगाने के लिए जांच शुरू कर दी है।

चार सूत्रीय रणनीति...

लिमिटेड, यूपी राज्य विद्युत उत्पादन निगम लिमिटेड और यूपी स्टेट इंडस्ट्रियल डेवलपमेंट कॉरपोरेशन जैसे प्रमुख उपक्रम राज्य की आर्थिक रीढ़ हैं। योगी सरकार ने इन उपक्रमों को सशक्त करने के लिए चार-सूत्री रणनीति अपनाई है।

इसमें सुशासन को मजबूत करना, अधिकारियों की क्षमता निर्माण, आधुनिक तकनीक और बेंचमार्किंग का उपयोग और वित्तीय प्रबंधन को चुस्त-दुरुस्त करना शामिल है। इस रणनीति से बिजली, पानी और अन्य जरूरी सेवाएं पहले से कहीं अधिक सुलभ और किफायती होंगी, जिससे हर परिवार का जीवन आसान होगा। इन सुधारों का असर आम जनता की रोजमर्रा की जिंदगी पर साफ दिखेगा। उदाहरण के लिए, यूपी पावर कॉरपोरेशन लिमिटेड के तहत बिजली आपूर्ति में सुधार से गांवों में छोटे उद्योगों को बढ़ावा मिलेगा, जिससे स्थानीय स्तर पर रोजगार के अवसर बढ़ेंगे।

वहीं तकनीकी उन्नयन, जैसे स्मार्ट मीटर और साइबर सिक्योरिटी पहल से बिजली वितरण में पारदर्शिता और दक्षता आएगी। इसके अलावा, पीपीपी मॉडल और निजी भागीदारी के जरिए औद्योगिक विकास को गति मिलेगी, जिससे शहरों और कस्बों में आर्थिक गतिविधियां बढ़ेंगी। इन सबका फायदा हर वर्ग को, चाहे वह गांव का किसान हो या शहर का मध्यमवर्गीय परिवार, सबको मिलेगा। वहीं सरकार ने प्रबंध निदेशकों की नियुक्ति के लिए न्यूनतम तीन साल का कार्यकाल और प्रासंगिक पेशेवर अनुभव सुनिश्चित करने का प्रस्ताव रखा है। साथ ही, औद्योगिक सुविधा सेल और एआई और एमएल आधारित डेटा एनालिटिक्स जैसी पहलें शुरू की गई हैं। ये कदम न केवल सेवाओं को बेहतर करेंगे, बल्कि युवाओं के लिए रोजगार के नए द्वार खोलेंगे, जिससे वे अपने ही राज्य में बेहतर भविष्य बना सकेंगे। योगी सरकार का यह प्रयास उत्तर प्रदेश को आर्थिक महाशक्ति बनाने की दिशा में एक बड़ा कदम है। जैसे-जैसे ये सुधार जमीन पर उतर रहे हैं, वैसे-वैसे हर प्रदेश में खुशहाली की नई कहानी लिखी जा रही है।

चंपावत में हरित योग के साथ 11वें अंतरराष्ट्रीय योग दिवस की तैयारियां जोरों पर

कैनविज टाइम्स संवाददाता

चंपावत। पर्यावरणीय स्थिरता के प्रति जन जागरूकता एवं योग को पर्यावरण संरक्षण के साथ जोड़ने के उद्देश्य को लेकर सोमवार को पंचम वाहिनी सशस्त्र सीमा बल,चम्पावत में हरित योग कार्यक्रम का आयोजन किया गया, जो 11वें अन्तर्राष्ट्रीय योग दिवस की तैयारियों के क्रम में एक महत्वपूर्ण कदम है। इस कार्यक्रम में कॉमन योगा प्रोटोकॉल का अभ्यास किया गया, जिसका निर्देशन जिला आयुर्वेदिक एवं यूनानी अधिकारी डॉ. आनन्द सिंह गुसाई ने किया।

भारत सरकार के आयुष मंत्रालय द्वारा संचालित कार्यक्रम में प्रतिभागियों को कॉमन योगा प्रोटोकॉल का अभ्यास कराया गया, जिसका संचालन डॉ. प्रकाश सिंह, नोडल अधिकारी, 11वां अन्तर्राष्ट्रीय योग दिवस ने किया। कार्यक्रम में पंचम वाहिनी सशस्त्र सीमा बल के कमांडेंट अनिल कुमाल,विशाल बरनवाल,उप कमांडेंट शिवराम,आयुष विभाग चम्पावत से डॉ. उमेश भारती, डॉ. नमिता अग्रवाल सहित अनेक अधिकारी एवं जवान उपस्थित रहे।

ऑपरेशन सिंदूर की वीरगाथा को स्मरण करने के लिए मुख्यमंत्री ने सिंदूर का पौधा लगाया

कैनविज टाइम्स संवाददाता

नई दिल्ली। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने सोमवार को शालीमार बाग के गर्ल्स सीनियर सेकेंडरी स्कूल में 'एक पेड़ मां के नाम 2.0' विशेष अभियान में शामिल होकर अपनी मां के सम्मान में सिंदूर का पौधा रोपित किया। वहीं शिक्षा मंत्री आशीष सूद ने आम का पौधारोपण किया।

मुख्यमंत्री ने पत्रकारों को संबोधित करते हुए कहा कि इस वृक्ष के पुष्पों से तैयार होने वाला सिंदूर भारतीय नारी के शौर्य, सम्मान और आत्मबल का प्रतीक है। यह पौधा न केवल पर्यावरण संरक्षण का प्रतीक बनेगा, बल्कि 'ऑपरेशन सिंदूर' की वीरगाथा को भी सदा स्मरण कराता रहेगा। उन्होंने कहा कि भारत आज पर्यावरण जागरूकता के एक नए युग में प्रवेश कर चुका है और प्रधानमंत्री द्वारा प्रारंभ किया गया यह अभियान हमारे संवेदनशील और सतत विकासशील राष्ट्र की सोच को परिभाषित करता है। मुख्यमंत्री ने कहा कि हमारा संकल्प है कि दिल्ली को केवल एक राजधानी नहीं, बल्कि हरियाली, स्वच्छता और संवेदना का प्रतीक बनाया जाए। इसी उद्देश्य से इस वर्ष 70 लाख पौधारोपण का लक्ष्य निर्धारित किया गया है, ताकि आने वाली पीढ़ियों को एक हरी-भरी और स्वस्थ दिल्ली प्रदान की जा सके। इससे पहले मुख्यमंत्री ने आज अपने आवास पर जनसुनवाई कार्यक्रम में दिल्ली की जनता से सीधा संवाद किया। उनकी बातें सुनीं, सुझावों को आत्मसात किया और समस्याओं के समाधान के लिए अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए। यह जानकारी उन्होंने एक्स पर साझा की। मुख्यमंत्री ने पोस्ट करते हुए कहा कि जनता का भरोसा ही हमारी असली ताकत है। उनकी आवाज ही हमारी नीति की दिशा तय करती है। दिल्ली सरकार, हर जनमुद्दे पर सजग, संवेदनशील और पूरी तरह प्रतिबद्ध है।

डीएम ने किया ईवीएम व वीवीपैट वेयर हाउस का निरीक्षण

कैनविज टाइम्स संवाददाता

हरिद्वार। जिलाधिकारी जिला निर्वाचन अधिकारी मयूर दीक्षित ने रोशनाबाद जिला कार्यालय परिसर में स्थित वेयर हाउस में पहुंच कर राजनीतिक पदाधिकारियों के उपस्थिति में ईवीएम व वीवीपैट वेयर हाउस का निरीक्षण कर मशीनों की सुरक्षा व्यवस्थाओं का जायजा लिया तथा राजनीतिक पार्टियों के पदाधिकारियों की उपस्थिति में वेयर हाउस के रूम की सील को खोला गया। निरीक्षण के दौरान सभी व्यवस्थाएं दुरस्त पाई गई। निरीक्षण के उपरांत वेयर हाउस रूम को राजनीतिक दलों की निगरानी में सील किया गया। इस अवसर पर जिलाधिकारी ने सीसी कंट्रोल रूम का भी निरीक्षण किया तथा सुरक्षा व्यवस्थाओं का जायजा लिया। निरीक्षण के दौरान वेयर हाउस की सुरक्षा में तैनात किए गए सुरक्षा कर्मियों से कहा कि ईवीएम व वीवीपैट वेयर हाउस की सुरक्षा में किसी भी प्रकार की कोई लापरवाही नहीं होनी चाहिए, सभी कार्मिक अपने दायित्वों का निर्वहन सतर्कता एवं संवेदनशीलता के साथ करें। निरीक्षण के दौरान अपर जिलाधिकारी दीपेंद्र सिंह नेगी, राष्ट्रीय भारतीय कंाग्रेस के प्रतिनिधि संतोष कुमार, सीपीआई (एम) राजीव गर्ग, आईएनसी के चन्द्र पाल सिंह, जिलाध्यक्ष बसपा अनिल चौधरी, सहायक प्रभारी तुलसीराम मौर्य, मंडल अध्यक्ष भाजपा बिन्दर पाल, सहायक जिला निर्वाचन अधिकारी अरुणेश पैन्यूली, वरिष्ठ प्रशानिक अधिकारी देवेंद्र अधिकारी, सुरक्षा अधिकारी इंद्रजीत प्रसाद आदि मौजूद रहे।

वज़ीरपुर और आजादपुर मंडी क्षेत्र से 66 अवैध बांग्लादेशी नागरिक गिरफ्तार

कैनविज टाइम्स संवाददाता

नई दिल्ली। उत्तर-पश्चिम जिला की विदेशी सेल ने वज़ीरपुर और आजादपुर मंडी क्षेत्र में 66 अवैध रूप से रह रहे बांग्लादेशी नागरिकों को गिरफ्तार किया है। यह 11 परिवारों में विभाजित थे जो दिल्ली में बिना वैध दस्तावेज़ के रह रहे थे। यह कार्रवाई लगातार की गई गुप्त निगरानी और सूचनाओं के आधार पर की गई विशेष छापेमारी का हिस्सा है। इस अभियान की शुरुआत अवैध बांग्लादेशी प्रवासियों की पहचान और गिरफ्तारी के उद्देश्य से की गई थी। उत्तर पश्चिमी जिले के डीसीपी भीष्म सिंह ने बताया कि दो विशेष टीमों का गठन किया गया। पुलिस टीम को गुप्त सूचना मिली की 11 बांग्लादेशी परिवार दिल्ली के वज़ीरपुर जे जे कॉलोनी और आजादपुर मंडी क्षेत्र में रह रहे हैं। ये परिवार हरियाणा के गांव टैइन, नूह (पूर्व में मेवात) के ईंट भट्ठों में मजदूरी करते थे। पुलिस की सख्ती और मीडिया रिपोर्ट्स के कारण ये परिवार हरियाणा से दिल्ली आकर घने आबादी वाले इलाकों में छिपकर रहने लगे थे। उन्होंने

अपने समूह को दो भागों में बांटकर अलग-अलग जगह बसना चुना था ताकि पकड़ से बच सकें। टीमों ने गुप्त सूचना के आधार पर घर-घर छानबीन, सड़क गश्त और स्थानीय दुकानदारों व फल वालों से पूछताछ की। विशेष रूप से किराना दुकानों और बच्चों से जुड़ी वस्तुओं जैसे दूध की खरीदारी पर ध्यान दिया गया। जिससे परिवारों की उपस्थिति का पता चला। डीसीपी के अनुसार भारत नगर, आजादपुर मंडी और महेन्द्रा पार्क के इलाके में छापेमारी की गई। इस दौरान 35 अवैध बांग्लादेशी नागरिक वज़ीरपुर जे जे कॉलोनी से और 31 आजादपुर मंडी इलाके से पकड़े गए। कुल 66 लोग जिनमें 20 पुरुष, 16 महिलाएं और 30 बच्चे शामिल थे। गिरफ्तार किए गए लोग अपने मोबाइल फोन और बांग्लादेशी पहचान पत्र छिपाकर रखते थे ताकि मोबाइल ट्रैकिंग और पहचान से बचा जा सके। पुलिस ने सभी को विदेशी क्षेत्रीय पंजीकरण कार्यालय (एफआरआरओ) को सौंप दिया है।

पटना में कोरोना के आठ नए मरीज मिले

पटना। बिहार की राजधानी पटना में कोरोना के मरीजों की संख्या बढ़ती जा रही है। बीते कल यानि रविवार को पटना में कोरोना के आठ नए मरीज सामने आए हैं। इससे राज्यभर में संक्रमितों की कुल संख्या 60 पहुंच गई है। इनमें सक्रिय संक्रमितों की संख्या 39 है, जबकि 21 लोग कोरोना से पूरी तरह से ठीक हो चुके हैं। सिविल सर्जन कार्यालय के अनुसार रविवार को पांच लोग निजी अस्पताल और लैब में जांच कराने के बाद संक्रमित पाए गए, जबकि दो मरीजों की जांच एम्स पटना में और एक व्यक्ति जांच की एनएमसीएच में हुई है। नए संक्रमित मरीजों में नेऊरा, दानापुर, दीघा, राजीवनगर, कुम्हरार और कंकड़बाग क्षेत्र के लोग शामिल हैं। इन सभी में सर्दी, खांसी, बुखार और सांस लेने में तकलीफ जैसे सामान्य लक्षण पाए गए थे, जिसके बाद इन्होंने जांच कराई। सिविल सर्जन डॉ. अविनाश ने बताया कि अब तक पटना में कोरोना से किसी भी मरीज की मौत नहीं हुई है। उन्होंने बताया कि संक्रमितों में से अधिकांश की पहचान निजी लैबों द्वारा की गई है, जबकि एम्स और एनएमसीएच की जांच में संक्रमित मरीजों की संख्या अपेक्षाकृत कम रही है।

इमारत की छत अचानक भरभरा कर गिरी, बच्चे की मौत

नई दिल्ली। नांगलोई इलाके में सोमवार सुबह एक इमारत की छत अचानक भरभरा कर गिर गई। हादसे में घर में मौजूद दो लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। दोनों को मलबे से निकाल कर पास के संजय गांधी अस्पताल ले जाया गया। जहां डॉक्टरों ने आठ साल के वंश को मृत घोषित कर दिया, वहीं साबिर का इलाज चल रहा है। दमकल विभाग के निदेशक अतुल गर्ग ने बताया कि सोमवार सुबह 7.12 बजे दमकल विभाग को कमरुद्दीन नगर नांगलोई दीपांशु पब्लिक स्कूल के पास एक मकान की छत गिरने की जानकारी मिली। सूचना मिलते ही दमकल की चार गाड़ियां मौके पर पहुंच गईं। दमकल कर्मियों ने मलबे में फंसे बच्चे समेत दो लोगों को निकाल कर अस्पताल में भर्ती कराया। जहां बच्चे को मृत घोषित कर दिया गया है। पुलिस मामले की छानबीन कर रही है।

स्वस्थ रहने के लिए छात्रों को लेना चाहिए पौष्टिक भोजन : नीरज कौशिक

कैनविज टाइम्स संवाददाता

भागलपुर। सैनिक स्कूल गणपतराय सलारपुरिया सरस्वती विद्या मंदिर नरगाकोठी चंपानगर भागलपुर में भारती शिक्षा समिति एवं शिशु शिक्षा प्रबंध समिति के तत्वावधान में चल रहे नवीन आचार्य प्रशिक्षण वर्ग, सेवा स्थायित्व वर्ग एवं कार्यरत आचार्य प्रशिक्षण वर्ग को संबोधित करते हुए सोमवार को औरंगाबाद सरस्वती विद्या मंदिर के प्रधानाचार्य नीरज कुमार कौशिक ने कहा कि तनाव प्रबंधन एक सतत प्रक्रिया है। स्वस्थ जीवन शैली अपनाने और छात्रों को तनाव से निपटने के लिए उचित रणनीतियां अपनानी चाहिए। स्वस्थ रहने के लिए छात्रों को पौष्टिक भोजन लेना चाहिए और अनावश्यक वसा, चीनी का सेवन कम करना चाहिए। नियमित योग, पैदल चलना या दौड़ना तनाव कम करने में मदद करता है। छात्रों को पर्याप्त नींद में सोना चाहिए।

अपनी रुचियां में समय बिताना चाहिए और स्वयं को खुश रखने के लिए समय निकालना चाहिए। आरा सरस्वती विद्या मंदिर के प्रधानाचार्य संजीव झा ने कहा कि हॉलिस्टिक प्रोग्रेस कार्ड एक ऐसा रिपोर्ट कार्ड है, जो 360 डिग्री मूल्यांकन के माध्यम से छात्रों का संपूर्ण विकास मापता है। इसके माध्यम से छात्रों के संज्ञानात्मक, भावात्मक, सामाजिक -भावनात्मक और मानो प्रेरक क्षेत्र का विस्तृत मूल्यांकन होता है। 360 डिग्री मूल्यांकन शिक्षक, छात्रों के मित्र, अभिभावक एवं स्वयं छात्र द्वारा किया जाता है। संचालन एवं अतिथि परिचय वर्ग के उप प्रधानाचार्य सतीश कुमार सिंह द्वारा किया गया।

नंद नगरी में खड़ी बस से मिला शव

कैनविज टाइम्स संवाददाता

नई दिल्ली। उत्तर पूर्वी जिले के नंद नगरी इलाके में सोमवार सुबह एक प्राइवेट बस में सड़ी-गली हालत में शव मिला। मामले की सूचना मिलने पर मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए नजदीकी अस्पताल के शवगृह में सुरक्षित रखवा दिया है। फिलहाल पुलिस घ्टनास्थल के आसपास लगे सीसीटीवी फुटेज को खंगाल कर मामले कर जांच कर रही है। पुलिस के मुताबिक सुबह करीब 7:52 बजे पुलिस कंट्रोल रूम को सूचना मिली कि बस से खून निकल रहा है और आसपास बदबू फैली हुई है। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची। 212 बस स्टैंड पर खड़ी प्राइवेट टूरिस्ट बस (उप्र 22टी 7351) की जांच करने पर बस के सामने बाईं ओर की सीढ़ियों पर एक व्यक्ति का शव पड़ा मिला, जो आंशिक रूप से सड़ चुका था। पुलिस के वरिष्ठ अधिकारी के अनुसार जांच में मृतक की पहचान शिवा (32) के रूप में हुई है। वह गामड़ी 5वां पुस्ता, गली नंबर 9 का निवासी था और बस में हेल्पर का काम करता था। शव के सिर पर चोट का निशान था। शुरुआती जांच में यह एक दुर्घटनावश गिरने का मामला प्रतीत हो रहा है, क्योंकि बस के केबिन का दरवाज़ा अंदर से बंद मिला। हालांकि, वास्तविक कारण का पता पोस्टमार्टम रिपोर्ट के बाद ही चल सकेगा। मौके पर क्राइम टीम और फॉरेंसिक विशेषज्ञों की टीम ने जांच के दौरान साक्ष्य जुटाए हैं। शव को जीटीबी अस्पताल के शवगृह में भेज दिया गया है। पुलिस ने उक्त मामले में भारतीय न्याय संहिता की धारा 194 बीएनएस के तहत कार्रवाई शुरू कर दी है। पुलिस अधिकारी का कहना है कि अगर पोस्टमार्टम में किसी आपराधिक तत्व की पुष्टि होती है, तो आगे की कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

केदारनाथ में सृष्टि के संतुलन और जीव जंतुओं के सुपोषण के लिए सोम यज्ञ

कैनविज टाइम्स संवाददाता

रुद्रप्रयाग। मानसून में संतुलित बारिश, प्रकृति और पर्यावरण के संरक्षण और जीव-जंतुओं के सुपोषण के लिए केदारनाथ में छह दिवसीय सोम यज्ञ में वेदाचार्य आहुतियां दे रहे हैं। इस अनुष्ठान के वैज्ञानिक प्रभाव का अध्ययन भी किया जा रहा है, जिसके आधार पर जलवायु परिवर्तन सहित अन्य बिदुओं का अध्ययन भी किया जाएगा। केदारनाथ धाम में बीते शनिवार से अक्षय कृषि परिवार और महर्षि सांदीपनि वेद विद्या प्रतिष्ठान उज्जैन के संयुक्त सहयोग से छह दिवसीय सौमिक सुवृष्टि सोमयोग शुरू हुआ। बाबा केदार, क्षेत्रपाल भैरवनाथ की पूजा-अर्चना और आदिगुरु शंकराचार्य को स्मरण करते हुए सोम यज्ञ का विधि-विधान से शुभारंभ किया गया। इस यज्ञ की संकल्प पूजा डा. गजानन और कल्याणी डांगे के हाथों हुई।

दक्षिण भारत और मुंबई से पहुंचे अग्निहोत्री ब्राह्मण शौनक अग्निहोत्री और रेवा काले द्वारा सभी वैदिक परंपराओं के तहत वेद-मंत्रोच्चार के साथ हवन कुंड में हजारों आहुतियां दी जा रही हैं। आहुतियां दी जा रही हैं। इस अनुष्ठान में आईआईटी दिल्ली, भारतीय मौसम विभाग के सेवानिवृत्त वैज्ञानिक और भारतीय कृषि मंत्रालय के वैज्ञानिक भी प्रतिभाग कर रहे हैं। सोमयज्ञ में धार्मिक परंपराओं के साथ वैज्ञानिक आधार का भी अध्ययक्ष किया जा रहा है। सोम यज्ञ के दूसरे दिन केदारनाथ धाम में केदारसभा के पदाधिकारी और अन्य तीर्थपुरोहित शामिल हुये। इस मौके पर आयोजकों ने सभी अतिथियों को सम्मानित किया। क्या होता है सोम यज्ञ रुद्रप्रयाग। अक्षय कृषि परिवार के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष डा. गजानन डांगे बताते हैं कि सोमयज्ञ एक ऐसा यज्ञ है जो केवल मानव कल्याण के लिए ही नहीं होता। बल्कि समस्त सृष्टि के सजीव जीव-जंतुओं के पोषण, सृष्टिचक्र के संतुलन के लिए किया जाता है। इस यज्ञ में मानसून सीजन में संतुलित वर्षा, वातावरणीय संतुलन और अच्छी फसल की कामना के लिए आहुतियां दी जाती हैं। उन्होंने बताया कि प्राचीन समय में मानसून से पूर्व सुख-समृद्धि के लिए भगवान आशुतोष के सभी द्वादश ज्योतिर्लिंगों में सोमयज्ञ आयोजित किये जाते थे। 11 ज्योतिर्लिंगों में हो चुके सोम यज्ञ रुद्रप्रयाग। इस वर्ष फरवरी में ज्योतिर्लिंग रामेश्वरम में सोम यज्ञ का आयोजन किया गया। वहीं, मार्च में भिमाशंकर, त्रिंबकेश्वर, घृष्णेश्वर, मल्लिकार्जुन और ओंकारेश्वर ज्योतिर्लिंग में यह अनुष्ठान किया गया। अप्रैल में सोमनाथ और महाकालेश्वर ज्योतिर्लिंग में सोम यज्ञ अनुष्ठान संपन्न हुये। मई में नागेश्वर, बैद्यनाथ और काशी विश्वनाथ में सौमिक सुवृष्टि सोमयोग का भव्य आयोजन किया गया।

पारिवारिक विवाद में सात साल की बच्ची को लगी गोली

भागलपुर। जिले के लोदीपुर थाना क्षेत्र के माछीपुर गांव में सोमवार को एक सात साल की बच्ची रुखसार को अचानक गोली लग गई। घटना के समय वह अपने घर के पास खेल रही थी। गोली उसके दाहिने पैर में लगी है। परिजन उसे गंभीर हालत में इलाज के लिए मायागंज स्थित जवाहरलाल नेहरू मेडिकल कॉलेज अस्पताल ले गए, जहां उसका इलाज चल रहा है। परिवार वालों ने बताया कि हमला बच्ची के पिता को मारने की नीयत से किया गया था। बच्ची के पिता के अनुसार गांव के ही कामिल ने पुराने जमीन विवाद को लेकर उन्हें निशाना बनाया, लेकिन गोली उस वक्त चल गई जब बच्ची पास ही में मौजूद थी। गोली रुखसार को लगी और वह घायल हो गई। घटना की सूचना मिलते ही डीएसपी लॉ एंड ऑर्डर चंद्रशेखर और स्थानीय थानाध्यक्ष ब्रजेश कुमार मौके पर पहुंचे और जांच शुरू कर दी है। पुलिस ने बताया कि आरोपित कामिल प्लॉट पर रास्ता खोलने का विरोध कर रहा था, जिससे विवाद हुआ और गोली चलाई गई। फिलहाल पुलिस ने केस दर्ज कर लिया है और मामले की गहनता से जांच की जा रही है। बच्ची की हालत गंभीर बताई जा रही है।

चेयरमैन एवं प्रधान सम्पादक - राकेश कुमार पाण्डेय कार्यकारी सम्पादक* - अरशद सईद खान स्टेट हेड - संदीप मिश्रा

स्वामी, मुद्रक एवं प्रकाशक राकेश कुमार पाण्डेय द्वारा सरस्वती प्रिंटर्स वाटर वर्क्स रोड ऐशबाग, लखनऊ से मुद्रित एवं सी-46, कृष टॉवर, विभूति खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ, पिन-226010 से प्रकाशित। * इस अंक में प्रकाशित सभी समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पीआरबी एक्ट के तहत उत्तरदायी।

समस्त विवाद लखनऊ न्यायालय क्षेत्र के ही अधीन होंगे। फोन नं। 0522-4249333 फैक्स नं.- 4249333 e-mail : info@kanwhizztimes.com RNI NO - UPHIN/2012/42063